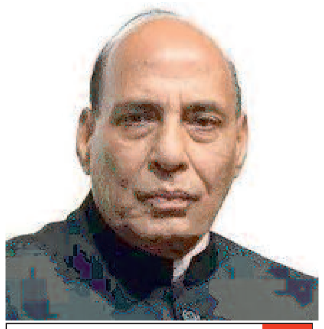

ब्रह्मोस, एस-400 से लेकर बराक-1 तक.. 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

सैम बहादुर को तीन सम्मान मिलने पर... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 01, अंक - 125 | गाजियाबाद / गुरूवार 07 अगस्त 2025 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

‘आफत’ बनी बारिश, दरक रहे पहाड़

● हिमाचल के किन्नौर में 2 श्रद्धालुओं की मौत ● किन्नर कैलाश यात्रा रुकी,413 तीर्थयात्री बचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहाड़ों पर मानसून की बारिश आफत लेकर आई है। हिमाचल प्रदेश में मंगलवार रात से जारी भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। किन्नौर जिले में सालाना होने वाली किन्नर कैलाश यात्रा पर गए दो श्रद्धालुओं की बाढ़ में बहने से मौत हो गई। अचानक आई बाढ़ से यात्रा रूट पर दो पुल भी बह गए। बाकी का रास्ता भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके कारण यात्रा रोक दी गई है। कई श्रद्धालु फंसे हुए हैं। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की टीम ने जिपलाइन की मदद से 413 तीर्थयात्रियों को बचाया है। मंगलवार रात में चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे पर भी लैंडस्लाइड हुई। सड़कों पर बड़ी-बड़ी चट्टान गिरने से राज्य में 500 से ज्यादा सड़कें बंद हैं।

शिमला, मंडी, सोलन और कुल्लू जिले में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। उत्तराखंड में बुधवार को भी भारी बारिश जारी है। पौड़ी जिले में बादल फटा है। यहां के बुरांसी गांव में मलबा गिरने से दो महिलाएं दब गईं। इनमें से एक महिला का शव बरामद हो चुका है, जबकि दूसरी की

तलाश जारी है। वहीं, बाकुंडा गांव में भी बादल फटा, जहां 5 नेपाली मजदूरों के बहने की सूचना है। कर्णप्रयाग में पहाड़ ढहने से बद्रीनाथ नेशनल हाईवे बंद हो गया। हरिद्वार-देहरादून रेल पर चट्टान गिरने से रेलों की आवाजाही बंद कर दी गई है। मौसम विभाग ने बुधवार को केरल में भी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं, कर्नाटक, तमिलनाडु और पुडुचेरी में ऑरेंज अलर्ट और उत्तराखंड-बिहार समेत 20 राज्यों में यलो अलर्ट जारी किया है। यूपी के चंदौली में गंगा नदी उफान पर है।

11 जवानों समेत 100 से ज्यादा हैं लापता

● एक शव बरामद, अब तक पांच की मौत

150 से ज्यादा बचाए गए, रेस्क्यू है जारी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में उत्तरकाशी के धराली गांव में मंगलवार दोपहर करीब 1.45 बजे बादल फटने से 4 लोगों की मौत हो चुकी है। बुधवार सुबह रेस्क्यू-सर्च ऑपरेशन के दौरान एक डेडबॉडी बरामद की गई। उसकी पहचान की जा रही है। 100 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। कल से लेकर अभी तक 150 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका है। आईटीबीपी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और आर्मी की टीमें बचाव कार्य में जुटी हैं। बुधवार सुबह पीएम मोदी ने उत्तराखंड सीएम पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात की। इसके बाद धामी ने धराली और दूसरी जगहों का एरियल सर्वे किया। उन्होंने अधिकारियों के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन को लेकर मीटिंग भी की। गंगोत्री तीर्थयात्रियों के प्रमुख पड़ाव धराली गांव के बाजार-मकान, होटल बह गए खीर गंगा नदी में पहाड़ों से बहकर आए मलबे से बहे, सिर्फ 34 सेकेंड में ये बर्बादी हुई। हर्षिल में सेना के 11 जवान बादल फटने के बाद से लापता हैं। 10 साल में तीसरी बार तबाह हुआ है।

जन-धन खाते की फिर करानी होगी केवायसी

योजना के 10 साल पूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने आज 3 बदलावों की घोषणा की है। ये बदलाव जनधन स्कीम, इंश्योरेंस क्लेम रूल्स और निवेश से जुड़े हैं। मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की 4 से 6 अगस्त तक चली मीटिंग में

इन बदलावों पर फैसला लिया गया। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज यानी 6 अगस्त को इसकी जानकारी दी। जन धन योजना के लिए विशेष अभियान जन धन योजना को 10 साल पूरे होने वाले हैं, और बहुत से अकाउंट होल्डर्स को अपना केवायसी अपडेट कराना है। इसे देखते हुए, आरबीआई ने बैंकों को विशेष कैंप लगाने का निर्देश दिया है।

दुनिया को विविधता अपनाने वाले धर्म की जरूरत: भागवत

● संघ प्रमुख बोले-जैसे कि अपना हिंदू धर्म

कहा-आम लोगों ने भी धर्म के लिए दिए हैं कई बलिदान

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि दुनिया को उस धर्म की जरूरत है जो विविधताओं को अपनाए, जैसे कि हिंदू धर्म। उन्होंने कहा कि धर्म हमें अपनापन और विविधताओं को स्वीकार करना सिखाता है। भागवत ने कहा कि हम विविध हैं, लेकिन अलग नहीं हैं। अंतिम सत्य यह है कि हम अलग दिख सकते हैं, लेकिन वास्तव में हम एक ही हैं। भागवत नागपुर में धर्म जागरण न्यास के नए कार्यालय के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हर किसी ने फिल्म ‘छावा’ देखी है जो छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। केवल महान लोग ही नहीं, आम लोगों ने भी धर्म के लिए बलिदान दिया है। भागवत ने कहा कि धर्म सत्य है और पुण्य कार्य है, जो

समाज में शांति बनाए रखने में सहायक होता है। धर्म के मार्ग पर जिम्मेदारी के साथ चलने से व्यक्ति को संकट के समय साहस और रास्ता खोजने का संकल्प मिलता है। उन्होंने आगे कहा कि समारोह में संघ प्रमुख ने धर्म के महत्व और समाज में इसकी भूमिका पर विस्तार से चर्चा की और लोगों से आह्वान किया कि वे धर्म के मूल सिद्धांतों को जीवन में उतारें। सितंबर 2021 में मुस्लिम विद्वानों के एक कार्यक्रम में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था- भारत में रहने वाले हिन्दुओं और मुसलमानों के पूर्वज एक समान हैं। मुस्लिमों को भारत में डरने की जरूरत नहीं है। हमें मुस्लिम वर्चस्व की नहीं बल्कि भारत वर्चस्व की सोच रखनी होगी। भागवत ने आगे कहा था- हिंदू यह कोई जाति या भाषा वाचक संज्ञा नहीं है।

महंगे नहीं होंगे लोन, ईएमआई भी नहीं बदलेगी

आरबीआई ने रेपो रेट में नहीं किया है बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस बार रेपो रेट में बदलाव नहीं किया है। इसे 5.5 फीसदी पर जस का तस रखा है। यानी लोन महंगे नहीं होंगे और आपकी ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी। आरबीआई ने जून में ब्याज दर 0.50 घटाकर 5.5 फीसदी की थीं। यह फैसला मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की 4 से 6 अगस्त तक चली मीटिंग में लिया गया। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज यानी 6 अगस्त को इसकी जानकारी दी। गवर्नर ने कहा कि कमेटी के सभी मेंबर्स ब्याज दरों में स्थिर रखने के पक्ष में थे।

योजनाओं में सीएम के नाम-फोटो का हो सकेगा इस्तेमाल

तमिलनाडु सरकार को राहत

चेन्नई (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें तमिलनाडु सरकार को कल्याणकारी योजनाओं में वर्तमान और पूर्व

मुख्यमंत्रियों के नाम व तस्वीरों के उपयोग पर रोक लगाई गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए आदेश को निरस्त कर दिया कि यह याचिका कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग है। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनवी अंजरिया की पीठ ने याचिकाकर्ता और अन्नाद्रमुक नेता सीवी षणमुगम पर जुर्माना भी लगाया है।

ट्रम्प धमका रहे, मोदी सामना नहीं कर पा रहे

अडाणी के खिलाफ चल रही अमेरिकी जांच से उनके हाथ बंधे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी, ट्रम्प की धमकियों के सामने खड़े नहीं हो पा रहे हैं। इसकी वजह यह है कि अडाणी के खिलाफ अमेरिकी जांच चल रही है। ऐसे में मोदी के हाथ बंधे हुए हैं। मोदी का एए (अडाणी-अंबानी) के साथ क्या संबंध है, यह उजागर हो चुका है। पिछले साल अमेरिका में अडाणी समेत 8 लोगों पर अरबों रुपए की धोखाधड़ी के आरोप लगे थे। अमेरिकी अटॉर्नी ऑफिस आरोप पत्र के मुताबिक, अडाणी की कंपनी ने भारत में रिन्यूएबल एनर्जी के प्रोजेक्ट गलत तरीके से हासिल किए थे। इसके लिए सरकारी

अधिकारियों को रिश्वत दी गई थी। इसकी जांच जारी है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकोनॉमी (मृत अर्थव्यवस्था) बताने पर कहा- मुझे खुशी हुई कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने फैक्ट बताया है। राहुल ने कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि भाजपा ने अडाणी की मदद के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। ट्रम्प सही कह रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री को छोड़कर सभी जानते हैं कि भारत की इकोनॉमी डेड है। ट्रम्प ने 29 बार कहा है कि हमने युद्ध रुकवाया।

ट्रम्प ने भारत पर 25 फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया

अब कुल 50 फीसदी टैरिफ, आदेश पर किए दस्तखत

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने भारत पर 25 फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने गुरुवार को इससे जुड़े एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन किए। यह आदेश 27 अगस्त से लागू होगा। इससे पहले उन्होंने 30 जुलाई को 25 फीसदी टैरिफ का ऐलान किया था। अब तक अमेरिका की तरफ से भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लगेगा। ट्रम्प ने रूसी तेल खरीद की वजह से भारत पर यह ऐक्शन लिया है। उन्होंने एक दिन पहले कहा था भारत रूसी तेल खरीद कर यूक्रेन युद्ध जारी रखने में रूस की मदद कर रहा है। इस वजह से अमेरिका भारत पर ऐक्शन लेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कर्तव्य भवन का किया उद्घाटन

● इसमें गृह और विदेश समेत सात मंत्रालयों के ऑफिस

24 कॉन्फ्रेंस रूम के साथ 600 कार हो सकेंगी पार्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली में कर्तव्य पथ पर कर्तव्य भवन-03 बिल्डिंग का उद्घाटन किया। यह 2019 में शुरू हुई सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट का हिस्सा है और कॉमन सेंट्रल सेक्रेटरिएट की 10 में से पहली बिल्डिंग है। कर्तव्य भवन-03 का उद्घाटन सबसे पहले किया गया है। इसे दिल्ली के अलग-अलग जगहों पर स्थित विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को एक साथ लाकर उनके बीच बेहतर कोआर्डिनेशन और कामों में तेजी लाने के लिए डिजाइन किया गया है।

इसमें ग्राउंड फ्लोर सहित 7 फ्लोर हैं। यहां गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, एसएमई मंत्रालय, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार और इंटेलीजेंस ब्यूरो के ऑफिस होंगे। कर्तव्य भवन 1.5 लाख वर्ग मीटर में फैला है। यहां

एक साथ 600 कारें खड़ी हो सकती हैं। इसमें क्रेच (शिशुगृह), योग रूम, मेडिकल रूम, कैफे, किचन और हॉल है। कर्तव्य भवन में 24 कॉन्फ्रेंस रूम भी हैं। हर रूम 45 लोगों के बैठने की क्षमता है।

दोनों सदनों में बिहार एसआईआर मुद्दे पर हंगामा

नहीं चल पाई कार्यवाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र का आज 13वां दिन था। राज्यसभा और लोकसभा को 7 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। पोर्ट, शिपिंग और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बुधवार को लोकसभा में मर्चेंट शिपिंग बिल,

2024 पेश किया। विपक्ष के हंगामे के बीच बिल पास हुआ। इससे पहले गुरुवार सुबह दोनों सदन शुरू होते ही विपक्ष ने बिहार वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन मामले पर हंगामा शुरू कर दिया। वहीं, विपक्षी दलों के नेताओं ने लोकसभा नहीं चलने दी।

यूपी में 2027 का गेम चेंज कर देगी पीडीए ‘पाठशाला’

अखिलेश यादव ने खेल दिया बड़ा दांव,संकट में बीजेपी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के सरकारी स्कूलों के मर्जर के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने पिछले दिनों पीडीए पाठशाला चलाने का बड़ा ऐलान कर दिया है। लखनऊ के सत्ता के गलियारों में इस पर खासी चर्चा चल रही है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सपा की पीडीए पाठशाला एक साथ कई मोर्चों पर सरकार और बीजेपी को चुनौती देने में सक्षम है। अब देखना ये है कि सपा इस अभियान को किस तरह आगे ले जाती है और बीजेपी व योगी सरकार क्या करती है।

दरअसल प्रदेश में सरकारी स्कूलों के मर्जर को लेकर योगी सरकार ने अभियान शुरू किया तो विपक्ष ने इस पर भारी विरोध शुरू कर दिया। समाजवादी पार्टी ने इस मुद्दे को लोकसभा में भी जोर-शोर से उठाया। इस बीच अखिलेश यादव ने ऐलान कर दिया,समाजवादी साथी बंद होने वाले

स्कूलों के गांव में टीम बनाएं। पढ़े-लिखे नौजवानों और पार्टी के समर्थकों या रिटायर्ड शिक्षकों से मेरा निवेदन है कि वे पीडीए पाठशाला बनाकर बच्चों को पढ़ाने और उनका भविष्य सुधारने का काम करें। हम लोग बच्चों की पढ़ाई रुकने नहीं देंगे। पीडीए पाठशाला चलाकर बच्चों की पढ़ाई कराने का काम करेंगे। अगर स्कूल बंद होते हैं तो समाजवादी लोग गांव-गांव जाएंगे, बच्चों को पढ़ाएंगे। समाजवादी सरकार बनेगी तो स्कूल पुनः और अच्छे खोले जाएंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पीडीए पाठशाला अखिलेश यादव का स्मार्ट मूव है। वह एक साथ कई समाज के कई हिस्सों को छू रहे हैं। सरकारी प्राइमरी स्कूलों में गरीब पिछड़ा, दलित समाज के बच्चे ही सबसे ज्यादा पढ़ते हैं। वहीं बेरोजगार युवक हैं, जिन्हें टीचर बनना है लेकिन काफी समय से कोई नौकरी नहीं है। इसके अलावा शिक्षामित्रों का अपना दर्द है, फिर रसोइया आदि भी हैं। यही नहीं संगठन के लिहाज से भी समाजवादी पार्टी के लिए ये मजबूती दिला सकता है।

योगी सरकार और बीजेपी की भी नजर

हालांकि ऐसा नहीं है कि सरकार और बीजेपी संगठन को इसका पता नहीं है। अखिलेश के आह्वान के बाद सपा के कई कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग जिलों में अपने स्तर से पीडीए पाठशाला चलानी शुरू कर दी लेकिन कई जगह से खबरें आई कि प्राथमिक विद्यालय परिसर में ही ये कक्षाएं चलाई गईं, जिसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। वहीं कई जगह बच्चों को ए फॉर अखिलेश, डी फिर डिंपल पढ़ाए जाने की भी बात सामने आई, जिस पर बीजेपी ने सपा को भी घेरना शुरू किया। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने सहारनपुर में समाजवादी पार्टी द्वारा शुरू की गई पीडीए पाठशाला में बच्चों को ‘ए फॉर अखिलेश यादव’ और ‘डी फॉर डिंपल यादव’ जैसे पाठ पढ़ाए जाने की कड़ी निंदा की। उन्होंने इसे बच्चों की कोमल चेतना में राजनीतिक विष घोलने की साजिश करार दिया और इसे शिक्षा नहीं, समाजवादी ब्रेनवॉश बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों की शिक्षा को राजनीति की प्रयोगशाला नहीं बनने दिया जाएगा और इस विकृत मानसिकता के खिलाफ हर मंच पर लड़ाई लड़ी जाएगी। लेकिन इसके बाद अब अखिलेश का ताजा ऐलान बता रहा है कि सपा इसे बड़ा मुद्दा बनाने की तैयारी में है। ये 2027 में होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव का गेम चेंजर प्लान हो सकता है। दरअसल अखिलेश यादव ने जनेश्वर मिश्र की जयंती पर यह कहा है।

11 अगस्त से मेरी अदालत में अर्जेंट सुनवाई नहीं

● सीजेआई बोले,सीनियर वकीलों को मनाही,जूनियर वकील अर्जी दाखिल कर सकते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) बीआर गवई ने कहा कि 11 अगस्त से उनकी अदालत में सीनियर वकील अर्जेंट सुनवाई की मांग नहीं कर सकते। हालांकि जूनियर वकीलों को इससे छूट दी गई है। गवई ने कहा- कम से कम मेरी अदालत में तो इसका पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के बाकी जस्टिस को भी इस

प्रथा को अपनाना चाहिए। आमतौर पर वकील दिन की कार्यवाही की शुरुआत में अर्जेंसी का हवाला देकर जस्टिस के सामले केस की तत्काल सुनवाई की मांग करते हैं। इससे पहले से लिस्टेड मामले छूट जाते हैं।

ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ विरासत का संरक्षण आवश्यक : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मंगलवार को मीडिया प्रतिनिधियों को विधानसभा परिसर के उस हिस्से का भ्रमण कराया, जिसे हाल के दिनों में ÷फांसीघर÷ बताकर प्रस्तुत किया गया था। भ्रमण का उद्देश्य ऐतिहासिक तथ्यों को स्पष्ट करना और भ्रामक धारणाओं को दूर करना था। विजेंद्र गुप्ता ने स्पष्ट किया कि ÷यहां कभी कोई फांसीघर नहीं रहा। न तो कोई ऐतिहासिक प्रमाण है, न ही अभिलेखीय आधार। यह पूरी तरह से मिथ्या प्रस्तुति है।'

अध्यक्ष ने बताया कि विधानसभा भवन का इतिहास 11 दिसंबर 1911 से शुरू होता है, जब किंग जॉर्ज पंचम के दिल्ली दरबार में भारत की राजधानी को कलकत्ता से दिल्ली लाने की घोषणा हुई। 1912 में ब्रिटिश वास्तुकार ई. मोंटेग्यू थॉमस के डिजाइन पर भवन का निर्माण शुरू हुआ और सिर्फ आठ महीने में श्री फकीर चंद ठेकेदार की देखरेख में कार्य पूरा हुआ। यह भवन पहले इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल और 1919 के बाद सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली का कार्यस्थल रहा। इसके मूल स्थापत्य चित्र आज भी राष्ट्रीय अभिलेखागार में संरक्षित हैं।

गुप्ता ने बताया कि अध्यक्ष कक्ष के दोनों ओर मौजूद दो समान लिफ्ट शाफ्ट ब्रिटिश काल में सदस्यों तक टिफिन पहुँचाने के लिए बनाए गए थे। इन्हीं सेवा कक्षों को अब गलत तरीके से ÷फांसीघर÷ कहा जा रहा है, जबकि ऐसा कोई ऐतिहासिक या स्थापत्य प्रमाण नहीं है।

अध्यक्ष ने कहा कि 'यह भवन सिर्फ 115 वर्ष पुराना स्मारक नहीं, बल्कि भारत की संवैधानिक और राजनीतिक यात्रा का साक्षी है। इसे तथ्यों और श्रद्धा के साथ प्रस्तुत करना हमारी जिम्मेदारी है।÷ उन्होंने चिंता जताई कि जनता के करोड़ों रुपये एक काल्पनिक 'फांसीघर' के प्रचार पर व्यर्थ खर्च कर दिए गए, जिसे वे ऐतिहासिक रूप से भ्रामक और जनधन का दुरुपयोग मानते हैं।

भ्रमण के अंत में विजेंद्र गुप्ता ने कहा, 'ऐतिहासिक स्थलों की व्याख्या हमेशा तथ्यों और प्रमाणों पर आधारित होनी चाहिए। आने वाली पीढ़ियों को सही इतिहास से जोड़ना ही हमारी असली जिम्मेदारी है।' उन्होंने आश्वासन दिया कि दिल्ली विधानसभा अपनी संस्थागत विरासत को ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ संरक्षित व प्रस्तुत करने के लिए संकल्पबद्ध है।

फांसी घर मामले में विधानसभा में विपक्ष पर जमकर बरसी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

-मुख्यमंत्री का विधानसभा अध्यक्ष से आग्रह- 'फांसी घर' बोर्ड हटाया जाए, एफआईआर भी दर्ज करवाई जाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा के सदन में आज मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने पूर्ववर्ती सरकार द्वारा विधानसभा भवन के एक हिस्से को ÷फांसी घर÷ बताने के दावे को सिरे से खारिज करते हुए इसे इतिहास के साथ खिलवाड़, शहीदों का अपमान और जनता के साथ धोखा करार दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जनता की भावनाओं से खेलते हुए और सहानुभूति बटोरने के लिए बिना किसी प्रमाण, दस्तावेज या ऐतिहासिक आधार के विधानसभा भवन के एक हिस्से को ÷फांसी घर÷ घोषित कर दिया। उन्होंने कहा कि वह शुरुआत से ही कैलकुलेटिव ढंग से राजनीति करते रहे– हर हावभाव, हर पहनावा, हर नाटक किसी उद्देश्य से किया गया। ईमानदारी, देशभक्ति और त्याग का दिखावा कर जनता को गुमराह किया गया, जबकि असलियत में यह सब एक स्क्रिप्टेड ड्रामा था।

मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक तथ्यों का हवाला देते हुए बताया कि यह भवन वर्ष 1912 में बना और वर्ष 1913 से 1926 तक यहां इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल की बैठकें हुईं। जिस हिस्से को 'फांसी घर' बताया गया, वह दरअसल ब्रिटिश काल में अंग्रेज अफसरों के लिए बनाई गई सर्विस सीढ़ियां थीं, जिनका इस्तेमाल टिफिन सर्विस और अन्य कार्यों के लिए होता था। जबकि वास्तविक में पुरानी दिल्ली की जेल मौलाना आजाद कॉलेज परिसर में थी और वहीं फांसी की सज़ा दी जाती थी। उन्होंने कहा कि इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करना केवल जनता को भ्रमित करने के लिए नहीं, बल्कि शहीदों की कुर्बानी का भी अपमान है। जिस भवन में संविधान की गरिमा के अनुरूप कानून बनाए जाते हैं, उसी के दर-ओ-दीवार पर झूठ लिख देना अक्षम्य अपराध है।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष श्री विजेंद्र गुप्ता व सदन से आग्रह किया कि विधानसभा भवन में लगाए गए ÷फांसी घर÷ संबंधी भ्रामक बोर्ड को तुरंत हटाया जाए। उन्होंने कहा कि यह कदम विशेष रूप से 24-25 अगस्त को प्रस्तावित ऑल इंडिया स्पीकर कॉन्फ्रेंस से पहले अनिवार्य है, ताकि देशभर से आने वाले माननीय स्पीकरों को झूठा इतिहास न दिखाया जाए और दिल्ली विधानसभा की प्रतिष्ठा बनी रहे। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि इस झूठे प्रचार अभियान पर जनता के करदाताओं का लगभग 1 करोड़ रुपये खर्च किए गए। उन्होंने इसकी वसूली सुनिश्चित करने, संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और एक विस्तृत जांच बिठाने की भी मांग की।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केजरीवाल सरकार ने राजनीतिक लाभ के लिए स्क्रिप्टेड नाटक, भावनात्मक ड्रामा और झूठ का सहारा लिया, जिस पर लगभग एक करोड़ जनता का पैसा विज्ञापनों और प्रचार पर खर्च हुआ। उन्होंने कहा कि यह केवल एक राजनीतिक नाटक नहीं, बल्कि दिल्ली की जनता के विश्वास के साथ खुला धोखा है। लेकिन हमारी सरकार की जम्मिेदारी है कि हम सत्य को सामने लाएं और इस ऐतिहासिक भवन की गरिमा को सच्चाई के साथ सुरक्षित रखें।

सांसद से चेन स्नैचिंग का मामला सुलझा, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के वीवीआईपी इलाके चाणक्यपुरी में तमिलनाडु की कांग्रेस सांसद आर. सुधा से हुई झपटमारी की वारदात को पुलिस ने 48 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर ज्वाइंट सीपी एसके जैन ने बताया कि बुधवार सुबह आरोपित को पकड़ा गया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान हरकेश नगर निवासी सोहन रावत (24) के रूप में हुई है। आरोपित के पास से लूटी गई सोने की चेन, वारदात में इस्तेमाल स्कूटी, चार चोरी के मोबाइल और एक बाइक भी बरामद की गई है।

ज्वाइंट सीपी के अनुसार चार अगस्त की सुबह आर. सुधा तमिलनाडु भवन के पास मॉर्निंग वॉक कर रही थीं। उसी दौरान स्कूटी सवार बदमाश ने उनके गले से चेन झपट ली और फरार हो गया। छीना-झपटी में उनके कपड़े फट गए और उन्हें हल्की चोटें भी आईं। पुलिस ने शिकायतकर्ता के बयान पर केस दर्ज किया। पुलिस ने इलाके के कई सीसीटीवी फुटेज खंगाले और आरोपित की पहचान की। इसके बाद स्पेशल स्टाफ, दक्षिण पश्चिम जिला, दक्षिण जिला, एएटीएस और आरके पुरम थाने की टीमों ने एक संयुक्त ऑपरेशन में आरोपी को धरदबोचा।

गिरफ्तार सोहन रावत दक्षिण दिल्ली का रहने वाला है और उस पर पहले से ही चोरी और स्नैचिंग के 26 मामले दर्ज हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक वह अप्रैल 2025 में वाहन चोरी के एक मामले में अंबेडकर नगर थाने द्वारा पकड़ा गया था और 27 जून को ही जमानत पर रिहा हुआ था। नई दिल्ली जिला पुलिस के अनुसार, इस साल स्नैचिंग से जुड़ी पीसीआर कॉल्स में 48 फीसदी की कमी आई है। अब तक सामने आए 17 मामलों में से 14 का सफलतापूर्वक खुलासा किया जा चुका है। घटना का पता चलते ही छिपने की कोशिश कर रहा था आरोपित पुलिस अधिकारी के अनुसार अभी तक की जांच में पता चला है कि आरोपित अकेले ही वारदात को अंजाम देता था। संसाद महिला से वारदात के बाद जब आरोपित को पता चला कि उसने किसी बड़े अधिकारी की चेन छीनी है, तो वह छिपने की कोशिश करने लगा।

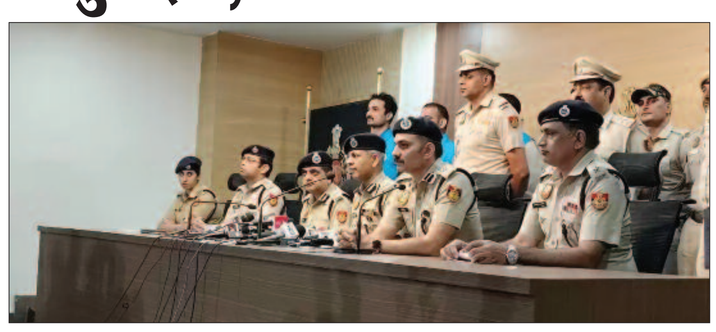

सावन में गौरीशंकर रूप से सम्पन्न हुआ कन्या विवाह, स्वामी राजेश्वरानंद ने दिया सेवा का संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सावन मास की पावन द्वादशी पर गोरख पार्क, शाहदरा स्थित श्री राजमाता झंडेवाला मंदिर में सदगुरु राजदरबार के सान्निध्य में एक विशेष कन्या विवाह समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज ने भक्तों को संदेश दिया कि अभावग्रस्तों की सेवा और सहायता करने से भगवान शंकर प्रसन्न होते हैं।

सदगुरु राजदरबार के प्रबंधक राम वोहरा ने बताया कि इस अवसर पर अभावग्रस्त परिवार की कन्या नेहा का विवाह सुमित के साथ भगवान गौरी-शंकर के स्वरूप में सम्पन्न कराया गया। मंदिर के मुख्य द्वार पर शिव रूपी दूल्हे राजा का आरती उतारकर स्वागत किया गया। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पूर्ण सनातनी विधि से विवाह की सभी रस्में निभाई गईं। पंडित रोहित कौशिक द्वारा लावां फेरे और सप्तपदी सम्पन्न कराई गई, साथ ही नवदम्पति को सृष्टि विस्तार और पर्यावरण सुरक्षा के लिए कार्य करने की शपथ भी दिलाई गई। विदाई के समय सदगुरु राजदरबार की ओर से नवविवाहित दंपति को घरेलू उपयोग की वस्तुएं, कपड़े, बर्तन, पंखा, बिस्तर, गैस चूल्हा, आभूषण और घड़ी आदि उपहारस्वरूप प्रदान किए गए।

भक्तों को संबोधित करते हुए स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज ने कहा कि सावन का महीना भगवान शंकर की पूजा-अर्चना और उनके संदेशों पर चलने का सर्वोत्तम अवसर है। उन्होंने कहा कि भगवान शंकर को पशुपतिनाथ, भूतभावन और नागेश्वर के रूप में जाना जाता है, जो हमें यह शिक्षा देते हैं कि समाज के किसी भी वर्ग की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, बल्कि सभी की सेवा करनी चाहिए। स्वामी जी ने कहा कि अभावग्रस्त कन्या का विवाह कराना ऐसा प्रतीत होता है जैसे सावन में रुद्राभिषेक का अनुष्ठान सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया हो।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि अभावग्रस्त कन्याओं के विवाह हेतु पंजीकरण जारी रहेगा और अगला कन्याविवाह देवोत्थान एकादशी, 2 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर समाजसेवी राजकुमार उप्रेती, पर्यावरण मित्र संस्था की अध्यक्षा अविता चौधरी, दिनेश गुप्ता, माहेश्वरी और पिशोरी लाल शर्मा सहित अनेक भक्त उपस्थित रहे।

पश्चिमी प्रदेश निर्माण पर संविधान क्लब में विचार गोष्ठी, डी.पी. यादव ने बनाई रणनीति

नई दिल्ली। पश्चिम प्रदेश निर्माण मोर्चा और नेशनल फ्रंट ऑफइंडिया के संयुक्त तत्वावधान में कांस्टीट्यूशन क्लब, नई दिल्ली के डिप्टी स्पीकर हॉल में पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनाने को लेकर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। इस गोष्ठी का उद्देश्य 'पश्चिम प्रदेश' के गठन, क्षेत्र में कानून व्यवस्था, विकास और सुशासन को मजबूत करने पर रणनीति बनाना रहा। कार्यक्रम राष्ट्रीय परिवर्तन दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सांसद डी.पी. यादव के संरक्षण में हुआ। बड़ी संख्या में वरिष्ठ नेता, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, वकील और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। पश्चिम प्रदेश निर्माण मोर्चा लंबे समय से उत्तर प्रदेश के 27 जिलों को मिलाकर अलग राज्य बनाने की मांग कर रहा है। गोष्ठी में यह राय सामने आई कि प्रशासनिक सुविधा, क्षेत्रीय संतुलन और सर्वांगीण विकास के लिए नया राज्य बनाना समय की मांग है। मुख्य वक्ताओं में चौधरी बीरेंद्र सिंह (पूर्व केंद्रीय मंत्री), संजय सिंह (पूर्व केंद्रीय मंत्री), विजय यादव (पूर्व विधायक), सत्यपाल यादव एडवोकेट (मोर्चा अध्यक्ष), कर्नल सुधीर चौधरी, बीरबल, राजेंद्र सिंह, हरिओम यदुवंशी एडवोकेट (सुप्रीम कोर्ट), नूर मोहम्मद कुरैशी, फ़िरोज खान, सुनहरी लाल यादव, वरिष्ठ पत्रकार अरुण शर्मा, आर.एन. यादव, डी.के. त्यागी (समाजसेवी) और यदुवीर सिंह (राष्ट्रीय प्रवक्ता, भारतीय किसान यूनियन) शामिल रहे। सभी वक्ताओं ने पश्चिमी प्रदेश की मांग को जन आंदोलन का स्वरूप देने पर जोर दिया। डी.पी. यादव ने कहा कि अब इस क्षेत्र की उपेक्षा समाप्त कर नए राज्य के गठन की दिशा में निर्णायक कदम उठाना होगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि पश्चिम प्रदेश की मांग को भारत सरकार के समक्ष मजबूती से रखा जाएगा।

मोबाइल के दौर में किताबें पढ़ने का अपना ही चाव : सीएम रेखा गुप्ता

-भारत मंडपम में पांच दिवसीय साहित्यिक कुंभ का मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया उदघाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मोबाइल के इस दौर में भी किताबें पढ़ने का अपना ही चाव है। किताबों का विकल्प ई-गैजेट्स कभी नहीं हो सकते। पूर्व में दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ की अध्यक्ष भी रह चुकीं रेखा ने कहा कि प्रेमचंद सहित देशभर के नामी लेखक-साहित्यकारों को वह छात्र जीवन से पढ़ती आई हैं।

मुख्यमंत्री भारत मंडपम में 29वें दिल्ली पुस्तक मेला का उदघाटन करने के बाद अपने विचार व्यक्त कर रही थीं। कुछ देर उन्होंने स्टालों का भ्रमण भी किया। इस अवसर पर दिल्ली के कला संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा भी उपस्थित रहे। 29वां दिल्ली पुस्तक मेला भाषायी एकता के साथ साथ देशभक्ति का भी संदेश देगा।

स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर मेले में हर घर तिरंगा... का एक सेल्फी पाइंट भी लगाया गया है। मेला दर्शक यहां तिरंगा हाथ में लेकर अपनी फोटो खिंचवा सकते हैं। मेले में पहली बार प्रकाशकों के साथ साथ दिल्ली सरकार की विभिन्न अकादमियां भी हिस्सा ले रही हैं।

भारत मंडपम के हाल नं. 12 और 12 ए लगने जा रहे इस मेले में शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा 15 लेखक साहित्यकारों को सम्मानित करेंगे। रविवार को मेले के समापन समारोह में दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद मुख्यातिथि होंगे।

मेले की थीम 'पुस्तकें और प्रकाशन बहुभाषिये भारत का भविष्य' होगी। भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (आइटीपीओ) और भारतीय प्रकाशक संघ (एफआइपी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित होने वाले इस मेले में प्रवेश सभी के लिए निश्शुल्क रहेगा। मेले में 100 से अधिक प्रकाशक हिस्सा ले रहे हैं।

एफआइपी पदाधिकारियों के मुताबिक कमोबेश हर साल ही पाठकों और दर्शकों की शिकायत रहती है कि मेले में प्रकाशक कम जबकि पुस्तक विक्रेता ज्यादा रहते हैं। ऐसे में इस बार व्यवस्था बनाई गई है कि हाल नं. 12 सिर्फ प्रकाशकों के लिए आरक्षित है जबकि हाल नं. 12 ए में अन्य सभी भागीदारों के स्टाल हैं। मेले में पुस्तकों के लोकार्पण, संगोष्ठी, व्याख्यान एवं स्कूली विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी।

क्या है एंट्री फीस?

स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थियों की मेले में अधिकाधिक शिरकत सुनिश्चित करने के लिए स्कूल-कॉलेजों को पत्र भी भेजे गए हैं। एफआइपी के अध्यक्ष नवीन गुप्ता ने बताया, हमारी कोशिश है कि पिछली शिकायतें दूर करते हुए इस साल इसे कहीं बेहतर रूप में आयोजित किया जाए। निश्शुल्क प्रवेश के साथ मेले में और भी कई आकर्षण रहेंगे। भाषायी विविधता की एकता मेले का खास संदेश रहेगा।

दिल्लीवासियों को लगेगा झटका, सुप्रीम कोर्ट ने दी बिजली दरें बढ़ाने की अनुमति

-कोर्ट ने कहा-बढ़ोतरी वाजिब और किफायती होनी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के लोगों को अब लगेगा बिजली का झटका क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में बिजली की दरें बढ़ाने की अनुमति दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी उचित होनी चाहिए। अदालत ने बिजली में कीमतें बढ़ाने की अनुमति देते हुए कुछ शर्तें रखी हैं। कोर्ट ने कहा है कि बढ़ोतरी किफायती होनी चाहिए और दिल्ली बिजली नियामक आयोग की ओर से तय की गई सीमाओं से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दिल्ली में बिजली की दरें बढ़ाई जा सकती है लेकिन ये वाजिब और किफायती होनी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली बिजली नियामक आयोग को रोडमैप तैयार करना चाहिए कि दिल्ली में बिजली की दरें कैसे और कब कितनी बढ़नी चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक बढ़ी बिजली की दरें सभी प्रकार के उपभोक्ताओं पर लागू होंगी। ये मामला बिजली वितरण कंपनियों के अटके भुगतानों को लेकर सालों से चल रहे मुकदमेबाजी का था। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने सभी लंबित नियामक परिसंपत्तियों को चार साल के अंदर समाप्त करने के निर्देश दिए हैं। इसका मतलब है कि उन राज्यों में जहां नियामक परिसंपत्तियां दशकों से लंबित हैं। वहां अगले चार सालों में बिजली की दरें व्यक्तिगत, आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक सभी के लिए बढ़ जाएंगी। यहां नियामक परिसंपत्तियों का अर्थ बिजली वितरण करने वाली कंपनियों को किए जाने वाले बकाए भुगतान से है ये बकाया राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में की गई बिजली की सप्लाई का है।

वीर कुंवर सिंह संग्रहालय की मरम्मत के लिए मुख्यमंत्री को पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। वीर कुंवर सिंह फाउंडेशन के अध्यक्ष निर्मल सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर वीर कुंवर सिंह संग्रहालय की मरम्मत और रखरखाव की मांग की है। निर्मल सिंह ने पत्र में लिखा कि 1857 के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक वीर कुंवर सिंह का स्मारक जगदीशपुर स्थित संग्रहालय बदहाल स्थिति में है। संग्रहालय की छत टूट रही है, और वीर कुंवर सिंह की मूर्ति क्षतिग्रस्त हो रही है। कई बार मरम्मत की मांग की गई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आग्रह किया कि राज्य सरकार जगदीशपुर को पर्यटन स्थल का दर्जा दे, किले और उसके परिसर में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करे और क्षतिग्रस्त मूर्ति की जगह नई मूर्ति स्थापित करे। निर्मल सिंह ने कहा कि वीर कुंवर सिंह की वीरता पर पूरे देश को गर्व है, लेकिन उनकी ऐतिहासिक धरोहर असुरक्षित होना शर्मनाक है। उन्होंने मांग की कि जगदीशपुर किले की दुर्दशा दूर कर वीर कुंवर सिंह के नाम पर एक सैनिक स्कूल भी स्थापित किया जाए।

डूसू चुनावों के दौरान विरूपण के प्रति बरती जाएगी ज़ीरो टोलरेंस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय के मुख्य चुनाव अधिकारी और प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने मौरिस नगर के थाना प्रभारी के साथ मिलकर डूसू चुनाव 2025-26 के सुचारू संचालन हेतु दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर कार्यालय में डूसू पदाधिकारियों और छात्र प्रतिनिधियों के साथ गत दिवस एक बैठक बुलाई। डूसू चुनाव समिति और प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने छात्र प्रतिनिधियों को आगामी डूसू चुनाव 2025-26 के दौरान चलाए जा रहे विरूपण विरोधी अभियान के बारे में जानकारी दी। समिति ने प्रतिनिधियों को यह भी बताया कि वर्तमान डूसू चुनावों के दौरान पोस्टरों द्वारा विरूपण के प्रति ज़ीरो टोलरेंस बरती जाएगी। उम्मीदवारों को निर्धारित व्यय सीमा के भीतर प्रचार के लिए केवल हस्तनिर्मित पोस्टरों का ही उपयोग करना होगा। काले शीशे वाले या बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों की अनुमति नहीं है और उसे तुरंत जब्त कर लिया जाएगा। छात्र प्रतिनिधियों ने इस नोट को गंभीरता से लिया और आश्वासन दिया कि डूसू चुनावों में किसी भी प्रकार का विरूपण नहीं होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के प्रत्येक कॉलेज में अलग वाल ऑफ डेमोक्रेसी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया, जिस पर समिति ने ध्यान दिया और छात्र प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि कॉलेज चुनाव और डूसू चुनाव के लिए भी अलग से वाल ऑफ डेमोक्रेसी उपलब्ध कराने हेतु प्रत्येक कॉलेज को प्रस्ताव भेजा जाएगा। विश्वविद्यालय के प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने मुख्य चुनाव अधिकारी के साथ मिलकर डूसू चुनाव 2025-26 के दौरान कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए कॉलेजों के प्राचार्यों, विभागाध्यक्षों, छात्रावासों के प्रोवोस्ट/वार्डन, दिल्ली के डीसीपी/एसीपी/एसएचओ के साथ एक ऑनलाइन बैठक भी की है।

जेल में बंद सांसद इंजीनियर रशीद की हाई कोर्ट में दलील, कहा- यात्रा शुल्क के कारण नहीं जा पा रहे अपने संसदीय क्षेत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सांसद इंजीनियर रशीद ने बुधवार को दिल्ली हाई कोर्ट में कहा कि संसद सत्र में भाग लेने के लिए दैनिक खर्च का भुगतान करने की शर्त के कारण अपने संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने में असमर्थ हैं। रशीद ने यह तर्क देते हुए न्यायमूर्ति विवेक चौधरी और न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंभानी की पीठ से एक समन्वय पीठ की ओर से पारित आदेश में संशोधन की मांग की। हालांकि, पीठ ने टिप्पणी की कि कस्टडी पैरोल देते समय आमतौर पर संबंधित व्यक्ति को इसका खर्च वहन करना होता है। समन्वय पीठ ने रशीद को संसद में भाग लेने के लिए यात्रा व्यय के रूप में जेल अधिकारियों के पास चार लाख रुपये जमा करने का निर्देश दिया गया था। रशीद के वकील एन हरिहरन ने कहा कि यह शर्त अनुचित है क्योंकि रशीद एक संसदीय क्षेत्र के लोगों के निर्वाचित प्रतिनिधि हैं। हरिहरन ने आगे कहा कि अगर लगाई गई शर्त ऐसी है कि उनके मुवक्किल संसद नहीं जा पा रहे हैं, तो हम इस देश में लोकतंत्र के मूल तत्वों में दखलअंदाजी कर रहे हैं। वहीं, एनआईए की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि समन्वय पीठ की ओर से पारित आदेश पर रशीद ने सहमति व्यक्त की थी।

जय घोष : बगावत से सियासत की ओर, भारत मंडपम में युवा महासम्मेलन संपन्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 'जय घोष- बगावत से सियासत की ओर' शीर्षक से युवा महासम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर भाजपा राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग, दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा, भाजपा वरिष्ठ नेता प्रमोद झा, तथा युवा महासम्मेलन के संस्थापक अभय शुक्ला व अभिषेक झा समेत देशभर से आए युवा प्रतिनिधि शामिल हुए।

युवा महासम्मेलन का उद्देश्य- आयोजन का मकसद युवाओं को राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विमर्श में शामिल करते हुए एक राष्ट्रीय संवाद मंच उपलब्ध कराना था। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण, नीति-निर्माण और नेतृत्व की चर्चाओं में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना और उन्हें सशक्त आवाज देना रहा। सम्मेलन के दौरान मुख्य वक्ताओं ने अपने विचारों से युवाओं को प्रेरित किया, उन्हें राष्ट्रहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया और 'जय घोष' की भावना को सामाजिक परिवर्तन का संदेश बताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में देश के विभिन्न राज्यों से आए युवा मौजूद रहे, जिन्होंने राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा में हिस्सा लिया और भविष्य के राजनीतिक-सामाजिक नेतृत्व के लिए नए संकल्प लिए।

भाजपा का झुग्गियों में रक्षा बंधन मनाने का ऐलान, झुग्गीवालों के जख्मों पर नमक : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने भाजपा पर झुग्गीवालों के साथ दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पिछले छह महीनों में 3000 से अधिक झुग्गियां तोड़कर करीब 15,000 लोगों को बेघर किया, और अब रक्षा बंधन के मौके पर झुग्गियों में त्योहार मनाने की घोषणा करके झूठी सहानुभूति दिखाने की कोशिश कर रही है। देवेन्द्र यादव ने कहा, 'भाजपा का झुग्गीवालों के साथ रक्षा बंधन मनाने का ऐलान उनके जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। यदि भाजपा को गरीबों की वाकई चिंता होती तो झुग्गियों में त्योहार मनाने के बजाय उन्हें तैयार फ्लैटों की चाबी सौंपकर नई जिंदगी की शुरुआत का तोहफा देती।' कांग्रेस नेता ने याद दिलाया कि भाजपा नेताओं ने चुनाव के दौरान झुग्गियों में रात्रि प्रवास किया, लेकिन सत्ता में आने के बाद वही झुग्गियां तोड़ दीं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में 675 जेजे क्लस्टर हैं, लेकिन भाजपा ने केवल 256 सेवा बस्तियों में ही रक्षा बंधन मनाने की घोषणा की है, जो झुग्गीवासियों के साथ राजनीतिक दिखावा है। देवेन्द्र यादव ने भाजपा पर गरीबों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने और भाई-बहन के रिश्ते को भी राजनीति से दागदार बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा का यह कदम रक्षा बंधन जैसे आत्मीय त्योहार के सम्मान के विपरीत है।

सूद ने लोगों से दिल्ली को स्वच्छ बनाने में सरकार का सहयोग करने की अपील की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने बुधवार को कहा कि दिल्ली जैसे महानगर को साफ सुथरा, पर्यावरण अनुकूल और दर्शनीय बनाना होगा तथा इसके लिए सभी को एकजुट होकर प्रयास करने होंगे। श्री सूद ने बताया कि एक अगस्त से 31 अगस्त तक चलने वाले स्वच्छता अभियान 'दिल्ली को कूड़े से आजादी' के अंतर्गत आज शहरी विकास विभाग ने 'स्वच्छता पोर्टल' खोल दिया है। इस पोर्टल पर कोई भी संस्थान, सरकारी कार्यालय, नागरिक कल्याण समितियां आदि अपने क्षेत्र मूं सफाई से पहले और सफाई के बाद की फोटो अपलोड कर सकते हैं। उन्होंने दिल्ली के लोगों से अपील की कि वह दिल्ली सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान का हिस्सा बने तथा दिल्ली को एक बेहतर स्वच्छ और रहने लायक शहर बनाने में सरकार का सहयोग करें। उन्होंने कहा, 卐दिल्ली देश की राजधानी है और दिल्ली देश का प्रतिबिंब भी है। यदि विकसित भारत की संकल्पना को साकार करना है तो उसके लिए सबसे पहले हमें दिल्ली जैसे महानगर को साफ सुथरा, पर्यावरण अनुकूल और दर्शनीय बनाना होगा इसके लिए हम सभी को एकजुट होकर प्रयास करने होंगे।' शहरी विकास मंत्री ने बताया कि स्वच्छता अभियान के तहत शहरी विकास विभाग के सौजन्य से शहरी कल्याण समितियों की प्रतियोगिता का भी आयोजन कर रहा है। कोई भी नागरिक कल्याण समिति अपने द्वारा किए गए साफ सफाई के कार्यों की फोटो अपलोड कर इस प्रतियोगिता में भाग ले सकता है। उन्हें स्वच्छता अभियान चलाने से पहले और बाद की तस्वीरें अपलोड करनी होंगी। श्री सूद ने बताया कि दिल्ली के शिक्षा विभाग ने दिल्ली में 4000 ऐसे स्थानों को चिन्हित किया है जहाँ प्राथमिकता के आधार पर साफ-सफाई की जानी है और इन स्थानों पर साफ-सफाई का काम शुरू भी हो गया है। उन्होंने कहा, 'हर दिल्ली वासी को इस स्वच्छता अभियान में अपना श्रमदान देना चाहिए क्योंकि उनके श्रमदान से दिल्ली न केवल साफ सुथरी दिखाई देगी बल्कि हम स्वस्थ और हरित दिल्ली के संकल्प को पूरा करने में भी सफल होंगे।'

एसपी अभिषेक श्रीवास्तव ने कौशांबी में दोपहिया चालकों को किए हेलमेट वितरित

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मानवता की मिसाल पेश करते हुए और यातायात नियमों का पालन करने के लिए बुधवार को एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने कौशांबी में बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चला रहे चालकों को निःशुल्क हेलमेट वितरित किए। एसीपी ने हेलमेट वितरित करते हुए उसका उपयोग करने की सलाह दोपहिया वाहन चालकों को दी, जिससे सड़क हादसों में कमी के साथ वाहन चालकों की सुरक्षा भी बनी रहे। दोपहिया वाहन चालकों ने हेलमेट प्राप्त कर पुलिस प्रशासन का धन्यवाद दिया और भविष्य में नियमों का पालन करने का संकल्प लिया। एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट का नियमित रूप से उपयोग करना चाहिए और अगर उनके साथ दूसरी सवारी है तो उसे भी हेलमेट लगाना चाहिए। ऐसा करने से ही यातायात नियमों का पूर्णतः पालन होता है और दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा भी बनी रहती है। उन्होंने बताया कि सड़क हादसों का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है, ऐसे में लोगों की जान को सुरक्षित रखना पुलिस की अहम जिम्मेदारी है। लोगों को सड़क हादसों के बारे में जागरूक करते हुए ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए लगातार जागरूक किया जा रहा है। ट्रैफिक नियमों का पालन करने से लोगों की जान सुरक्षित रहती है और सड़क हादसों के ग्राफ में कमी आने के आसार बने रहते है।

आईटीएस डेंटल कॉलेज में मुस्कान से सजे चेहरे, निःशुल्क डेन्चर शिविर बना सौगात बुजुर्गों के लिए

मुरादनगर (शिखर समाचार)। बुजुर्गों की मुस्कान में नई चमक भरने के उद्देश्य से आई.टी.एस डेंटल कॉलेज ने एक सराहनीय पहल करते हुए मुस्कान : एक पहल तक पहुंचने के लिए कार्यक्रम के तहत निःशुल्क डेन्चर शिविर का आयोजन किया। प्रोस्थोडॉन्टिक्स विभाग द्वारा पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग के सहयोग से संचालित इस शिविर में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से पहुंचे बुजुर्गों की मौखिक स्वास्थ्य जांच की गई और 82 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को

निःशुल्क कृत्रिम दांत (डेन्चर) प्रदान किए गए। शिविर के दौरान केवल डेन्चर ही नहीं दिए गए, बल्कि मरीजों को दांतों की देखभाल, कृत्रिम दांतों की सफाई के उपाय और मौखिक स्वच्छता की जानकारी भी दी गई। आयोजकों ने मरीजों की सहूलियत का भी विशेष ख्याल रखा, जिसके तहत उन्हें मुफ्त भोजन और परिवहन की सुविधा भी मुहैया कराई गई इस मानवीय प्रयास में संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेट्टी, डीन, विभागाध्यक्ष और प्रोस्थोडॉन्टिक्स विभाग की टीम सक्रिय रूप से मौजूद रही। बुजुर्गों ने दिल से संस्थान के चेयरमैन डॉ. आर पी चड्ढा और वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल उनके लिए केवल उपचार नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और मुस्कान लौटाने जैसी रही।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में वेश प्रतियोगिता आयोजित

मुरादनगर (शिखर समाचार)। स्थानीय लाल बहादुर शास्त्री सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में कक्षा प्ले से दशम तक के छात्रों के लिए आयोजित वेशभूषा प्रतियोगिता का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन के साथ हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में उप निरीक्षक एवं प्रभारी पिंक बूथ प्रिया सिंह एवं उप निरीक्षक मनीषा उपस्थित रहीं। विद्यालय परिवार की ओर से प्रधानाचार्य संजीव राजपूत ने अतिथियों का स्वागत किया, वहीं आचार्य बहनों उषा ओझा एवं गीता ने पारंपरिक रूप से पटका पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उप निरीक्षक प्रिया सिंह ने कहा कि समस्त छात्र छात्राएं मन लगाकर पढ़ाई करें, कठिन परिश्रम के साथ अपने लक्ष्य की प्राप्ति कर विद्यालय व परिजनों का नाम गौरवान्वित करें। प्रतियोगिता का मूल्यांकन स्वच्छता, वेशभूषा की पूर्णता, शारीरिक स्वच्छता और प्रस्तुति के आधार पर किया गया। निर्णायकों द्वारा चयनित प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शिक्षकों का योगदान सराहनीय रहा।

मुरादनगर स्टेशन पर सीमित टिकट सुविधा होने पर यात्री परेशान

मुरादनगर (शिखर समाचार)। स्थानीय रेलवे स्टेशन पर सभी गंतव्यों के लिए टिकट न मिलने से यात्रियों को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति का असर न सिर्फ यात्रियों की सुविधा पर पड़ रहा है, बल्कि स्टेशन के राजस्व पर भी नकारात्मक प्रभाव देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार रेलवे की व्यवस्था यह है कि किसी भी स्टेशन से देश के किसी भी स्थान के लिए टिकट जारी किया जा सकता है। लेकिन मुरादनगर स्टेशन पर केवल उन्हीं ट्रेनों के गंतव्य स्थलों के लिए टिकट मिलते हैं, जिन ट्रेनों का यहां ठहराव होता है। इससे जहां यात्रियों को बार-बार दूसरे स्टेशनों पर निर्भर होना पड़ता है, वहीं स्टेशन की टिकट बिक्री भी सीमित रह जाती है। लोगों का कहना है कि यदि मुरादनगर स्टेशन से सभी स्थानों के लिए टिकट उपलब्ध कराए जाएं, तो इससे न सिर्फ यात्रियों को राहत मिलेगी, बल्कि स्टेशन की आय में भी वृद्धि होगी, जिसके चलते यहां सुविधाएं भी बढ़ाई जा सकेंगी। यात्रियों ने रेलवे प्रशासन और सरकार से मांग की है कि मुरादनगर स्टेशन को पूर्ण टिकट सुविधा युक्त बनाया जाए, ताकि यात्रियों को सुविधा और स्टेशन को विकास दोनों मिल सकें।

मीट व्यापारी को छुड़ाने के मामले में आरोपी फरार, पुलिस की कार्रवाई तेज

मुरादनगर (शिखर समाचार)। पुलिस चौकी में दबाव बनाकर मीट व्यापारी को छुड़ाने और पुलिसकर्मियों से अभद्रता करने के मामले में नामजद आरोपी अब तक पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं। वहीं वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने जांच की गति तेज कर दी है। ज्ञात हो कि श्रावण मास में मांस बिक्री पर प्रतिबंध के बावजूद मीट की बिक्री की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक मीट व्यापारी को चौकी बुलाया था। इस बीच खुद को ह्यपुलिस मित्रह्न बताने वाले स्थानीय नेता भूरे चौधरी द्वारा पुलिस पर दबाव बनाते हुए व्यापारी को जबरन छुड़ाकर ले जाने, पुलिसकर्मियों से दुर्व्यवहार व धमकी देने की घटना सामने आई थी। घटना

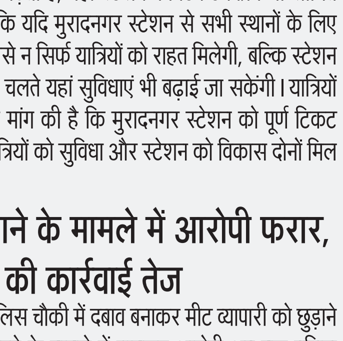

का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला तूल पकड़ गया, जिसके बाद डीसीपी सुरेन्द्र नाथ तिवारी ने तत्काल रिपोर्ट दर्ज कर जांच के आदेश दिए थे। पुलिस ने भूरे चौधरी, साजिद और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है।ुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी अभी फरार हैं, लेकिन उनकी तलाश में टीमें गठित कर दी गई हैं। मोबाइल लोकेशन के माध्यम से भी आरोपियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

गाजियाबाद में वृहद स्तर पर पुलिस ने चलाया साइबर अवेकनिंग अभियान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ के आदेश पर गाजियाबाद में वृहद स्तर पर साइबर अवेकनिंग अभियान चलाया जा रहा है, जिससे आम जनता को साइबर क्रिमिनल्स का शिकार होने से बचाया जा सकें। अभियान के तहत पुलिस स्कूली बच्चों से लेकर बुजुर्गों सहित सभी वर्ग आयु के लोगों को तरह-तरह के साइबर क्राइम के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए उन्हें सतर्क रहने के लिए प्रेरित कर रही है। थाना विजयनगर क्षेत्र में गौर सिद्धार्थम सोसायटी सिद्धार्थ विहार, थाना अंकुर विहार क्षेत्रान्तर्गत नवजीवन इंटर कॉलेज डीएलएफ, थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्रांतर्गत नवजीवन इंटर कॉलेज, थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्रअंतर्गत सेवियर सोसायटी, निवाड़ी क्षेत्र अंतर्गत डीजे डेंटल कॉलेज और थाना लोनी क्षेत्र अंतर्गत जेपी गर्ल्स कॉलेज में साइबर अवेकनिंग अभियान चलाया गया। सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली नगर रितेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि साइबर अपराधों की रोकथाम एवं नागरिकों को जागरूक करने हेतु साइबर जागरूकता अभियान सतत रूप से संचालित किया जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक विजयनगर शशि कुमार चौधरी व पुलिस टीम के साथ थाना विजयनगर क्षेत्रान्तर्गत गौर सिद्धार्थम सोसायटी सिद्धार्थ विहार में नागरिकों के साथ एक विशेष साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं एवं नवयुवकों को आधुनिक साइबर अपराधों की पहचान करने, संभावित खतरों से स्वयं को सुरक्षित रखने और साइबर सुरक्षा के प्रति समाज में जागरूकता का प्रसार करना है। कार्यक्रम में नागरिकों को बताया गया कि किसी भी संदिग्ध साइबर गतिविधि या ऑनलाइन ठगी की स्थिति में तुरंत 1930 पर कॉल करें या www.cybercrime.gov.in पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करवा सकते है। सहायक पुलिस आयुक्त वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि बताया कि थाना साइबर सेल और थाना अंकुर विहार पुलिस के साथ नवजीवन इंटर कॉलेज डीएलएफ और नवजीवन इंटर कॉलेज लोनी में एक विशेष साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अलावा निवाड़ी क्षेत्र अंतर्गत डीजे डेंटल कॉलेज और थाना लोनी क्षेत्र अंतर्गत जेपी गर्ल्स कॉलेज में अभियान चलाया गया। साइबर जागरूकता कार्यक्रम के तहत स्कूली बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक को साइबर अपराध के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है, जिससे साइबर क्राइम को रोका जा सके।

सबवेंशन घोटाले की जांच ने पकड़ी रफ्तार : नोएडा प्राधिकरण पहुंची सीबीआई, 10 बिल्डरों की योजनाओं का स्थलीय परीक्षण

नोएडा (शिखर समाचार)। सबवेंशन स्कीम घोटाले की जांच में सीबीआई ने बुधवार को बड़ा कदम उठाया। केंद्रीय जांच एजेंसी की एक टीम दोपहर बाद नोएडा प्राधिकरण के सेक्टर-6 कार्यालय पहुंची और वहां करीब डेढ़ घंटे तक 10 बिल्डरों की परियोजनाओं से जुड़ी अहम जानकारी जुटाई। इनमें सुपरटेक की तीन साइट सहित लॉजिक्स व अन्य ग्रुप हाउसिंग योजनाएं शामिल रहीं। दस्तावेजी पड़ताल के बाद टीम ने कुछ परियोजनाओं का भौतिक निरीक्षण भी किया। सीबीआई ने बिल्डरों के कंस्ट्रक्शन स्टेटस, फ्लैटों के आवंटन, बकाया भुगतान, जारी किए गए कंप्लीशन व ओसी सर्टिफिकेट सहित तमाम बिंदुओं पर जानकारी ली। प्राधिकरण के ग्रुप हाउसिंग विभाग से इन सूचनाओं को संकलित कर नोटिफाइड किया गया, जिसके बाद टीम अलग-अलग साइटों के लिए रवाना हो गई। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सीबीआई इस बहुचर्चित सबवेंशन स्कीम घोटाले की जांच कर रही है। हाल ही में एजेंसी

ने दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम और गाजियाबाद समेत कई स्थानों पर छापेमारी कर दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य जब्त किए थे। उसी कड़ी में बुधवार को यह निरीक्षण किया गया। 2014 में शुरू हुई थी सबवेंशन स्कीम, बैंकों और बिल्डरों की मिलीभगत से हुआ था खेल नोएडा और ग्रेटर नोएडा में 2014 के आसपास सबवेंशन स्कीम के तहत बिल्डरों ने ग्रुप हाउसिंग योजनाएं शुरू की थीं। स्कीम के तहत तय हुआ था कि फ्लैट का कब्जा मिलने तक ईएमआई का भुगतान बिल्डर करेगा। लेकिन जमीनी हकीकत अलग निकली। बिल्डरों ने कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बैंकों से लोन मंजूर कराए और बिना निर्माण के ही पूरी रकम हासिल कर ली। इसके लिए बैंकों और बिल्डरों के बीच अघोषित समझौते की बात भी सामने आई है। कुछ समय बाद बिल्डरों ने ईएमआई देना बंद कर दिया, फ्लैट भी नहीं सौंपे, और पूरी जिम्मेदारी खरीदारों पर आ गई। नतीजा यह हुआ कि हजारों खरीदार डिफॉल्टर बन गए और कई बिल्डर दिवालिया घोषित हो गए। अब सीबीआई इस पूरे मामले की तह में जाकर यह जानने की कोशिश कर रही है कि किस स्तर पर लापरवाही या मिलीभगत हुई, और कौन-कौन लोग इस घोटाले में शामिल रहे।

वादों की लंबी फेरिस्त में अब नहीं फंसेगा जीडीए, अदालतों में हर केस पर रहेगी पैनी नजरः वीसी अतुल वत्स

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने अदालतों में लटकते मामलों को लेकर अब मोर्चा संभाल लिया है। उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने साफ किया है कि अब हर केस का हिसाब सटीक होगा, जवाब समय पर और पैरवी दमदार होगी। इसी दिशा में उन्होंने विधि अनुभाग के साथ-साथ संबंधित विभागों के अफसरों के साथ एक अहम बैठक की और लंबित वादों की फाइल दर फाइल खुलवाई।

बैठक में साफ किया गया कि प्राधिकरण को अब हर अदालत में अपने पक्ष को मजबूती से रखना है चाहे वो रेड मॉल जैसा एनसीएलटी मामला हो या बिल्डरों से देयता वसूलने वाला केस। जितने भी वाद लंबित हैं, उन्हें ऑनलाइन सिस्टम पर दर्ज कराकर ट्रैकिंग और समीक्षा को तकनीक से जोड़ा जा चुका है। इससे न सिर्फ अफसरों को समय पर अलर्ट मिल रहा है बल्कि हर केस की पल-पल की स्थिति भी सामने है।

उपाध्यक्ष वत्स ने अफसरों को सख्त लहजे में कहा कि जहां भी जवाब दाखिल करना है, वहां देरी न हो और जहां अपील जरूरी है, वहां समय गंवाया न जाए। इसके साथ ही हर विभाग के अधिकारी अब अपने अनुभाग से जुड़े केसों पर प्राधिकरण के अधिवक्ताओं से सीधी बातचीत करेंगे ताकि कोई बिंदु अधूरा न रह जाए और अदालत में प्राधिकरण का पक्ष पूरे तथ्यों के साथ रखा जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि केस में जीत सिर्फ वकील नहीं दिलाते, सिस्टम से लेकर समन्वय तक सब मिलकर बनाते हैं मजबूत पैरवी। अब प्राधिकरण का रुख एकदम स्पष्ट है अदालतों में लंबित फाइलें नहीं, ठोस कार्यवाही दिखाई देगी।

गाजियाबाद में प्रगतिशील अधिवक्ता एसोसिएशन का स्थापना दिवस समारोह सम्पन्न, नवगठित कार्यकारिणी ने ली शपथ

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। प्रगतिशील अधिवक्ता एसोसिएशन (रजि.) गाजियाबाद द्वारा संस्था का स्थापना दिवस, शपथ ग्रहण समारोह, ज्ञानवर्धक सेमिनार एवं प्रथम साधारण सभा गोविंदपुरम स्थित प्रीतम फार्म में अत्यंत भव्य एवं सौम्य वातावरण में आयोजित की गई, जिसमें न्यायिक, विधिक एवं कर विशेषज्ञता से जुड़े सैकड़ों अधिवक्ताओं की सशक्त उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि के रूप में गाजियाबाद न्यायाधिकरण के सदस्य सुनील कुमार (लखर) ने नवगठित कार्यकारिणी को विधिवत शपथ ग्रहण कराई और अधिवक्ता समाज को संविधान का सजग प्रहरी बताते हुए संस्था के सतत विकास की कामना की। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता जितेंद्र मोहन शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मंच पर मौजूद रहे जिन्होंने संस्था को अपने शुभाशीर्वाद देते हुए अधिवक्ता समाज की भूमिका को लोकतंत्र की नींव बताया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित सेमिनार में कर विशेषज्ञ सीए पवन रस्तौगी ने जीएसटी से संबंधित नवीनतम परिपत्रों व अधिसूचनाओं पर गहन व्याख्यान

दिया, वहीं सीए अभिषेक राजाराम ने जीएसटी ट्रिब्यूनल की संकल्पना, प्रक्रिया और व्यावहारिक प्रभावों पर सरल एवं स्पष्ट भाषा में विस्तृत जानकारी साझा की, जिसे उपस्थित अधिवक्ताओं ने अत्यंत उपयोगी बताया। संस्था के अध्यक्ष जयवीर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन संस्था के उपाध्यक्ष एवं आयोजन समिति अध्यक्ष प्रदीप कुमार चौधरी ने किया, जिन्होंने संस्था की तीन वर्षों की यात्रा को रेखांकित करते हुए बताया कि अल्प समय में ही संस्था ने गाजियाबाद के कर क्षेत्र में अपना अलग पहचान स्थापित कर ली है और निरंतर अधिवक्ताओं के हितों को लेकर अग्रसर रही है। संस्था की महासचिव कुसुम सिंह ने अपने संबोधन में भविष्य की योजनाओं और संस्था को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाने के ठोस संकल्पों की जानकारी दी। इस गरिमामयी अवसर पर संस्था के संरक्षक उदयवीर सिंह, कोषाध्यक्ष गीता शर्मा, उपकोषाध्यक्ष रविंद्र कश्यप, सचिव (जीएसटी) अंकुश कुमार चौधरी, सचिव (इनकम टैक्स) अमित चावला, सह सचिव (इनकम टैक्स) भीष्म गिरि, सह सचिव (जीएसटी) मनोज कुशवाहा, कार्यकारिणी सदस्य अरविंद तेवतिया, अरविंद कुमार गौतम, अतुल कुमार शर्मा, प्रदीप शर्मा, रवि कुमार, दीपक डंगवाल और सचिन त्यागी सहित संस्था के अन्य वरिष्ठ व समकक्ष सदस्यगण मौजूद रहे। कार्यक्रम में गाजियाबाद, मोदीनगर, गौतमबुद्ध नगर, हापुड़, मेरठ आदि जनपदों से पधारे अनेक बार एसोसिएशनों के अध्यक्ष, महामंत्री व अन्य वरिष्ठ अधिवक्ताओं का पुष्पहार, पटका एवं स्मृतिचिन्ह द्वारा भव्य स्वागत कर सम्मानित किया गया।

इंदिरापुरम पुलिस ने 500 के नकली नोटों की बड़ी खेप की बरामद, 1 अभियुक्त गिरफ्तार

फेसबुक के माध्यम से संपर्क कर मंगवाएं 3 लाख रुपए के नकली नोट

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना इंदिरापुरम पुलिस ने राजस्व हानि को रोकते हुए 500 के नकली नोटों की एक बड़ी खेप बरामद की है। पुलिस ने उज्जवल झा को गिरफ्तार करते हुए उसकी निशानदेही पर 556 नोट बरामद किए। बरामद नोटों की कीमत लगभग 2 लाख 83 हजार रुपए है, जो दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में सप्लाई के लिए मंगाए गए थे। खास बात यह है कि फेसबुक के माध्यम से संपर्क कर नकली नोटों की खेप मंगाई गई थी। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि उज्जवल झा को गिरफ्तार किया गया है। उज्जवल झा के कब्जे से 500 रुपए के नकली 566 नोट बरामद किए गए है। उज्जवल झा ने फेसबुक के माध्यम से एक व्यक्ति से संपर्क किया था और उसे 1 लाख रुपए की असली करेंसी देकर उससे 3 लाख रुपए के नकली नोट लिए थे। उज्जवल झा इन सभी नोटों को दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में भुनाने की फिराक में लगा हुआ था और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उज्जवल झा के विरोध राजस्व हानि को नुकसान पहचाने की धारा के अनुसार मुकदमा पंजीकृत करते हुए विधिक कार्यवाही की जा रही है।

हाउस टैक्स पर नगर निगम ने बढ़ाई 20% छूट की अवधि

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम ने करदाताओं को सहूलियत देने के लिए 20% हाउस टैक्स पर मिलने वाली छूट की अवधि को बढ़ाया दिया है। हाउस टैक्स की जुलाई में समाप्त अवधि को बढ़ाया गया है। अवधि को दो महीने के लि बढ़ते हुए 30 सितंबर तक कर गया है। करदाता आगामी 30 सितंबर तक 20% छूट के साथ अपना हाउस टैक्स जमा कर सकते है। मेयर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक लगातार शहर के विकास कार्यों को रफ्तार देने की योजना बनाई रहे है, जिसमें करदाताओं का भी विशेष ध्यान रखते हुए टैक्स जमा करने हेतु 20% छूट की अवधि को बढ़ाया गया है। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ. संजीव कुमार सिन्हा ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम शहर के विकास कार्यों के साथ-साथ करदाताओं का भी विशेष ध्यान रख रहा है। हाउस टैक्स वसूली को बढ़ाने के लिए करदाताओं को छूट का लाभ दिया जा रहा है। 20% छूट जो केवल जुलाई

डॉ. संजीव कुमार सिन्हा, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी, गाजियाबाद नगर निगम

माह के अंत तक दी जाती थी उसको माननीय सदन के विचार के आधार पर बढ़ाते हुए 30 सितंबर तक कर दिया गया है। अक्टूबर नवंबर में 10% की छूट मिलेगी। दिसंबर व जनवरी 2026 तक 5% की छूट करदाताओं की सहूलियत हेतु रहेगी। उन्होंने बताया कि ऐसे करदाता जो लगातार अपना हाउस टैक्स जमा कर रहे है, उनको गाजियाबाद नगर निगम के इस निर्णय का लाभ मिलेगा तथा 20% छूट के साथ करदाता अपना हाउस टैक्स जमा कर सकते है। ऑनलाइन भी टैक्स जमा करने पर 20% छूट करदाताओं को मिलेगी।

गढ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का महिला आयोग की सदस्या मनीषा अहलावत ने दौरा किया

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) गढ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का महिला आयोग की सदस्या मनीषा अहलावत ने दौरा करके मिशन शक्ति फेज 5 के अर्तगत महिलाओ के लिए किये जाने वाले कार्यों की विस्तार पूर्व चर्चा की ओर जन सुनवाई की। बुद्धवार को गढ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का महिला आयोग की सदस्या मनीषा अहलावत ने दौरा करके मिशन शक्ति फेज 5 के अर्तगत महिलाओ के लिए किये जाने वाले कार्यों की विस्तार पूर्व चर्चा समीक्षा बैठक के दौरान की इस दौरान उन्होने महिला संबंधी मामलो पर जन सुनवाई भी की। दौरान स्थानीय अधिकारी एवं कर्मचारीयो के अलावा आम जनता के लोग भी मौजूद रहे। अस्पताल में सुविधाओ व साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई।

गौकशी में शामिल 25 हजार का इनामी बदमाश गोली लगने पर घायल अवस्था में गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) गढ पुलिस टीम ने गौकशी की घटना में शामिल 25 हजार के इनामी वांछित आरोपी को मुठभेड के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार करने में कामयाबी पायी है। आरोपी का साथी अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गया जिसकी तलाश की जा रही है।

गढ सीओ वरूण मिश्रा ने बताया कि गढ पुलिस टीम गौकशी के मामले में वांछित चल रहे 25हजार के इनामी बदमाश को आमिर पुत्र सलीम उर्फ नवाब निवासी थाना तिलहर जिला शहाजहांपुर हालपता फलवादा जिला मेरठ को मुठभेड के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। आरोपी का साथी अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गया जिसकी तलाश की जा रही है। आरोपी के पास से अवैध तमंचा खाली खोखा एवं कार बरामद हुई है। आरोपी पर 25हजार का इनाम घोषित है। आरोपी पर गौकशी सहित कई मामले विभिन्न थानो में दर्ज हैं। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है आरोपीयों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करके अग्रीम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

'कांवड़ यात्रा को बदनाम करने की कोशिश हुई'

बरेली में योगी बोले: समाज विरोधी तत्व बेनकाब होंगे, अब गुंडागर्दी नहीं चलेगी

लखनऊ। सीएम योगी ने बुधवार को बरेली कॉलेज के ग्राउंड में जनसभा को संबोधित किया। योगी ने सपा पर हमला बोलते हुए कहा- जो आयोजन समग्र समाज की एकता के माध्यम बनेंगे, समाज विरोधी तत्व उसके बारे में दुष्प्रचार करेंगे, साजिशें-षड्यंत्र रचेंगे। ऐसे तत्वों को बीच में भेजकर पूरे माहौल को खराब करने का प्रयास करेंगे। समाज की जागरूकता और पुलिस की तत्परता के कारण ये तत्व बेनकाब होते हैं। कावड़ यात्रा सकुशल संपन्न होती है। यह यात्रा अब सामाजिक एकता का प्रतीक बन चुकी है। बरेली में लाखों श्रद्धालुओं ने नाथ गलियारे में जलाभिषेक कर अपनी आस्था प्रकट की, जो शहर की नई पहचान बन रही है। इससे पहले सीएम ने 2264 करोड़ की 545 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। रोजगार मेले के माध्यम से चयनित 6000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र व टैबलेट दिए। योगी ने कहा- 2017 से पहले युवाओं को पहचान का संकट था। पहले सरकारी नौकरियों में डकैती डाली जाती थी। पहले चाचा, बबुआ, भतीजा अलग-अलग निकलते थे। 2017 से पहले दंगाई खुलेआम गुंडागर्दी करते थे। आगजनी करते थे। 2017 के बाद यही पुलिस अब उन माफियाओं के लिए काल बन गई है। यूपी की पहचान अब वन डिस्ट्रिक वन नेशन से हो रही है। ये नया उत्तर प्रदेश है। सीएम योगी ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश को माफिया मुक्त और भय मुक्त बनाया है। पहले हर जिले में एक माफिया नियुक्त रहता था, अब यूपी की पहचान वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज और वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट से हो रही है। डबल इंजन की सरकार विरासत को विकास के साथ जोड़ रही है। उन्होंने कहा कि कनेक्टिविटी, हाईवे, मेट्रो, एयरपोर्ट, फ्लाईओवर से प्रदेश का आधारभूत ढांचा तेजी से बदल रहा है। बरेली को पार्श्वनाथ भगवान की पावन भूमि है। यूपी राम, कृष्ण, बुद्ध और जैन तीर्थंकरों की जन्मभूमि और तपोभूमि है। आध्यात्मिक विरासत को संरक्षित कर आधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ जोड़ा जा रहा है ताकि उत्तर प्रदेश आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक नेतृत्व में अग्रणी बने। सीएम ने कहा- पिछली सरकारें बांटने का काम करती थीं। वोट बैंक की राजनीति के माध्यम से तुष्टिकरण की पराकाष्ठा को पूर्ण करती थी। डबल इंजन की सरकार, बीजेपी की सरकार तुष्टिकरण नहीं बल्कि विकास के माध्यम से जनता जनार्दन की संतुष्टि का माध्यम बन रही है। आपके जीवन में खुशी और समृद्धि लाने का प्रयास कर रही है। सीएम योगी बोले- रक्षाबंधन और जन्माष्टमी की शुभकामनाएं। 8, 9 और 10 अगस्त को बहनें प्रदेश भर की बसों में निशुल्क यात्रा कर

सकेंगी। सीएम ने स्वच्छता हर नागरिक की जिम्मेदारी है। स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी से पहले विशेष स्वच्छता अभियान चलाने की अपील की। सीएम योगी ने कहा- मैं आभारी हूं आप सबका। कावड़ यात्रा को आप लोगों ने बहुत अच्छे से किया। दो दिन से बहुत बारिश हो रही थी बरेली में। मुझे लगा ज्यादा बारिश होगी तो कार्यक्रम स्थगित करना पड़ सकता है। भारी बारिश के बीच आप लोग आए, इसके लिए आप सबका धन्यवाद। नाथ कॉरिडोर के लिए अलग से 62 करोड़ का बजट पास किया गया है। रामनगर किला की भी स्वीकृति दी है। नाथ कॉरिडोर से बरेली की पहचान तो है ही। इसके साथ ही भगवान पार्श्वनाथ से भी इसकी पहचान है। जैन मंदिर आंवला में है। 2017 से पहले युवाओं को पहचान का संकट था। पहले सरकारी नौकरियों में डकैती डाली जाती थी। पहले चाचा, बबुआ, भतीजा अलग-अलग निकलते थे। 2017 से पहले दंगाई खुलेआम गुंडागर्दी करते थे। आगजनी करते थे। 2017 के बाद यही पुलिस अब उन माफियाओं के लिए काल बनकर खड़े हुए है। यूपी की पहचान अब वन डिस्ट्रिक वन नेशन से हो रही है। पिछली सरकारें दंगों के साथ थी। हमारी सरकार आपको आगे बढ़ाने का काम कर रही है। बरेली में प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई है। बरेली मंडल से जुड़े सभी प्रतिनिधियों के साथ हमने बैठकर चर्चा की। बरेली मंडल के विकास के साथ बदायूं, पीलीभीत, शाहजहांपुर और पीलीभीत में भी विकास हो रहा है। सीएम योगी ने कहा- हाल ही में 60,244 पुलिसकर्मियों की भर्ती पूरी हुई है, जिसमें 12,000 से अधिक बेटियों को शामिल किया गया है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि इन चयनित अभ्यर्थियों और उनके परिजनों को सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया जाए ताकि समाज में प्रेरणा का संचार हो। पहले की सरकारों में नौकरी केवल परिवार विशेष के लिए होती थी, अब युवाओं को बिना भेदभाव के अवसर मिल रहे हैं। न्यू बरेली के रूप में इऊअ की विभिन्न योजनाओं का आज लोकार्पण और शिलान्यास हो रहा है। अब कोई बरेली को दंगाग्रस्त बरेली नहीं कह सकता है। इसका परिणाम कावड़ यात्रा में हमने देखा। जो आयोजन समग्र समाज की एकता के माध्यम बनेंगे समाज विरोधी तत्व उसके बारे में दुस्प्रचार करेंगे, साजिशें-षड़यंत्र रचेंगे। ऐसे तत्वों को बीच में भेजकर पूरे माहौल को खराब करने का प्रयास करेंगे। लेकिन समाज की जागरूकता और पुलिस की तत्परता के कारण ये तत्व बेनकाब होते हैं। कावड़ यात्रा सकुशल संपन्न होती है। बरेली में कावड़ यात्रा अच्छे से संपन्न हुई। सीएम बोले- जब अच्छी सरकार आती है तो विकास होता है। ये वही बरेली है जहां पहले दंगे होते थे। बरेली दंगाग्रस्त जनपद बन गया था। अब नाथ कॉरिडोर बरेली की पहचान बन गई है। बरेली की जनता को संबोधित करते हुए सीएम योगी बोले- बरेली वासियों को जो करोड़ों रुपए की योजनाओं का उपहार मिल रहा है। उसके लिए आप सभी को बधाई। योगी ने रोजगार मेले के माध्यम से चयनित 6000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए। सीएम योगी ने "मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना" का लाभ लेने के लिए युवाओं के प्रेरित करते हुए कहा- इस योजना में चयनित युवाओं को 5 लाख रुपये तक गारंटी मुक्त और ब्याज मुक्त ऋण, समय पर पुनर्भुगतान पर 7.5 लाख रुपये और फिर 10 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा- ये राजनीति का स्वर्णिम युग है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री जन्म योगी है और प्रधानमंत्री मोदी कर्म योगी है। मुख्यमंत्री की सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किए गए। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि चारों जिलों से करीब 1600 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। चार कंपनियां PAC, एक RAF यूनिट, 9 एएसपी, 22 सीओ, 50 इंस्पेक्टर, 200 दरोगा, 1150 सिपाही व दीवान, 150 महिला सिपाही, 5 ट्रैफिक इंस्पेक्टर और 151 ट्रैफिक स्टाफ जनसभा स्थल और शहर भर में सुरक्षा व्यवस्था संभालते दिखे। ड्रोन कैमरों से निगरानी की गई और रूफटॉप ड्यूटी भी लगाई गई। बरेली के सात प्रमुख नाथ मंदिरों को जोड़ने वाला ह्लनाथ कॉरिडोरह्व मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में शामिल है। इस कॉरिडोर को गति देने के लिए आज विशेष घोषणाएं की गईं। धार्मिक स्थलों के विकास में शामिल हैं: मुख्यमंत्री योगी ने रोजगार मेले का उद्घाटन किया। बरेली कॉलेज में लगे इस मेले में 72 से ज्यादा कंपनियों ने भाग लिया और 7000 से अधिक नौकरियों की पेशकश की। रिलायंस, पेटीएम, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, एसबीआई क्रेडिट कार्ड, रेडिसन होटल जैसी बड़ी कंपनियों के साथ-साथ स्थानीय औद्योगिक इकाइयों ने भी हिस्सा लिया। इस मेले में चयनित 11 अभ्यर्थियों को सीएम ने मंच से नियुक्ति पत्र सौंपे। जिले के सभी कॉलेजों, क्ळक और स्किल डवलपमेंट संस्थानों से युवाओं को इसमें शामिल होने के लिए सूचना दी गई थी।

एनसीसी कैडेट्स की भर्ती में 39 छात्रों का हुआ चयन

संवाददाता

कुशीनगर। पावानगर महावीर इण्टर कालेज, फाजिलनगर में एनसीसी. कैडेट्स की भर्ती प्रक्रिया के तहत 96 छात्र- छात्राओं में से 39 कैडेट्स का चयन किया गया। साथ ही वर्ष 2024 में उत्तीर्ण हुए कैडेट्स को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। भर्ती प्रक्रिया विद्यालय के एनसीसी अधिकारी कैप्टन रामकेवल प्रसाद एवं सुबेदार मेजर कुलदीप सिंह के दिशा - निर्देशन में सम्पन्न हुई। इनके अतिरिक्त सुबेदार सुरेन्द्र कश्यप, नायब सुबेदार विक्रमजीत सिंह, अवतार सिंह, शान सिंह, आकाश गुंरुग तथा विनोद थापा ने सहयोग किया। उपप्रधानाचार्य विश्राम यादव सहित शिक्षक, कर्मचारी एवं परिचारकों ने भर्ती प्रक्रिया को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। कैडेट्स के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम डॉ. पवन के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर कैडेट्स द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में योगदान देते हुए पौधरोपण भी किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अक्षयबर पाण्डेय ने भर्ती प्रक्रिया में सहयोग देने वाले सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और स्वास्थ्य विभाग की टीम को दूरभाष पर धन्यवाद ज्ञापित किया तथा एन.सी.सी. भर्ती की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

रेणुकूट के राधा-कृष्ण मंदिर में अखंड हरि कीर्तन में शामिल हुईं पूर्व चेयरमैन निशा बबलू सिंह

संवाददाता

सोनभद्र, रेणुकूट। रेणुकूट की पूर्व चेयरमैन निशा बबलू सिंह ने श्री राधा-कृष्ण मंदिर में आयोजित अखंड हरि कीर्तन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने राधा-कृष्ण युगल सरकार और श्री रेणुकेश्वर महादेव के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया। मंदिर में पहुंचकर निशा सिंह ने कहा कि हरि कीर्तन और इस पवित्र स्थान पर आकर उन्हें ऐसा लगा जैसे वह सीधे गोकुल में आ गई हों। उन्होंने मंदिर की परंपराओं का पालन करते हुए सभी पुजारियों से आशीर्वाद लिया और वहां मौजूद जनता का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उन्हें लोगों का भरपूर प्यार और आशीर्वाद मिला है, जिसके लिए वह सभी की

आभारी हैं। इस अवसर पर निशा सिंह ने कहा कि धार्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मकता और भाईचारा बढ़ता है। उन्होंने क्षेत्र के लोगों को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी और कहा कि वह हमेशा ऐसे धार्मिक और सामाजिक कार्यों में सहयोग करती रहेंगी। उन्होंने भावुक होते हुए कहा, मैं सभी के सुख और दुख की दोस्त बनना चाहती हूँ और रेणुकूट को एक आदर्श नगर पंचायत बनाना चाहती हूँ। उन्होंने अपने पति के समाज सेवा के सपने को पूरा करने का संकल्प लेते हुए कहा कि उनके पति चाहते थे कि क्षेत्र की जनता कभी दुखी और परेशान न रहे। निशा बबलू सिंह ने कहा कि वह अपनी अंतिम सांस तक लोगों के बीच जाकर उनके दुख-दर्द दूर करने का अपना सिलसिला जारी रखेंगी। उन्होंने यह भी बताया कि उनके बाद यह दायित्व उनका पूरी परिवार जिम्मेदारी के साथ निभाएगा, प्रभु से यही आशीर्वाद लेते हुए, जनता से मिलते-जुलते और पुजारियों से आशीर्वाद लेकर उन्होंने हर हर महादेव का जयकारा लगाया और सबका साथ, सबका विकास' का मंत्र दोहराया।

बिजनौर में नदियों में उफान पर

बिजनौर। पहाड़ और मैदानी इलाकों में मूसलाधार बारिश से नदियों में उफान आ गया है। बिजनौर जनपद में गंगा खतरे के निशान से 20 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। बाढ़ को लेकर पुलिस और प्रशासन अलर्ट मोड पर है। कई गांवों का संपर्क कटा हुआ है।लगातार बारिश से जिले में अलग-अलग जगहों पर आठ मकान धराशायी हो गए। जिनमें दबने से एक तीन साल की बच्ची ने दम तोड़ दिया, जबकि बीस लोग घायल हुए हैं। बारिश और जलभराव के चलते हरिद्वार-नजीबाबाद मार्ग बंद हो गया। वहीं रावली में लोग नाव का सहारा ले रहे हैं। मंगलवार को 155.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि सोमवार को 134 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। दो दिनों की लगातार बारिश से मंगलवार की सुबह आठ बजे बिजनौर बैराज पर गंगा का जलस्तर 219.70 मीटर दर्ज हुआ, जबकि शाम को चार बजे यह 220.20 मीटर पहुंच गया। यह खतरे के निशान से बीस सेंटीमीटर ज्यादा रहा। उधर, बैराज पर पानी 233644 क्यूसेक बहने की वजह से हर घंटे जलस्तर मापते हुए नजर रखी गई। गंगा में बाढ़ आने से आसपास में बसे गांव में अलर्ट किया गया।

ओबरा के समाजसेवी अरविंद सिंह ने साथियों संग किए श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन

संवाददाता

सोनभद्र। ओबरा के समाजसेवी अरविंद सिंह ने सावन के अंतिम सोमवार को अपने साथियों और बेटे के साथ श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने इस अवसर को एक अविस्मरणीय और अद्भुत अनुभव बताया। अरविंद सिंह ने कहा कि सुबह के समय गूंजते मंत्रों, घंटियों और शंख की ध्वनि के बीच बाबा के दिव्य दर्शन कर उनका मन पूरी तरह से श्रद्धा से भर गया। उन्होंने कहा, बाबा के ज्योतिर्मय स्वरूप, भक्ति से भरे

वातावरण और उनके आशीर्वाद की अनुभूति ने मेरी आत्मा को एक नई ऊर्जा और शांति प्रदान की। बाबा के चरणों में शीश झुकाकर उन्होंने मन ही मन सभी के कल्याण के लिए प्रार्थना की। उन्होंने हर हर महादेव और जय बाबा विश्वनाथ का जयकारा लगाकर अपनी खुशी व्यक्त की। अरविंद सिंह ने कहा कि यह धार्मिक यात्रा उनके और उनके साथियों के लिए एक बेहद खास अनुभव रही।जाते-जाते उन्होंने कहा कि उन्हें सभी के सुख-दुख में उनके साथ मिलकर श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ और उन्होंने सभी से सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास का मंत्र दोहराया। यह मंत्र समाज के हर वर्ग के लोगों के कल्याण और विकास के लिए एक साथ मिलकर काम करने की भावना को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि निस्वार्थ सेवा और सहानुभूति एक अच्छे समाजसेवी के महत्वपूर्ण गुण हैं।

रक्षाबंधन पर अलर्ट मोड में होगा मेरठ परिक्षेत्र, सुरक्षा के लिए मैदान में उतरेंगे 2550 पुलिसकर्मी

मेरठ (शिखर समाचार) रक्षाबंधन का त्योहार इस बार 9 अगस्त को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा, लेकिन त्योहार की रौनक के साथ ही कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो चुका है। मेरठ परिक्षेत्र के चारों जनपदों में सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के लिए बड़े पैमाने पर पुलिस बल की तैनाती की जा रही है। डीआईजी कलानिधि नैथानी के निर्देश पर पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराने के लिए 2550 पुलिसकर्मी फील्ड में उतरेंगे। जिनमें से 5 अपर पुलिस अधीक्षक, 24 क्षेत्राधिकारी, 77 निरीक्षक, 568 उप निरीक्षक, 747 मुख्य आरक्षी, 812 आरक्षी तथा 317 होमगार्ड/पीआरडी शामिल हैं। एक कम्पनी पीएसी की तैनाती भी की गई है।

मेरठ रेंज के डीआईजी कलानिधि नैथानी ने बताया कि त्योहार पर बहनों और परिवार के साथ भाई-बहनों की आवाजाही में भारी भीड़ रहती है, बाजार देर रात तक खुले रहते हैं, मॉल, पार्क और मिठाई की दुकानों पर जमावड़ा रहता है और ऐसे में किसी भी अप्रिय घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसी के मद्देनजर जनपद मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और हापुड़ में कुल 83 एंटी रोमियो स्क्वॉड एक्टिव रहेंगे, जिनमें अकेले मेरठ में 32, बुलंदशहर में 28, बागपत में 12 और हापुड़ में 11 स्क्वॉड को सतत गश्त पर लगाया गया है। पर्व के अवसर पर मेरठ और हापुड़ जिले में 5-5 पारंपरिक मेलों का आयोजन भी प्रस्तावित है, जिन्हें ध्यान में रखते हुए पुलिस ने पूरी रणनीति बना ली है। पुलिस प्रशासन ने शांति व्यवस्था को लेकर अब तक समाज के

प्रबुद्धजनों, शांति समिति, धर्मगुरुओं और अन्य विभागों के साथ 100 से अधिक गोष्ठियां कर ली हैं ताकि हर विभाग आपसी समन्वय से सुरक्षा तंत्र को मजबूत बना सके।

डीआईजी नैथानी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बाजारों में महिलाओं की बढ़ती आवाजाही को लेकर छेड़छाड़, जेबकतरी, स्नैचिंग जैसी वारदातों को रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरती जाए, गुंडा विरोधी दल और एंटी रोमियो टीम लगातार फील्ड में निगरानी करें, स्टेशन, बस अड्डों और भीड़ वाले स्थलों पर पर्याप्त पुलिस व्यवस्था रहे, स्थानीय परिवहन विभाग व टैक्सी यूनियन से समन्वय कर यातायात के साधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, प्रमुख मार्गों को चिन्हित कर यातायात नियंत्रण की व्यवस्था की जाए और कहीं भी लावारिस वस्तु या संदिग्ध व्यक्ति दिखे तो तलाशी और चेकिंग में कोई कोताही न हो।

दोपहर बाद बाजारों, मॉल्स और भीड़ वाले स्थानों पर विशेष चेकिंग अभियान चलेगा, जहां सादी वर्दी में महिला पुलिसकर्मी भी तैनात रहेंगी ताकि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में पुलिस पिकेटिंग रहेगी, शोभायात्रा, मेला, दंगल जैसे आयोजनों की जानकारी लेकर आयोजकों से संवाद कर सुरक्षा इंतजाम किए जाएंगे। अराजक तत्वों को पहले से चिन्हित कर उन पर सतर्क निगरानी और निरोधात्मक कार्यवाही के आदेश दिए गए हैं। थाना प्रभारियों को निर्देश है कि वे खुद क्षेत्र में सक्रिय रहें और किसी भी सूचना को नजरअंदाज न करें, सोशल मीडिया सेल को भी अलर्ट मोड में रखा गया है ताकि किसी भी अफवाह, भ्रामक पोस्ट या गलत जानकारी पर त्वरित प्रतिक्रिया दी जा सके और जरूरत पड़ने पर कानूनी कार्यवाही भी की जाए। रक्षाबंधन पर्व को सुरक्षित, व्यवस्थित और सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराने के लिए पूरे परिक्षेत्र की पुलिस चौकन्नी है और जनता से भी अपील की गई है कि वे शांति बनाए रखने में सहयोग करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

संक्षिप्त डायरी

कांग्रेस की बैठक में ब्लॉक और मंडल कमेटी के मजबूती पर चर्चा

संवाददाता

कसया। नगर के गोपालगढ़ मार्ग स्थित कांग्रेस पार्टी के कार्यालय पर ब्लॉक कांग्रेस की मासिक बैठक सम्पन्न हुई जिसमें संगठन सृजन के तहत ब्लॉक और मंडल कमेटी के मजबूती पर चर्चा की गई। जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव गोरख यादव, जिला उपाध्यक्ष अरुण कुमार चौबे, सहित पदाधिकारियों ने सांगठनिक मजबूती पर बल दिया और ब्लॉक के मंडल अध्यक्षों को कमेटी गठन और विस्तार को लेकर टिप्स दिए। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने कहा कि पूरे देश में इंडिया गठबंधन की लहर चल रही है। लोकप्रिय नेता राहुल गांधी पूरे देश में सामाजिक न्याय की।लड़ाई लड़ रहे हैं आज पूरा देश उनके साथ खड़ा है। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की मुहिम में जुट जाएं और डोर टू डोर समर्पक करने का कार्य करें। वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा में कांग्रेस इंडिया गठबंधन भारी बहुमत से जीतकर सरकार बनाएगी। इस दौरान कसया ब्लॉक प्रभारी शबनम खातून, ब्लॉक उपाध्यक्ष बृजेश जैसवाल, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी महासचिव अरविंद द्विवेदी, ब्लाक महासचिव प्रीतम कुमार शुक्ला, राजीव गांधी मंडल अध्यक्ष अरविंद सिंह, इंदिरा गांधी मंडल अध्यक्ष यशवंत कुमार भारती सहित पदाधिकारी मौजूद रहे।

गन्ने की खेती मशीन से कराएगी ढाढा चीनी मिल: मनोज कुमार विश्नोई

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर पालिका परिषद कुशीनगर क्षेत्र के ग्राम अभिनयकपुर में शरद कालीन गन्ना बुवाई एवं गन्ना कृषि यंत्रों के विषय पर गन्ना विकास गोष्ठी का आयोजन किया गया। अधिकारियों ने गन्ने की बैज्ञानिक विधि से खेती की जानकारी किसानों को दी। विदित हो कि शरद कालीन गन्ने की बैज्ञानिक खेती के प्रति कृषकों को जागरूक करने, गन्ने के साथ सहफसली खेती को बढ़ावा देने,गन्ने की खेती में यंत्रों का प्रयोग एवं उसका लाभ, गन्ना विकास के लिए चीनी मिल की योजनाओं की जानकारी देने आदि के विषय में जानकारी देने के लिए अधिशासी अध्यक्ष करन सिंह के मार्गदर्शन में ढाढा चीनी मिल द्वारा गांव गांव में विशेष प्रशिक्षण अभियान चलाया जा रहा है। ढाढा चीनी मिल के सहायक उपाध्यक्ष गन्ना मनोज कुमार विश्नोई ने किसानों को बताया कि गन्ने की खेती में मजदूरों की बढ़ती समस्या को देखते हुए ढाढा चीनी मिल द्वारा सभी प्रकार के गन्ना कृषि यंत्र अनुदान पर कृषकों को उपलब्ध करा रही है। अब गन्ने की खेती मशीन से कराएगी ढाढा चीनी मिल चीनी मिल में गन्ना बुवाई, गुड़ाई, कटाई, छिलाई का यंत्र कृषकों को दिया जा रहा है, इसका प्रदर्शन भी कराया जा रहा है। उप्र गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केंद्र पिपराइच के पूर्व सहायक निदेशक ओमप्रकाश गुप्ता ने शरद काल में ट्रेंच विधि से अधिक उपज देने वाली प्रमुख प्रजातियां को 0118, को15023, कोसा 18231आदि की बुवाई करें। अपनी आय बढ़ाने के लिए किसान गन्ने के साथ आलू, लहसुन, प्याज गोभी, गेहूं, टमाटर, मसूर, टोरिया, आदि की सहफसली खेती करें, इससे आय बढ़ेगी। किसानों ने कहा गन्ने के दाम न बढ़ने गन्ने की खेती में लगात बढ़ने के कारण गन्ना बोना छोड़ रहे हैं। एक एकड़ गन्ना बोने से बचने तक 50 से 60000 रुपए से अधिक खर्च रहा है। कसया गन्ना समिति के सचिव सुरेंद्र चौहान के अनुसार 25% गन्ना क्षेत्रफल घट गया है। वर्ष 2024 -25 में 1690 हेक्टेयर था। इस बार घटकर 1268 हेक्टेयर हो गया है। अधिशासी अध्यक्ष करण सिंह के अनुसार गन्ना क्षेत्र बढ़ाने के लिए 15 हजार एकड़ गन्ना शरद कालीन गन्ना बुवाई का लक्ष्य रखा गया है। उपाध्यक्ष गन्ना रविंद्र सिंह ने कहा गन्ना विकास से ही किसानों का विकास होगा। गन्ने का विकास तभी होगा जब वैज्ञानिक ढंग से खेती होगा। गन्ना विकास अधिकारी दीपक तिवारी ने गन्ना सट्टा सर्वे प्रदर्शन पर बताया कृषक दिनेश राय ने कहा पर्ची हॉयल की सबसे बड़ी समस्या है। अध्यक्षता प्रगतिशील किसान श्री रामचन्द्र यादव ने किया। गोष्ठी में किसान श्रीरामचन्द्र यादव, दिनेश राय, योगेंद्र सिंह, द्वारिका सिंह, महेंद्र सिंह आदि शामिल रहे।

कानपुर में अफेयर में युवक का मर्डर: घर से 50 मीटर दूर लाश मिली

कानपुर। 3 दिन से लापता युवक की लाश उसके घर से सिर्फ 50 मीटर दूर मिली। कातिलों ने लाश को मस्जिद के बगल के खाली प्लॉट में ईंटों से दबा दिया था। बुधवार सुबह प्लॉट से बदबू आने पर लोगों ने नगर निगम से सफाई कर्मचारी बुलवाए। सफाई के दौरान प्लॉट में लाश होने की बात सामने आई। इसके बाद मोहल्लेवालों की भीड़ लग गई। पता चला कि बॉडी इस प्लॉट के करीब ही रहने वाले रज्जन गौतम के बेटे सुमित की है। पुलिस को सुमित के लव अफेयर के बारे में पता चला है। परिवार ने बताया कि 3 अगस्त की रात सुमित को एक कॉल आई थी। वो उसकी प्रेमिका की बताई जा रही है। सुमित मिलने गया था। लड़की सिर्फ 5 घर छोड़कर रहती है। आरोप है, लड़की के परिवारवालों ने ही सुमित को मार डाला। इसके बाद घर के पास के प्लॉट में लाश दबा दी। अब पुलिस इस मामले को ऑनर किलिंग मानते हुए पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। यह मामला पुराना मसवानपुर का है। मसवानपुर में रज्जन गौतम गोविंदनगर की पान मसाला फैक्ट्री में काम करते हैं। परिवार में पत्नी सुनीता और 4 बच्चे खुशबू, सुमित (18), पायल और नैना हैं। उनके चचेरे भाई अनिकेत लाजपतनगर में रहते हैं। उन्होंने बताया कि सुमित शादी पार्टी में वेटर का काम करता था। सुमित के घर से 5 घर छोड़कर एक परिवार रहता है। उनकी लड़की से करीब 2 साल से सुमित का लव अफेयर चल रहा था। दोनों एक-दूसरे को पसंद करते थे। अनिकेत ने बताया- 3 जुलाई की रात सुमित घर पर ही था। रात 8 बजे सुमित के पास फोन आया। सबको यही पता था कि वह अपनी गर्लफ्रेंड से बात कर रहा है। उसी ने मिलने बुलाया था। इसके बाद सुमित कॉल हिस्ट्री डिलीट करके मोबाइल घर पर ही छोड़कर चला गया था। फिर वो लौटकर नहीं आया। रात 12 बजे तक परिवारवाले इंतजार करते रहे। फिर ढूंढना शुरू किया। उसके दोस्तों और रिश्तेदारों को फोन किए गए। लेकिन, आधी रात तक कुछ पता नहीं चला। इसके बाद घरवालों ने रावतपुर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। 4 और फिर 5 अगस्त को भी परिवार सुमित की तलाश करता रहा। तैयारी थी कि शहर में सुमित की गुमशुदगी के पोस्टर चस्पा किए जाएं।

हर घर तिरंगा को लेकर भाजपा ने कसी कमर, घर-घर पहुंचाने की बनाई रणनीति, तिरंगा यात्राओं और स्वच्छता अभियानों से भरेंगे राष्ट्रभक्ति का रंग

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। स्वतंत्रता दिवस से पहले हर घर तिरंगा को एक जनआंदोलन के रूप में गूंजाने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने जिले में पूरी तैयारी कर ली है। इसी क्रम में मंगलवार को ज़िला भाजपा कार्यालय तिलपता में व्यापक कार्ययोजना बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठन के सभी प्रकोष्ठों, मोर्चों और मंडल स्तर के पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता ज़िलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने की, जबकि ज़िला प्रभारी प्रमोद गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में दिशा-निर्देश दिए। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री धर्मेन्द्र कोरी ने किया।

बैठक में तय किया गया कि हर घर तिरंगा अभियान को केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक भावनात्मक जुड़ाव बनाया जाएगा, जिसमें राष्ट्रप्रेम को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता ने कहा कि देश के गौरव तिरंगे को हर घर पर फहराने के लिए गांव-गांव, गली-गली तक पहुंच बनानी होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि बच्चों की भागीदारी भी इस अभियान में सुनिश्चित की जाए, ताकि देशभक्ति की जड़ें बचपन से ही मजबूत हो सकें।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 7 व 8 अगस्त को मंडल स्तर पर कार्ययोजना बैठकें आयोजित होंगी। 10 से 12 अगस्त तक हर मंडल में विशाल तिरंगा यात्राएं निकाली जाएंगी, जिनमें बूथ स्तर तक के कार्यकर्ता भाग लेंगे। 12 से 14 अगस्त तक शहीद स्मारकों की साफ-सफाई कर माल्यार्पण किया जाएगा, साथ ही हर घर में तिरंगा झंडा पहुंचाया जाएगा। 14 अगस्त को भाजपा जिला कार्यालय पर विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर विशेष गोष्ठी, मौन जुलूस और प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। ज़िलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने सभी कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे संगठनात्मक ऊर्जा और जनसंपर्क के माध्यम से हर नागरिक तक इस अभियान को पहुंचाएं और देश के प्रति सम्मान की भावना को मजबूती दें। उन्होंने कहा कि यह केवल झंडा लगाने की मुहिम नहीं, बल्कि भारत माता को नमन करने का पर्व है।

बैठक में वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाष भाटी, सतेन्द्र अवाना, मनोज गर्ग, देवा भाटी, सतेन्द्र नागर, पवन नागर, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, युवा मोर्चा अध्यक्ष राज नागर, रजनी तोमर, संजय चेची, अमित पंडित, गुरुदेव भाटी, इन्द्र नागर, इंद्रजीत टाइगर, विजय रावल, ठाकुर धर्मेन्द्र भाटी, पंकज रावल, अर्पित तिवारी, राजीव सिंघल, मुकेश चौहान, महेन्द्र नागर, धीर सिंह राणा, अनीता गौतम सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया कि हर घर तिरंगा सिर्फ अभियान नहीं, बल्कि भारत माता के सम्मान का उत्सव बनेगा, जिसमें संगठन की शक्ति, कार्यकताओं की निष्ठा और नागरिकों की भागीदारी से राष्ट्रभक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचेगा।

कटहेरा रोड पर युवकों पर कहर बनकर टूटे हमलावर, नामजद रिपोर्ट दर्ज

दादरी/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) शहर के कटहेरा रोड पर सोमवार की शाम उस वक्त सनसनी फैल गई जब दो युवकों पर अचानक दो हमलावरों ने लाठी-डंडों से हमला बोल दिया। बेकसूरों को बुरी तरह पीटने के बाद जान से मारने की धमकी भी दी गई और फिर हमलावर मौके से फरार हो गए। घायल अवस्था में दोनों युवकों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में पीड़ित पक्ष की ओर से दो युवकों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराई गई है, जिसके बाद पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक बादशाह नगर निवासी इम्तियाज का छोटा भाई अरमान अपने दोस्त वाजिद के साथ काम से लौट रहा था। जैसे ही दोनों कटहेरा रोड के पास पहुंचे, उसी दौरान नई आबादी के रहने वाले समर और ईशान ने रास्ता रोक लिया। दोनों ने अचानक गाली-गलौच शुरू कर दी और विरोध करने पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में अरमान और वाजिद दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने धमकी भी दी कि अगर दोबारा कुछ कहा तो जान से हाथ धो बैठोगे। घटना के बाद शोरगुल सुनकर आसपास के लोग मौके पर जुटे, जिन्हें देख हमलावर भाग निकले। घायलों के परिवार वाले भी सूचना पाकर तुरंत पहुंचे और दोनों को इलाज के लिए अस्पताल लेकर गए। इस बर्बर हमले की तहरीर अरमान के भाई ने कोतवाली दादरी में दी, जिस पर समर और ईशान के खिलाफ गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। कोतवाली प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगाई गई हैं। जल्द ही आरोपियों को पकड़ा जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को समर्पित प्रेरणा यात्रा में शामिल होंगे जनप्रतिनिधि

दादरी/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर सामाजिक संस्था जय हो द्वारा देश की आजादी के लिए बलिदान देने वाले शहीदों की स्मृति में हुसैनीवाला (पंजाब) से दादरी तक प्रेरणा यात्रा निकाली जा रही है। यह यात्रा देशभक्ति की भावना को जागृत करने एवं जनमानस में शहीदों के प्रति सम्मान को प्रबल करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। संस्था के संयोजक संदीप भाटी ने बताया कि यात्रा को जन-जन से जोड़ने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है और अलग-अलग टीमों के माध्यम से लोगों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इस प्रेरणा यात्रा में सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा, स्थानीय विधायक तेजपाल सिंह नागर, विधान परिषद सदस्य श्रीचंद शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, नगर पालिका अध्यक्ष गीता पंडित सहित अन्य जनप्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। यात्रा 15 अगस्त को सुबह 8 बजे गाजियाबाद के लालकुआं से शुरू होकर दादरी में प्रवेश करेगी और लगभग 14 किलोमीटर की दूरी तय कर दादरी स्थित शहीद स्तंभ पर जाकर समाप्त होगी। वहां सभी प्रतिभागी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इस आयोजन के दौरान संस्था के अध्यक्ष दिनेश भाटी एडवोकेट, महासचिव परमानंद कौशिक, संरक्षक सुधीर वत्स, सुनील कश्यप, जिलाध्यक्ष सचिन शर्मा एडवोकेट, हरीश बैसोया, बिजेंद्र सिंह, सतबीर भाटी और संजय चौहान सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। संस्था ने यात्रा में सहभागिता के लिए सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को आमंत्रण भेजा है, ताकि शहीदों की स्मृति में यह आयोजन एकता और राष्ट्रप्रेम का संदेश दे सके।

स्वच्छता की नई उड़ान : दादरी पालिका परिषद की टीम को उत्कृष्ट प्रदर्शन पर सम्मान

दादरी/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) नगर की स्वच्छता व्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने वाली नगर पालिका परिषद दादरी की एसबीएम टीम को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। विकेंद्रीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना के अंतर्गत परिषद परिसर में एक विशेष क्षमता संवर्धन एवं प्रशिक्षण सत्र का आयोजन हुआ, जिसमें टीम की मेहनत को खुले मंच से सराहा गया। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के नतीजों में दादरी नगर पालिका ने देशभर में 86वीं, उत्तर प्रदेश स्तर पर 30वीं और 50 हजार से 3 लाख की आबादी वाले नगरों में छठी रैंक प्राप्त कर नगर का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि को देखते हुए अधिशासी अधिकारी शालिनी गुप्ता एवं चेयरमैन गीता पंडित ने परिषद की एसबीएम टीम को प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो भेंट कर उनका मनोबल बढ़ाया।

समारोह के दौरान मेरठ मंडल के डिविजनल अधिकारी कुणाल किशोर, डॉ. रविंद्र कुमार, विपिन रुहेला, सोहराब, विजय कुमार, नरेंद्र सिंह राठौड़, राघवेंद्र सिंह, पीयूष शर्मा, रामप्रवेश, विजेंद्र सिंह और सुधीर भाटी जैसे अनेक अधिकारी व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। सभी ने नगर की इस सफलता को एक सामूहिक प्रयास का परिणाम बताते हुए टीम को और बेहतर करने के लिए प्रेरित किया। नगरवासियों की सहभागिता और पालिका टीम की सतत मेहनत ने दादरी को स्वच्छता के क्षेत्र में एक प्रेरणास्रोत नगर के रूप में स्थापित कर दिया है।

बाइक चोरी और छात्रा लापता होने की दो घटनाओं से क्षेत्र में सनसनी

रबूपुरा/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। क्षेत्र में मंगलवार को दो अलग-अलग घटनाओं ने लोगों को सकते में डाल दिया। मुरादगढ़ी गांव में जहां अज्ञात चोरों ने घर के बाहर खड़ी बाइक को चुरा लिया, वहीं कस्बे के एक गांव से स्कूल गई 10वीं की छात्रा संदिग्ध हालात में लापता हो गई। दोनों मामलों की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार मुरादगढ़ी निवासी चेतन ने बताया कि वह मंगलवार शाम ड्यूटी से लौटने के बाद अपनी पल्सर बाइक घर के बाहर खड़ी कर अंदर चले गए थे। कुछ ही देर में दो अज्ञात युवक उनकी बाइक को चोरी कर ले गए। घटना पास में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी है, जिसके आधार पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। इधर क्षेत्र के ही एक गांव से 10वीं की छात्रा के लापता होने का मामला भी सामने आया है। परिजनों के अनुसार 14 वर्षीय छात्रा मंगलवार सुबह स्कूल के लिए निकली थी, लेकिन देर शाम तक वह वापस नहीं लौटी। परिजनों ने आस-पड़ोस व रिश्तेदारों में उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। मामले की सूचना पुलिस को दी गई है, जो छात्रा की तलाश में जुटी हुई है। इन दोनों घटनाओं के चलते क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है और लोग सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं।

ग्रेटर नोएडा में प्रो वॉलीबॉल लीग का आगाज, देशभर के खिलाड़ी दिखाएंगे दम, शहीद विजय सिंह पथिक परिसर बना केंद्र

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश की धरती पहली बार प्रो वॉलीबॉल के रोमांच की साक्षी बनने जा रही है। ग्रेटर नोएडा स्थित शहीद विजय सिंह पथिक खेल परिसर में 7 अगस्त से प्रो वॉलीबॉल लीग की शुरूआत होगी, जिसकी तैयारी को लेकर आयोजकों ने प्रेसवार्ता के माध्यम से विस्तृत जानकारी साझा की। आदि योगी फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं यूपी प्रो वॉलीबॉल लीग के संस्थापक कुलवंत बालियान ने बताया कि यह 15 दिवसीय लीग प्रतियोगिता पूरे देश के वॉलीबॉल खिलाड़ियों को एक बेहतरीन मंच उपलब्ध कराएगी, जहां वे अपने कौशल और ऊर्जा का प्रदर्शन कर सकेंगे। लीग में कुल 8 टीमों को शामिल किया गया है, जिनमें लखनऊ टाइगर्स, गोरखपुर जॉइंट्स, नोएडा थंडर्स, मथुरा योद्धाज, अयोध्या सुपरकिंग्स, मुरादाबाद बुल्स, काशी वॉरियर्स और मुजफ्फरनगर लायंस जैसी टीमें शिरकत करेंगी। इन टीमों में उत्तर प्रदेश समेत देशभर के प्रतिभावान खिलाड़ी शामिल होंगे, जिनमें कई अंतरराष्ट्रीय अनुभव से

लैस खिलाड़ी भी भाग ले रहे हैं। आयोजन समिति के सीईओ विश्वास बंसल ने बताया कि 7 अगस्त से शुरू हो रही यह लीग प्रतिदिन दो मुकाबलों के रूप में आयोजित होगी, जिनका समय दोपहर 3:30 बजे से शाम 6:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। मैचों का आयोजन विशेष रूप से शहीद विजय सिंह पथिक खेल परिसर में ही किया जाएगा, जिसे प्रो वॉलीबॉल का केंद्र बनाया गया है। प्रतियोगिता के प्रारंभिक दस दिन लीग चरण के मुकाबले होंगे जबकि अंतिम पाँच दिन नॉकआउट राउंड खेले जाएंगे। प्रतियोगिता की विजेता टीम को 21 लाख रुपये की इनामी राशि प्रदान की जाएगी। लीग का सीधा प्रसारण देश के विभिन्न खेल चैनलों के माध्यम से किया जाएगा, जिससे यह टूनार्मेंट वैश्विक स्तर पर खेल प्रेमियों तक पहुंचेगा।

यह आयोजन न केवल खिलाड़ियों को नई पहचान देगा, बल्कि उत्तर प्रदेश में वॉलीबॉल जैसे खेल को नई ऊर्जा और विस्तार देने का कार्य करेगा। आयोजकों की मंशा है कि आने वाले वर्षों में यह लीग राष्ट्रीय खेल कैलेंडर का प्रमुख हिस्सा बने और देश के युवाओं को वॉलीबॉल की दिशा में प्रेरित करे।

महिला आयोग की सदस्य ने जनसुनवाई में सुनी पीड़ितों की आवाज, अफसरों को दिए सख्त निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. मीनाक्षी भराला ने मंगलवार को विकास भवन सभागार में महिला जनसुनवाई और कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जहां अलग-अलग समस्याओं को लेकर पहुंची 12 महिलाओं ने अपनी व्यथा सुनाई। जनसुनवाई के दौरान शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए डॉ. भराला ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से तुरंत निस्तारण की बात कही और हर मामले में रिपोर्ट सीधे महिला आयोग, लखनऊ को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी पात्र महिला को उसके अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि योजनाओं की जानकारी अंतिम छोर तक पहुंचे और लाभार्थियों को पूरी पारदर्शिता के साथ योजनाओं का लाभ मिले। इस दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी ने लंबित मामलों की स्थिति से अवगत कराया।

महिला आयोग की सदस्य ने अधिकारियों से यह भी कहा कि किसी भी पीड़िता से व्यवहार में मयार्दा और सहयोग की भावना होनी चाहिए। शासन की प्राथमिकता महिला सुरक्षा है, इसे हर स्तर पर गंभीरता से लिया जाए। बैठक में एसीपी प्रंशाली गंगवार, जिला कार्यक्रम अधिकारी तरुण वर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार समेत अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक के बाद डॉ. मीनाक्षी भराला ने दो आंगनबाड़ी केंद्रों और जिला कारागार कासना का निरीक्षण किया। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से संवाद कर जमीनी स्थिति जानी और जेल परिसर में महिला बंदियों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं। संबंधित अफसरों को सुधारात्मक कार्रवाई के लिए निर्देश दिए गए। निरीक्षण के समय जिला प्रोबेशन अधिकारी, जेल अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

20 करोड़ की बैंक ठगी में हाईटेक गिरोह गिरफ्तार, फर्जी पहचान से खड़े किए फ्लैट और फंड

नोएडा (शिखर समाचार)। देश की आर्थिक व्यवस्था को चूना लगाने वाले एक शातिर गिरोह का पदार्फाश करते हुए गाजियाबाद पुलिस और एसटीएफ नोएडा यूनिट ने दो ठगों को धर दबोचा है। गिरोह ने करीब 20 करोड़ रुपये के लोन फर्जी दस्तावेजों के दम पर बैंकों से हासिल किए थे। गिरफ्त में आए गौरव दुआ और देवेश बैसोया, बैंकों की कमियों और सिस्टम की खामियों का फायदा उठाकर चार साल से यह खेल चला रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से नकदी, दर्जनों फर्जी आईडी, चेकबुक, डेबिट कार्ड और मोबाइल फोन मिले हैं। इस हाईटेक जालसाजी के तार दिल्ली, हरियाणा और वेस्ट यूपी तक फैले हुए हैं। शुरूआती जांच में पता चला है कि ठगों ने बैंकों से ठगी के पैसे से दिल्ली और हरियाणा में कई संपत्तियां खरीदी हैं। एसटीएफ के एएसपी राजकुमार मिश्रा के मुताबिक गैंग ने बजाज फाइनेंस की आड़ में 12 अलग-अलग बैंकों से फजीर्वाड़ा कर करोड़ों रुपये उड़ा लिए। मामले में बैंक कर्मचारियों की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। गिरोह के खिलाफ गाजियाबाद के कौशांबी थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। पूछताछ में मुख्य आरोपी गौरव दुआ ने खुलासा किया कि वह दिल्ली यूनिवर्सिटी से बीकॉम कर चुका है और एयरटेल से लेकर एसबीआई कार्ड तक, कई जगहों पर डेटा एनालिसिस और ऑपरेटर के रूप में काम कर चुका है। वहीं से उसने सिस्टम की कमजोर नसों को पहचाना और धोखाधड़ी का तंत्र खड़ा किया। गौरव ने बताया कि वर्ष 2020 में होम लोन के प्रयास के दौरान वह दिल्ली निवासी अविनाश रंजन के संपर्क में आया, जिसने उसे डीएसए (डायरेक्ट सेल्स एजेंसी) मॉडल के जरिए बैंकों से लोन पास करवाने की तकनीक बताई। फिर शुरू हुआ फर्जी आईडी, सैलरी स्लिप, और सिविल स्कोर की मिलावट से बना लोन फ्रॉड का सिलसिला। गिरोह लोगों को पैसों का लालच देकर उनके फर्जी दस्तावेज बनवाता और विभिन्न कंपनियों के पैरोल पर दिखाकर कुछ महीनों तक उनके खाते में नकली सैलरी भेजता। इससे प्रोफाइल मजबूत बनती और बैंकों से भारी-भरकम लोन पास हो जाता, जिसमें गिरोह 40 प्रतिशत तक कमीशन वसूलता था। इस नेटवर्क ने अब तक नेक्सेज, इनोवसोर्स, कैलीबर बिजनेस सोल्यूशन, रैंडस्टैड इंडिया, ग्रुप फोर फैसलिटी जैसी कंपनियों के नाम पर फर्जी एम्प्लॉयमेंट दिखाकर करोड़ों की ठगी को अंजाम दिया है। पुलिस अब इनके खातों, प्रॉपर्टियों और गैंग के अन्य सदस्यों की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। शुरूआती जांच में दिल्ली, गुरुग्राम और फरीदाबाद के कई ठिकानों पर इनकी संपत्तियां चिन्हित की जा चुकी हैं। पुलिस जल्द ही बैंक अधिकारियों और संदिग्ध कर्मचारियों से भी पूछताछ करने की तैयारी में है।

ऑपरेशन तलाश की बड़ी सफलता : साइबर ठगों के मददगार अन्तर्राज्यीय नेटवर्क का खुलासा, पांच गिरफ्तार, मोबाइल-सिम-डेबिट कार्ड समेत कई अहम दस्तावेज बरामद

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। साइबर ठगी की परतें एक-एक कर खुलती जा रही हैं और सूरजपुर पुलिस ने ऑपरेशन तलाश के तहत ऐसे ही एक खतरनाक नेटवर्क पर सर्जिकल वार करते हुए अन्तर्राज्यीय गैंग का भंडाफोड़ कर दिया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने ऐसे पांच लोगों को गिरफ्तार किया है जो देशभर में सक्रिय साइबर अपराधियों को बैंक खाता, डेबिट कार्ड और एक्टिव सिम कार्ड मुहैया कराते थे। इस गिरोह का मकसद तकनीक की आड़ में वित्तीय धोखाधड़ी को अंजाम देना था, जिसकी जड़ें मध्यप्रदेश से लेकर दिल्ली तक फैली हुई थीं। पुलिस की मैनुअल इंटेलिजेंस और पुख्ता सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में यह सामने आया कि गिरफ्तार अभियुक्त साइबर ठगों को बैंक खाताधारकों की पूरी जानकारी और उनके खातों से लिंक सिम कार्ड तक पहुंच दिलवाते थे। रिमोट एक्सेस ऐप्स के जरिए ये डेटा ठगों के पास पहुंचता और ठगी के शिकार लोगों से निकली रकम इन्हीं खातों में ट्रांसफर होती। बदले में ये आरोपी प्रति बैंक खाता करीब 15000 रुपये की मोटी रकम कमाते थे। इसके लिए खाताधारकों को महज 1 प्रतिशत कमीशन का लालच देकर उन्हें अपने जाल में फंसा लेते थे। अवैध रूप से कमाई गई रकम को गिरोह के सदस्य कई खातों में घुमा-फिराकर आखिरकार क्रिप्टोकरेंसी (USDT) में बदल देते थे ताकि ट्रेसिंग से बचा जा सके। इस पूरे गोरखधंधे को बेहद सुनियोजित ढंग से संचालित किया जा रहा था। पुलिस ने इस गिरोह से जुड़े जिन पांच आरोपियों को दबोचा है, उनमें चनप्रीत सिंह (भोपाल), रणवीर सिंह (भोपाल), जगमोहन धाकड़ (विदिशा), नवीन (विदिशा) और आदित्य शर्मा (दिल्ली) शामिल हैं। ये सभी देशभर में साइबर फ्रॉड करने वाले नेटवर्क से जुड़े हुए थे और तकनीकी सहयोगियों की भूमिका निभा रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने पांच मोबाइल फोन, आठ सिम कार्ड, सात डेबिट कार्ड, एक आधार कार्ड, एक पैन कार्ड और एक चेकबुक बरामद की है, जो इस नेटवर्क की गतिविधियों की पुख्ता गवाही दे रहे हैं। डीसीपी सेंट्रल नोएडा ने इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम को 25000 नकद इनाम देकर प्रोत्साहित किया है। स मामले ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि डिजिटल अपराधियों को संरक्षण देने वाले नेटवर्क समाज में कितनी गहराई तक जड़ें जमा चुके हैं। हालांकि पुलिस की तत्परता और तकनीकी पकड़ ऐसे अपराधियों के लिए खतरे की घंटी साबित हो रही है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की नई पहल से सेक्टर-10 में उगा हरा जंगल, मियावाकी तकनीक से हरियाली का नया अध्याय शुरू

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) प्राधिकरण की नई पहल ने शहर की हरियाली को एक नई दिशा दी है। सेक्टर-10 में दो एकड़ क्षेत्रफल में मियावाकी पद्धति से लगभग 15 हजार पौधे रोपे गए हैं, जो आने वाले तीन वर्षों में एक घने जंगल की सूरत में नजर आएंगे। प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने खुद मौके पर पहुंचकर पौधरोपण किया और पर्यावरण संरक्षण के इस प्रयास में सहभागी बनीं। यह ग्रीन बेल्ट 130 मीटर रोड के किनारे माउंटेन शेप में विकसित की जा रही है, जहां पेड़ों की कतारें तीन परतों में रोपी गई हैंऊपरी परत में नीम, शीशम, बरगद जैसे विशाल वृक्ष हैं, मध्य लेयर में जामुन, बेल, अर्जुन जैसे फलदार और छायादार पेड़ हैं, जबकि सबसे नीचे की परत में करौंदा, सीताफल, नींबू, पारिजात जैसे झाड़ीदार पौधे लगाए गए हैं। इन पौधों की सिंचाई ड्रिप सिस्टम से की जा रही है, जिसमें पाइपों से बूंद-बूंद पानी सीधे जड़ों तक पहुंचता है, जिससे जल की बबार्दी नहीं होती। बायो-डायवर्सिटी को बढ़ावा देने और शहरी क्षेत्रों में ऑक्सीजन के स्तर को सुधारने की दिशा में उठाया गया यह कदम आने वाले वर्षों में पूरे इलाके की तस्वीर बदल देगा। सहायक निदेशक (उद्यान) बुद्ध विलास ने बताया कि फलदार और छायादार पौधों का यह संयोजन कार्बन डाई ऑक्साइड के अवशोषण में भी बेहद कारगर है। पौधों की सुरक्षा के लिए चारों ओर जालीदार बाउंड्री भी बनाई गई है। पौधरोपण के दौरान प्राधिकरण के उप निदेशक नथोली सिंह, प्रबंधक मिथलेश कुमार के अलावा कैच फाउंडेशन और कोवेस्ट्रो इंडिया के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। इस हरित प्रयास के जरिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने न सिर्फ पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई है, बल्कि शहरवासियों को एक साफ-सुथरे और प्राकृतिक वातावरण की सौगात भी दी है।

प्राथमिक विद्यालय मलकपुर और सुत्याना की हकीकत जानने अचानक पहुंची डीएम, दो का रोका वेतन, शिक्षा की गुणवत्ता पर दिया जोर

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जमीनी हालात समझने के लिए जिलाधिकारी मेधा रूपम मंगलवार को बिना पूर्व सूचना के सीधे प्राथमिक विद्यालय मलकपुर और सुत्याना पहुंच गईं। औचक निरीक्षण में उन्होंने न सिर्फ छात्रों से बातचीत की, बल्कि शिक्षकों की कार्यशैली, स्कूल की सफाई, पेयजल, शौचालय और बैठने की सुविधाओं की भी बारीकी से जांच की।

मलकपुर स्कूल में डीएम ने बच्चों से गणित व हिंदी से जुड़े सवाल पूछे और उनके उत्तरों से पढ़ाई की स्थिति को परखा। बच्चों के जवाबों के आधार पर उन्होंने शिक्षकों को सुझाव दिए कि पढ़ाई के स्तर में सुधार के लिए और मेहनत की जाए।

इसके बाद सुत्याना स्कूल में निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ-सफाई, यूनिफॉर्म, छात्र उपस्थिति और मूलभूत सुविधाओं की स्थिति देखी। पेयजल, टॉयलेट और बैठने की व्यवस्था को लेकर उन्होंने प्रधानाचार्य को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी सुविधाएं पूरी तरह सक्रिय और व्यवस्थित रहें। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने दो कर्मचारियों की अनुपस्थिति पर उनका वेतन काटने और दो अन्य के वेतन पर रोक लगाने के निर्देश जारी किए। उन्होंने दो टूक कहा कि शिक्षक और कर्मचारी समय पर स्कूल पहुंचें और अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा से पालन करें। निरीक्षण के समय दोनों स्कूलों के प्रधानाचार्य और शिक्षकगण मौके पर उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने अंत में दोहराया कि स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई, अनुशासन और साफ-सफाई से कोई समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

संपादकीय

अमेरिका का नया 25 प्रतिशत टैरिफ: भारत की आर्थिक एवं रणनीतिक चुनौतियाँ

6 अगस्त 2025 को भारत और अमेरिका के व्यापारिक रिश्तों में एक नया तनावपूर्ण मोड़ तब आया, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आयातित कुछ प्रमुख वस्तुओं पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का आदेश जारी किया। यह निर्णय भारत की उन वस्तुओं पर लागू किया गया है जिनके निर्माण या उत्पादन चक्र में किसी भी रूप में रूसी तेल का उपयोग हुआ हो। यह कदम अमेरिका की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वह रूस पर आर्थिक दबाव बनाना चाहता है ताकि यूक्रेन युद्ध समाप्त किया जा सके। लेकिन इसका सीधा असर भारत के निर्यातकों, अर्थव्यवस्था और वैश्विक कूटनीति पर पड़ेगा। यह फैसला सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता और ऊर्जा सुरक्षा पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। गारमेंट्स, रत्न व आभूषण, समुद्री खाद्य उत्पाद, चमड़ा, इंजीनियरिंग वस्तुएं और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्र जो अमेरिका में भारतीय निर्यात का प्रमुख आधार हैं, अब नई चुनौती का सामना करेंगे। इन क्षेत्रों में पहले से ही प्रतिस्पर्धा अधिक है, और अब 25 प्रतिशत अतिरिक्त कर से इनकी लागत अमेरिका के बाजार में बढ़ जाएगी, जिससे मांग में गिरावट आ सकती है। छोटे और मध्यम स्तर के निर्यातक खासतौर पर इस नीति से प्रभावित होंगे, जो पहले ही कच्चे माल की महंगाई और वैश्विक मांग में मंदी का सामना कर रहे हैं।

भारत सरकार ने इस निर्णय को भेदभावपूर्ण करार देते हुए इसे विश्व व्यापार संगठन (WTO) के मानकों के विरुद्ध बताया है। भारत के विदेश मंत्रालय और वाणिज्य मंत्रालय ने कड़ा विरोध दर्ज करते हुए इसे दोतरफा रणनीतिक साझेदारी की भावना के खिलाफ बताया है। यह भी स्पष्ट किया गया है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों और ऊर्जा जरूरतों से समझौता नहीं करेगा। गौरतलब है कि भारत ने रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीद कर उसे रिफाइन करके वैश्विक बाजारों में निर्यात किया, जिससे देश को राजकोषीय लाभ हुआ।

इस मुद्दे पर सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि अमेरिका खुद भी अप्रत्यक्ष रूप से कई माध्यमों से रूसी तेल और ऊर्जा उत्पादों से लाभ ले रहा है। ऐसे में भारत को टारगेट करना उसकी विदेश नीति में दोहरापन दशार्ता है। यह स्थिति भारत के लिए चुनौतीपूर्ण है क्योंकि एक ओर वह अमेरिकी निवेश और प्रौद्योगिकी को आकर्षित करना चाहता है, वहीं दूसरी ओर अपनी रणनीतिक संप्रभुता और ऊर्जा स्वतंत्रता को भी बनाए रखना चाहता है।

आर्थिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह टैरिफ वृद्धि भारत की जीडीपी में 0.5 प्रतिशत तक की गिरावट ला सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक और वाणिज्य मंत्रालय दोनों इस नीति के संभावित दीर्घकालिक प्रभाव का आकलन करने में जुटे हैं। एक ओर जहां अमेरिका की यह नीति भारतीय निर्यातकों के लिए नुकसानदेह है, वहीं यह भारत के लिए अवसर भी बन सकती है आंतरिक उत्पादन, वैकल्पिक बाजारों की तलाश और व्यापार विविधीकरण की दिशा में।

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को अब यूरोप, अफ्रीका, मध्य एशिया और दक्षिण अमेरिका जैसे क्षेत्रों में अपने निर्यात नेटवर्क को मजबूती देनी होगी। साथ ही भारत को अपनी घरेलू मांग को बढ़ावा देने और टरटए सेक्टर को सब्सिडी, क्रेडिट सुविधा और तकनीकी सहायता के माध्यम से सशक्त करने की आवश्यकता है। रणनीतिक दृष्टि से यह स्पष्ट हो चुका है कि भारत को अपनी विदेश नीति को और अधिक बहुध्रुवीय और संतुलित बनाना होगा। रूस, अमेरिका, चीन, यूरोपीय संघ और खाड़ी देशों के साथ संबंधों में सामंजस्य बैठाना अब और भी कठिन हो गया है। अमेरिका का यह टैरिफ फैसला यह भी दशार्ता है कि भले ही नेतृत्व स्तर पर मित्रता के संदेश दिए जाएं, लेकिन राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होते हैं और व्यापार में कभी भी भावनाओं की जगह नहीं होती।

~ मौलिक चिंतन ~

दुनिया में लोगों का सबसे प्रिय और आसान काम है, दूसरों के काम में कमियां निकालना।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

मन जब मोबाइल की गिरफ्त में तब ध्यान, धैर्य और मानसिक शांति कहाँ?

तमन्ना रिज़्वी

तकनीक को साधन बनाएँ साध्य नहीं...

हम एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं जहाँ तकनीक प्रत्येक पल और हर कदम पर हमारे साथ है। स्मार्टफोन, जो कभी सुविधा का प्रतीक हुआ करता था, आज हमारी दिनचर्या का केंद्र बन चुका है। यह उपकरण जो कभी केवल कॉल, मैसेज और अलार्म तक सीमित था, अब हमारे संवाद, मनोरंजन, सूचनाओं और यहां तक कि भावनाओं तक का माध्यम बन गया है। पर क्या कभी हमने यह सोचने की जहमत उठाई है कि जिस फोन को हम अपनी सबसे बड़ी ताकत समझते हैं, वह कहीं हमारी मानसिक शांति और एकाग्रता को खत्म करने का माध्यम तो नहीं बन गया?

आज अधिकांश लोग सुबह की शुरूआत मोबाइल के अलार्म से नहीं, बल्कि इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप या मेल चेक करने से करते है। दिन भर काम के बीच में भी हर कुछ मिनट पर फोन की स्क्रीन अनायास देखी जाती है–कोई नया नोटिफिकेशन आया क्या? कोई नई पोस्ट, नया वीडियो, या कोई अपडेट तो नहीं? यह सब इतना सामान्य हो चुका है कि हमें अब इसमें असामान्यता का कोई संकेत नहीं दिखता। लेकिन यहीं से शुरू होता है असली नुकसान–धीरे-धीरे और गहराई से।

एक तरफ मोबाइल ने हमें दुनिया से जोड़ दिया, वहीं इसने हमारी खुद से दूरी बढ़ा दी है। विशेषज्ञ मानते हैं कि मोबाइल पर अत्यधिक निर्भरता न केवल मानसिक एकाग्रता को प्रभावित करती है, बल्कि यह हमारी सोचने-समझने की क्षमता, हमारी रचनात्मकता और रिश्तों की गहराई को भी प्रभावित करती है। डोपामिन, जो हमारे मस्तिष्क को खुशी का अनुभव कराता है, वह हर एक ह्यलाइकह्न, ह्यकमेंटह्न, और ह्यनोटिफिकेशनह्न से उत्तेजित होता है। यह तात्कालिक आनंद तो देता है, पर दीर्घकालीन दृष्टि से यह हमें थका देता है, बेचैन करता है और चिड़चिड़ापन पैदा करता है।

हमारे जीवन से वह शांति और स्थिरता धीरे-धीरे खोती जा रही है जो कभी एकांत में बैठने, किताबें पढ़ने या प्रकृति से जुड़ने से मिलती थी। आजकल हम बस में सफर करते समय, कैफे में बैठे हुए या परिवार के बीच में होते हुए भी अपने फोन की स्क्रीन में डूबे रहते हैं। अब खाली वक्त को सहने की आदत नहीं रही। हर विराम, हर शून्यता को तुरंत भरने के लिए स्क्रीन मौजूद रहती है।

और सबसे खतरनाक बात यह है कि यह लत अब बच्चों में भी साफ देखी जा सकती है। 5 साल का बच्चा भी खाना तभी खाता है जब उसके सामने मोबाइल चल रहा हो। किशोर अब अपने मन की बात दोस्तों से नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पोस्ट्स से जाहिर करते हैं। रिश्ते धीरे-धीरे भावनाओं से नहीं, रील्स और रिएक्शन से जुड़ने लगे हैं।

इस परिस्थिति से निकलने का पहला कदम है *डिजिटल अवेयरनेस*–यानि यह समझना कि मोबाइल का अत्यधिक उपयोग कब नुकसानदायक बन रहा है। उसके बाद आता है *डिजिटल डिटॉक्स*–कुछ घंटे, कुछ दिन या कुछ समय के लिए फोन से दूरी बनाना। शुरूआत आसान नहीं होगी, लेकिन धीरे-धीरे जब हम देखेंगे कि हमारे भीतर फिर से ध्यान टिकने लगा है, रिश्ते गहराने लगे हैं और मन हल्का महसूस करता है–तब हम समझेंगे कि असली सुख कहां छिपा था।

हमें मोबाइल को साधन की तरह उपयोग करना होगा, साध्य की तरह नहीं। तकनीक हमारे जीवन को आसान बनाने के लिए है, उसे जीने का आधार नहीं बनाना चाहिए। कोई भी टेक्नोलॉजी तब तक वरदान है, जब तक वह हमारी स्वतंत्रता में बाधा न बने।

अब समय है कि हम स्क्रीन से नजर हटाकर अपने भीतर झाँकें। आत्म-निरीक्षण करें कि क्या वाकई हम समय को जी रहे हैं, या बस सोशल मीडिया की रफ्तार में बह रहे हैं। शायद वही खोई हुई मानसिक शांति, वही पुरानी स्थिरता और वो गहराई हमें फिर से महसूस हो–बस हमें थोड़ा ठहरना होगा।

क्रिकेट : वर्षों याद रहेंगे गिल के जांबाज

मनोज चतुर्वेदी

इंग्लैंड का यह समर बेहतरीन टेस्ट क्रिकेट और एक उम्दा टेस्ट कप्तान के तौर पर उभरने के लिए याद किया जाएगा।

एंडरसन-तेंदुलकर सीरीज के आखिरी दो टेस्ट बाकी रहने पर भारतीय टीम 1-2 से पीछे थी, और चौथे मैनचेस्टर टेस्ट में इंग्लैंड के पहली पारी में 311 की बढ़त बनाने पर किसने सोचा था कि भारतीय यंग ब्रिगेड सीरीज ड्रा कराकर लौटेगी। पर शुभमन गिल और गौतम गंभीर की इस टीम ने मैनचेस्टर टेस्ट ड्रा ही नहीं कराया, बल्कि ओवल टेस्ट तमाम विपरीत हालात में भी जीत कर सीरीज बराबर करा कर सभी को हतप्रभ कर दिया। इस सीरीज में गिल एक ऐसे कप्तान के तौर पर उभरे हैं, जिनसे आने वाले समय में बहुत उम्मीदें लगाई जानी हैं।

इस यंग ब्रिगेड ने दिग्गजों की अनुपस्थिति में बल्लेबाजी ही नहीं, गेंदबाजी में भी ऐसे कारनामे किए हैं, जिनकी चर्चा आने वाले तमाम सालों तक चलनी हैं। कप्तान गिल ने अपने आलोचकों को धता बताते हुए सीरीज में सबसे ज्यादा 754 रन बनाए जिनमें एक दोहरा और तीन शतक शामिल रहे। भारत ने एक सीरीज में सबसे ज्यादा शतक लगाने के ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के 12-12 शतक के रिकॉर्ड की बराबरी करके दिखाया है कि आने वाले दिन उनके ही रहने वाले हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 1955 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ और पाकिस्तान ने 1982-83 में भारत के ही खिलाफ ये शतक जमाए थे।

इस पूरी सीरीज में 21 शतक लगे और टेस्ट क्रिकेट में नई जान डालने वाली साबित हुई है यह सीरीज।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल करीब डेढ़ माह पहले इस नई जिम्मेदारी के साथ इंग्लैंड दौरे पर गए थे, तब दिग्गज खिलाड़ियों की अनुपस्थिति की ज्यादा चचाएं चल रही थीं। गिल की यह यंग साइड कैसा खेलेगी का किसी को भी अंदाजा नहीं था पर इस यंग ब्रिगेड ने जिस अंदाज में बेहतरीन प्रदर्शन करके सीरीज को बराबर कराया और आखिरी टेस्ट में इंग्लैंड के जबड़े से जीत को निकाल कर उन्हें हराया, उससे यंग टीम का डीएनए तो पता चलता है। यह सही है कि भारत यदि आखिरी टेस्ट हार कर सीरीज हार जाता तो इस युवा टीम के साथ कोच गौतम गंभीर को भी आलोचनाओं का शिकार होना पड़ता।

लेकिन मोहम्मद सिराज के दिलेरी भरे प्रदर्शन ने इस टीम को हीरो बना दिया है। भारतीय गेंदबाजों ने चौथे दिन हाथ से निकलते टेस्ट के आखिरी समय में अपनी बेहतरीन गेंदबाजी से भारत की वापसी करा कर जो माहौल बनाया था, उसकी वजह से ही इंग्लैंड के चार विकेट रहते सिर्फ 35 रन जीत से दूर रहने पर भी भारतीय खेमे में जीत की उम्मीदें बन गई थीं। पर आखिरी दिन का खेल शुरू होने पर प्रसिद्ध कृष्णा ने अपने बाकी ओवर की चार गेंदों पर दो चौके खाए तो लगा कि मैच हाथ से निकलने वाला है।

इस हताशा को सिराज ने अगले ओवर में स्मिथ को विकेट के पीछे कैच करा कर एक बार फिर उम्मीदों में बदल दिया। इसके बाद जिस अंपायर के बारे में माना जा रहा था कि उसके फैसले भारत के खिलाफ जा रहे हैं, उसके फैसले ने ही भारतीय उम्मीदों को नई ऊंचाइयां दीं। ओवर्टन सिर्फ अंपायर कॉल की वजह से ही एलबीडब्ल्यू हुए क्योंकि सिराज की गेंद विकेट को बस छूती हुई ही जा रही थी। हम सभी जानते हैं कि चौथे दिन हैरी ब्रूक के सिराज का कैच पकड़ कर सीमा रेखा के पार चले जाने से ही मैच भारत के हाथ से निकलता दिखा था। पर इस खिलाड़ी ने जब एटकिंसन को बोल्ड करके भारत को छह रनों से जीत दिलाई, उसके साथ ही वह भारतीय जीत का हीरो बन गया।

मोहम्मद सिराज चौथे दिन हैरी ब्रूक का कैच छोड़ने की वजह से सो नहीं सके थे। इस कारण ने उन्होंने अगले दिन अल सुबह अपने मोबाइल के बॉल पेपर पर क्रिस्टियानो रोनाल्डो वाली बिलीव लिखी फोटो लगाई। साथ ही मन में ठान लिया कि देश के लिए टीम को हर हाल में जिताना है। उन्होंने इसी भावना वाला प्रदर्शन करके असंभव नजर आ रही जीत दिला कर दिखा दिया कि वह जो भी ठानते हैं, उसे कर दिखाने का उनमें माद्दा भी है। सिराज ने इस सीरीज में 23 विकेट निकाल कर इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने के बुमराह के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। बुमराह ने 2021-22 की सीरीज में यह रिकॉर्ड बनाया था।

शुभमन गिल की यह कप्तान के रूप में पहली सीरीज थी और उन्होंने अपने प्रदर्शन से दिखाया कि आने वाला समय उनका ही है। वह इस सीरीज में तीन शतक और एक दोहरे शतक से सर्वाधिक 724 रन बनाने वाले बल्लबेज बने।

इस सीरीज के दौरान उनके कुछ फैसलों की आलोचना हुई तो कुछ फैसले सराहे भी गए लेकिन इस दौरान उन्होंने जिस तरह से टीम का नेतृत्व किया और टीम में हार नहीं मानने का जज्बा बनाया उससे तो साफ है कि यह टीम रोहित और विराट के युग से बाहर निकलने में कामयाब हो गई है, और भारत को टेस्ट क्रिकेट में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने का माद्दा रखती है। भारतीय कोच गौतम गंभीर ने भारत के टेस्ट जीतने पर कहा, ..हम कुछ मैच जीतेंगे, कुछ मैच हारेंगे पर आत्मसमर्पण कभी नहीं करेंगे। शाबाश लड़को।.. गौतम गंभीर के बयान से यह आसानी से समझा जा सकता है कि आने वाले दिनों में भारतीय टीम का रवैया क्या रहने वाला है।

पश्चिम के आगे झुकने का युग समाप्त, ट्रंप की धमकी पर भारी पड़ेगी मोदी की कूटनीति

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह चुनौती केवल बाहरी नहीं है। देश के भीतर कांग्रेस जैसे विपक्षी दल उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से निकटता पर तंज कस रहे हैं। ह्माई फ्रेंड डोनाल्डह्न जैसे वाक्य अब राजनीतिक व्यंग्य बन चुके हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज एक जटिल कूटनीतिक और राजनीतिक परिस्थिति का सामना कर रहे हैं। एक ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए शुल्क बढ़ाने और दंडात्मक कार्रवाई की धमकी दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी भारत-रूस ऊर्जा साझेदारी को मजबूती से बनाए रखना चाहते हैं। इसके पीछे सिर्फ आर्थिक कारण नहीं, बल्कि एक व्यापक भू-राजनीतिक संदेश भी है कि पश्चिम के सामने झुकने का युग अब समाप्त हो चुका है।

देखा जाये तो मोदी सरकार वैश्विक मंचों पर ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं की प्रतिनिधि बनकर उभरी है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों और नैतिक उपदेशों के बावजूद भारत ने रूस के साथ अपने हितों को स्वतंत्र रूप से साधने की नीति अपनाई। यह वही 'रणनीतिक स्वायत्तता' है, जिसकी बात भारत दशकों से करता आया है, पर जिसे आज व्यवहार में लाने का साहस शायद पहली बार किसी सरकार ने इस हद तक दिखाया है।

प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह चुनौती केवल बाहरी नहीं है। देश के भीतर कांग्रेस जैसे विपक्षी दल उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से निकटता पर तंज कस रहे हैं। 'माई फ्रेंड डोनाल्ड' जैसे वाक्य अब राजनीतिक व्यंग्य बन चुके हैं। कांग्रेस यह सवाल उठा रही है कि अगर अमेरिका से घनिष्ठता इतनी ही प्रभावशाली थी, तो भारत को टैरिफ धमकी क्यों झेलनी पड़ रही है? देखा जाये तो यह आलोचना राजनीतिक रूप से स्वाभाविक है, पर इसमें कूटनीतिक यथार्थ की गहराई को नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत आज आर्थिक, सामरिक और राजनीतिक दृष्टि से एक उभरती शक्ति है और ऐसे में विश्व के साथ उसकी मोल-भाव करने की शैली भी बदली है। मोदी जिस भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, वह न केवल अपने हितों की रक्षा करना जानता है, बल्कि विकल्पों का निर्माण भी कर रहा है– जैसे BRICS+ का मंच, ऊर्जा विविधता की दिशा में कदम और नए व्यापारिक सहयोग।

इसके अलावा, 'मोदी है तो मुमकिन है' सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि इस समय एक परीक्षण की कसौटी बन चुका है। प्रधानमंत्री को अब यह साबित करना है कि वह पश्चिम के दबाव को संतुलित करते हुए, रूस से रिश्ते बनाए रखते हुए और विपक्ष की आलोचनाओं को दरकिनार करते हुए भारत को एक स्वाभिमानी, आत्मनिर्भर और वैश्विक नेता के रूप में उभार सकते हैं। देखा जाये तो इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए मोदी को तीन स्तरों पर निर्णायक पहल करनी होगी- 1. अमेरिका के साथ संवाद बनाए रखते हुए, ट्रेड वार को टालना होगा और भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की स्पष्ट पैरवी करनी होगी। 2. घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना होगा ताकि आयात और शुल्क जैसे हथियारों का असर सीमित हो और ऊर्जा आपूर्ति में विविधता भी लानी होगी। 3. आंतरिक एकता और विपक्ष के प्रहारों का उत्तर तथ्यों और नीतिगत पारदर्शिता से देना होगा, ताकि राष्ट्रीय हित सर्वोपरि दिखाई दे।

देखा जाये तो यह वह घड़ी है जब प्रधानमंत्री मोदी को नेतृत्व के अपने सबसे कठिन अध्याय में प्रवेश करना पड़ा है। लेकिन यदि वे इस दौर को सफलता से पार कर जाते हैं, तो यह केवल उनकी नहीं, बल्कि एक नए भारत की विजय होगी– जो दबाव में नहीं झुकता, हितों की रक्षा करता है और दुनिया को सम्मान के साथ संवाद करना सिखाता है। और तब शायद ह्यमोदी है तो मुमकिन हैह्न सिर्फ चुनावी नारा नहीं, अंतरराष्ट्रीय राजनीति का यथार्थ भी बन जाएगा।

जहां तक ताजा घटनाक्रमों की बात है तो आपको बता दें कि भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद पर अमेरिका और यूरोपीय संघ की आलोचना को सख्ती से खारिज कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा जारी किये गए वक्तव्य में साफ तौर पर कहा गया है कि रूस से आयात ऊर्जा की कीमतों में स्थिरता को बनाये रखने के लिए उठाया गया कदम है। विदेश मंत्रालय ने यह भी उजागर किया है कि अमेरिका और यूरोप स्वयं अभी भी रूस से उर्वरक, खनिज, रसायन, यूरेनियम और एलएनजी जैसी सामग्रियों का भारी व्यापार कर रहे हैं। भारत का यह तर्क एकदम सही है कि जब तक अमेरिका और यूरोपीय संघ स्वयं रूस के साथ व्यापार संबंध समाप्त नहीं करते, तब तक भारत को नैतिकता के कठघरे में खड़ा करना न केवल दोहरा मापदंड है, बल्कि 'अनुचित और अविवेकपूर्ण' भी।

दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर शुल्क बढ़ाने और रूसी तेल की खरीद पर दंडात्मक कार्रवाई की धमकी को विशेषज्ञ अमेरिका की घरेलू राजनीति और आगामी चुनावों से जोड़कर देख रहे हैं। हम आपको बता दें कि ट्रंप ने भारत पर आरोप लगाया है कि वह रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे ऊँचे दामों में बेचकर लाभ कमा रहा है, साथ ही यूक्रेन युद्ध में नैतिक दृष्टिकोण नहीं अपना रहा। किंतु यह आरोप राजनीतिक बयानबाजी अधिक लगता है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में पुनः बिक्री और रिफाइनिंग एक सामान्य प्रक्रिया है, जिसे कई देश अपनाते हैं। देखा जाये तो ट्रंप द्वारा शुल्क बढ़ाने की घोषणा एक तरफ भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता को प्रभावित करने का प्रयास है, तो दूसरी ओर इसे अमेरिका के कृषि और डेयरी उद्योग के समर्थन में लॉबिंग के रूप में भी देखा जा सकता है।

वहीं, रूस ने इस पूरे घटनाक्रम को अमेरिका की 'नव-उपनिवेशवादी' नीति का उदाहरण बताया है। क्रेमलिन का यह दावा कि अमेरिका अपने प्रभुत्व को बनाए रखने के लिए ग्लोबल साउथ पर आर्थिक दबाव बना रहा है, इस बात की पुष्टि करता है कि रूस अमेरिका की एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को चुनौती देना चाहता है।

बहरहाल, भारत जिस रणनीतिक स्वायत्तता की बात करता आया है, उसका असली परीक्षण ऐसे ही समय में होता है जब उसे पश्चिमी दबावों, वैश्विक व्यापारिक हितों और घरेलू राजनीतिक आलोचनाओं के बीच संतुलन साधना हो। अमेरिका और यूरोपीय देशों को समझना होगा कि रूस से तेल खरीद केवल व्यापारिक सौदा नहीं, बल्कि भारत की एक आत्मनिर्भर और व्यावहारिक विदेश नीति का प्रतीक भी है।

मिल सकती है फूलों-सी कोमल काया

तेज रसायनयुक्त उत्पाद आपकी त्वचा पर रूखापन और खिंचाव पैदा करते हैं। कृत्रिम खुशबूदार उत्पाद भी आपकी त्वचा के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इसलिए आप अपनी त्वचा की बेहतर देखभाल के लिए अधिक से अधिक प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल करें, साथ ही यहां दिए जा रहे टिप्स पर भी ध्यान रखें।

साफ रखें अपनी त्वचा

आपकी त्वचा साफ रहे इसके लिए आवश्यक है त्वचा को साफ रखना। अत्यधिक रसायनयुक्त क्रीम या प्रसाधनों के इस्तेमाल से बचें। हफ्ते में एक बार गुनगुने पानी से स्नान त्वचा के लिए फायदेमंद होता है। घरेलू फेसपैक से त्वचा को दें नया निखार। इसके लिए दो चम्मच गेहूं के आटे में एक चम्मच बादाम रोगन, एक चम्मच गुलाबजल मिलाकर पेस्ट बना लें और उसे चेहरे पर दस मिनट तक लगाएं। फिर हलके हाथों से मलकर छुडाएं। ऐसा हफ्ते में दो बार करें। इससे आपकी त्वचा कांतिमय हो जाएगी और उसे बाहरी व आंतरिक नमी भी मिलेगी।

तनाव से रहें दूर

तनाव कई प्रकार के होते हैं। शारीरिक तनाव तब होता है, जब आप अत्यधिक कार्य करती हैं और कुछ समय बाद आपका शरीर थक जाता है। इसका सीधा असर आपकी त्वचा पर पडता है, क्योंकि इससे आपकी त्वचा के लिए जरूरी नमी खत्म होने लगती है और त्वचा रूखी और बेजान नजर आने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने शरीर को आवश्यकतानुसार आराम करने का भी मौका दें। जब आप तनाव में होती हैं तो उसका असर भी आपकी त्वचा पर पडता है। जो स्त्रियां अधिक तनाव में रहती हैं उनकी त्वचा उम्र से पहले झुर्रियों युक्त, रूखी, बेजान हो जाती है। जहां तक हो छोटे-छोटे, अनावश्यक तनावों को मन में पाले न रहें। उनसे जितनी जल्दी हो मुक्ति पाने का प्रयास करें। आप अगर खुश रहेंगी तो आपका चेहरा भी खिला-खिला नजर आएगा।

बचें मानसिक तनाव से

यह तो सभी को पता है कि चिंता चिता के समान होती है। लेकिन इस बात की जानकारी कम ही लोगों को होगी कि अत्यधिक चिंता करने से आपकी त्वचा को नमी प्रदान करने वाली ग्रंथियों का संतुलन भी बिगड जाता है, जिसका परिणाम तुरंत आपकी त्वचा पर दिखता है जैसे-झुर्रियां, रूखापन और लकीरें। मानसिक तनाव से बचने के लिए जरूरी है कि आप चीजों को सकारात्मक रूप से लें। अधिक तनाव आपके स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है।

करें भावनाओं पर नियंत्रण

वैवाहिक मतभेद या किसी अपने से अलग होने का गम, प्यार में धोखा खाने से आप भावनात्मक रूप से तनावग्रस्त हो जाती हैं। इसका प्रभाव आपकी त्वचा पर साफ दिखाई देता है। आप खुद ही महसूस करें कि कई बार गुस्से या शर्म से आपका चेहरा लाल हो जाता है। देखिए कि कैसे भावनाओं का सीधा असर आपके चेहरे पर पडता है। बहुत अधिक तनावग्रस्त होने पर आपकी त्वचा कई बार फटने लगती है या फिर जो स्त्रियां हमेशा तनाव में रहती हैं उनके माथे और आंखों के आसपास लकीरें बन जाती हैं। इन लकीरों का उम्र से कोई वास्ता नहीं होता है। ऐसे तनाव से बचने के लिए मेडिटेशन या ध्यान एक अच्छा उपाय है। इसे अपनी आदत बनाएं। सिर्फ एक दिन-दो दिन योग या मेडिटेशन करने भर से ही तनाव कम नहीं होता। सुबह उठकर टहलें। हरे-भरे, रंगीन फूलों से लदे पेड आपमें जीने की नई ललक और ऊर्जा भर देंगे और आपका मन हलका हो जाएगा।

वरदान है पानी

खूब पानी पिएं। सौंदर्य विशेषज्ञा मीनाक्षी दत्त और वंदना लूथरा का कहना है कि पानी त्वचा के लिए वरदान है। पानी में कुछ मसालों का प्रयोग करके उसे और भी फायदेमंद बनाया जा सकता है। जिसका एक आसान तरीका यह है कि पानी उबालें और उसे एक जार में डाल दें। अब उसमें काली मिर्च पाउडर, गुलाब की 5-6 पंखुडियां और एक चुटकी इलायची पाउडर डालकर जार ढंक दें। फिर इसे थोडा-थोडा दिन में कई बार पिएं। ठंडाई का भी सेवन करें।

मालिश दे युवा त्वचा

तेल मालिश से त्वचा स्वस्थ और लंबे समय तक युवा रहती है। बेहतर परिणाम के लिए नहाने से पूर्व रोजाना हर्बल तेल से अपनी त्वचा की मालिश करें। अपने मनपसंद बॉडी ऑयल से नहाने के 45 मिनट पूर्व तेल मालिश करें। फिर पानी में रोज एसेंशियल ऑयल डालकर नहाएं।

सीखें खुश रहना

जब आप अच्छी-अच्छी बातें सोचती हैं और खुश रहती हैं तो आपके चेहरे पर एक अलग चमक और रौनक आ जाती है। खुश रहने से त्वचा में एकत्रित नमी का संतुलन बना रहने के साथ ही रक्तसंचार भी सुचारु रूप से होता है। खुलकर हंसना एक अच्छी एक्सरसाइज भी है। आप खुद ही आजमाकर देख लीजिए।

अपने लिए निकालें समय

अपने व्यस्त जीवन में अपने लिए समय निकालना भी बेहद जरूरी है। हफ्ते में कोई एक दिन ऐसा निकालें जो सिर्फ आपके नाम हो। इस दिन आप अपने हाथों, पैरों और त्वचा की संपूर्ण सफाई के लिए कुछ घरेलू पैक बनाएं। सौंदर्य विशेषज्ञा सुपर्णा त्रिखा कहती हैं कि अगर आपके पास ज्यादा समय न हो तो कोई एक गूदेदार मौसमी फल को मैश करके त्वचा पर हलके हाथों से कुछ देर स्क्रब करें। फिर ऐसे ही छोड दें। फिर ठंडे पानी धोकर पोंछ लें। इसी प्रकार हाथों और पैरों का सौंदर्य बढाने के लिए हलके गर्म पानी में कुछ बूंदें ग्लिसरीन और आधा चम्मच पिसी फिटकरी मिलाकर अपने हाथों और पैरों को उसमें डुबोएं। फिर नीबू के छिलके से कोहनियों को अच्छी तरह साफ करें। साफ पानी से धोकर सुखा लें। फिर बॉडी क्रीम लगाएं। अगर आप हफ्ते में एक बार भी ऐसा करती हैं तो त्वचा के लिए जरूरी पोषण आसानी से मिल जाएगा। ऐसे ही कुछ आसान तरीके अपनाकर आप अपनी त्वचा ही नहीं, बल्कि तन और मन को स्वस्थ रख सकती हैं।

कुकुम्बर सबमरीन

सामग्री : 5 ककड़ी, 200 ग्राम पनीर कद्दूकस किया हुआ, 1 छोटी गाजर कद्दूकस की हुई, 1 शिमला मिर्च, 1 बारीक कटा हुआ टमाटर, नमक व कालीमिर्च पाउडर स्वादानुसार।

विधि : ककड़ी को छीलकर बीच में से लंबाई में काटकर उसके दो टुकड़े कर लें और अंदर का गूदा निकाल लें। अब ककड़ी का गूदा पनीर, कटी हुई शिमला मिर्च, टमाटर व गाजर- इन सबको मिला लें। नमक व कालीमिर्च डालें और फिर इस मिश्रण को ककड़ी में भर दें।

हेयर स्टाइल से जगाएं आत्मविश्वास

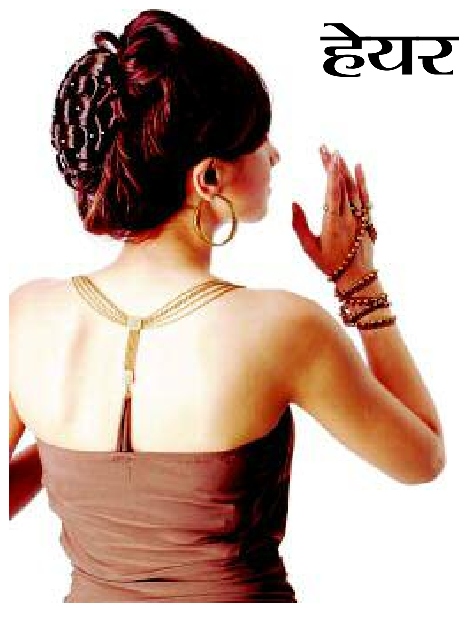

बाल चाहे किसी भी प्रकार के हों, उनका सुंदर और स्वस्थ होना आपमें आत्मविश्वास पैदा करता है। सही ढंग से संवारे गए बाल भी आपको बेहतर रूप प्रदान करते हैं। शर्त यह है कि वह आपके व्यक्तित्व पर सूट करते हों। कैसा हेयर स्टाइल चलन में है, इसे लेकर परेशान होने से बेहतर होगा कि ऐसा हेयर स्टाइल अपनाएं, जो आपके व्यक्तित्व के अनुकूल हो और आप जिसे संभाल व संवार सकें। कोई नया स्टाइल तभी अपनाएं जब आप उसे आत्मविश्वास के साथ रख सकें।

- बालों के स्टाइल के लिए यह नहीं कहा जा सकता है कि यही तीन-चार प्रकार के स्टाइल चलन में हैं। हर तरह के स्टाइल आज चलन में हैं। आप अपने बाल कैसे संवारें, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वह आपके सौंदर्य को बढा रहा है या फिर घटा रहा है।
- स्ट्रेट बाल आजकल काफी पसंद किए जा रहे हैं। इसके लिए आप सेमी या परमानेंट स्ट्रेटनंग करा सकती हैं। इसके बाद बालों की विशेष देखभाल करनी होती है। दरअसल, बालों में किसी भी तरह का केमिकल इस्तेमाल होने से वे कमजोर और पहले से अधिक रूखे हो जाते हैं। उनकी कंडीशनिंग बहुत आवश्यक होती है।
- हलके घुंघराले बालों को खुला छोडा जा सकता है। यह स्टाइल वेस्टर्न आउट फिट्स पर जंचता है।
- बाल लंबे और सीधे हों तो उन्हें खुला भी छोड सकती हैं या फिर पोनी भी बना सकती हैं।
- शाम के किसी कार्यक्रम के लिए फ्रेंच बन भी अच्छा लगता है।

बिंदास आर्टिफिशियल कड़े

आजकल आर्टिफिशल कड़ें महिलाओं को काफी लुभा रहे हैं। अब ये हर रंग हर डिजाइन में मार्केट में उपलब्ध है, जिन्हें आप अपने ड्रेस को साथ मैचिंग कर पहन सकती हैं। बेशक सोने और हीरे के कंगन महिलाओं का पसंदीदा आभूषण रहा है, लेकिन इनकी भी महत्ता कम नहीं है। कॉलेज जानेवाली लड़कियां ही नहीं, शादीशुदा युवा महिलाएं भी आर्टिफिशल कड़ों से बिंदास लुक पाती हैं। तरह-तरह के डिजाइन, आकार व कार्विंग लिए ये कड़े देखने में बेहद ट्रेंडी और लुभावने लगते हैं। विभिन्न राज्यों में बनाये जा रहे मेटल, लाख व मोती जड़ित इन कड़ों की अपनी अलग ही दुनिया है। अपनी कलाई के सौंदर्य को और भी निखारने के लिए आप भी इन्हें पहन सकती हैं। साथ ही प्रिंटेड, पेंटिंग लिए व सॉटर्न के धागों में लिपटे ये कड़े बेहद खूबसूरत लगते हैं। आपकी साड़ी या सूट से मैच करते हुए ये कड़े आपको फैशनेबल बनायेंगे, इसमें कोई शक नहीं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-3-6-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। शुभांक-2-5-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंग। शुभांक-4-6-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। शुभांक-5-7-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-6-8-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3613

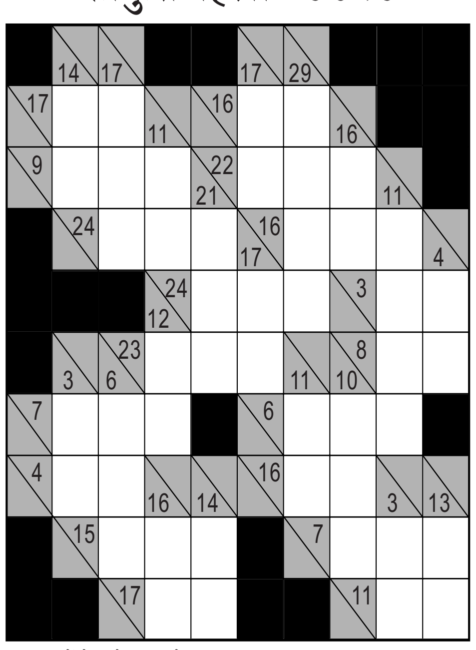

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

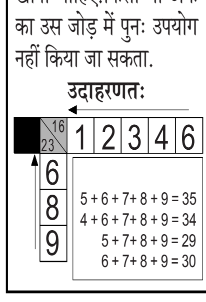

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 3612 का हल

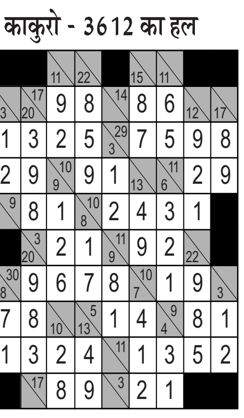

हंसी के फूव्वारें

दो प्रेस फोटोग्राफर अपने दिन भर के अनुभवों के बारे में बात कर रहे थे. एक ने कहा- 'आज सुबह मैंने चिथड़े में लिपटी हुई एक ऐसी भूखी-प्यासी औरत को देखा जो जीवन के प्रति निराश हो चुकी थी.'

'फिर तुमने उसके लिये क्या किया?'

'कल के समाचार पत्र के लिए मैंने उसका फोटो खींच लिया है.'

□ □ □

पत्नी ने पति को सम्बोधित किया- 'अजी ! सुनते हो, घर में बेटी जवान हो गई. मगर तुम्हें इसकी बिल्कुल भी चिन्ता नहीं है.'

'इस बात की चिन्ता तुमसे अधिक मुझे है, पर ढ़ंग का कोई लड़का भी तो मिले. जो मिलता है, गधा ही मिलता है.' पति ने उत्तर दिया.

'अगर मेरे बाप भी यही सोचते रहते तो मैं भी अभी तक कुंवारी बैठी रहती.' पत्नी तुनककर बोली.

□ □ □

प्रेमिका बोली: ''प्रिय ! तुम मुझे बहुत प्यार करते हो.''

प्रेमी बोला: 'हां.'

प्रेमिका बोली: 'प्रिय, शाहजहां ने मुमताज के मरने के बाद ताजमहल बनवाया था, तुम मेरे लिए क्या बनवाओगे ?'

प्रेमी बोला: 'प्लॉट खरीद लिया है बस तुम्हारी तरफ से ही देर हो रही है.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3613

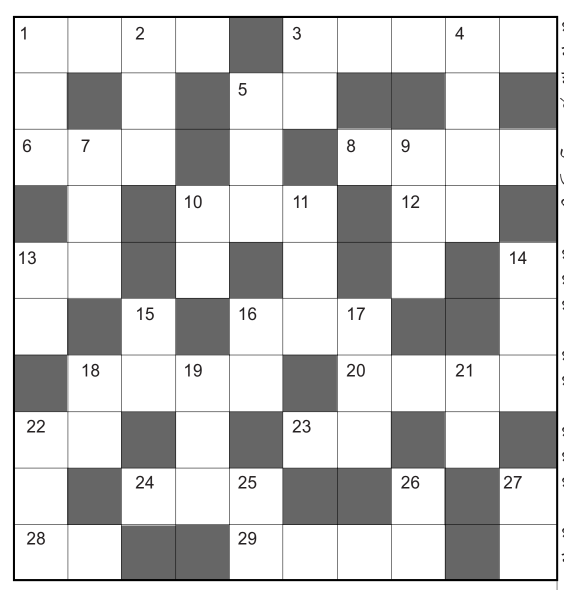

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१.शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3612

पि	या	का	घ	र		ए	ल	ओ	सी
ता	ग		र		घा	त		म	
	ना	च		चाँ		ग	खी		फ
रे		मे	हं	दी		ज		खा	की
श	मीं	ली		सो	च		श		ग
नी			ब	ना	र	सी	बा	बू	
	ग	द	र		स		ना	म	
बा	ज		सा	थी		मि			अं
जा	ल		त		दि	ल	का	ग	जा
र		माँ		मि	ल	न			म

सूडोकु -3613

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3612 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

शब्द पहेली - 3613

बाएँ से दाएँ

1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, वो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्‌टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.मत, सलाह-2
2.करतब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

शब्द पहेली -3612 का हल

अ	रा	ज	क	ता			म	वा	ली	
स	म		ल		चा	ला	न		ख	त
मा			प	ना	ह		न			म
न	ज	रा	ना			म		क	या	स
ता		व		ना	ला	य	क		प	
	प्रा	ण		म		खा		जा	न	
	रु		आ	ज	मा	ना		हि		म
स	प	ना		द			ब	ल	वा	न
र			स		ल	की	र			भा
ल	व		न	सी	ब		सा		दा	व
	ध	म	की			इ	त	मी	ना	न

ईडी की छापेमारीः 260 करोड़ की साइबर ठगी और मनी लॉन्ड्रिंग का भंडाफोड़

नई दिल्ली ।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और उत्तराखंड में एक बड़े साइबर धोखाधड़ी गिरोह के खिलाफ छापेमारी की। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत की गई, जिसमें दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और देहरादून के कम से कम 11 ठिकानों को निशाना बनाया गया। सूत्रों के अनुसार, यह मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर का है। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और देहरादून जैसे शहरों में सक्रिय ठग भारतीय और विदेशी नागरिकों को पुलिस या जांच एजेंसियों के अधिकारी बनकर डराते थे और गिरफ्तारी के नाम पर उनसे पैसे ऐंठते थे। इसके अलावा, वे खुद को माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन की तकनीकी सहायता सेवाओं के एजेंट बताकर भी लोगों से ठगी करते थे। ईडी की जांच में पता चला है कि ठगों ने पीड़ितों की धनराशि को क्रिप्टोकरेंसी में बदल दिया था और इसे अपने पास ट्रांसफर कर लिया था। आरोपियों ने कई क्रिप्टो वॉलेट्स में लगभग 260 करोड़ की बिटकॉइन जुटाई थी, जिसे बाद में यूएसडीटी में बदलकर नकदी में तब्दील किया गया। यह लेन-देन कई हवाला ऑपरेटरों और यूएई में स्थित व्यक्तियों के माध्यम से किया गया।

कैस्ट्रॉल इंडिया की दूसरी तिमाही में आय 1,497 करोड़ रही

नई दिल्ली ।

कैस्ट्रॉल इंडिया लिमिटेड ने साल 2025 की दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) और पहले छह महीनों (जनवरी-जून) के नतीजे जारी किए। कंपनी जनवरी से दिसंबर के बीच का`` वित्तीय वर्ष फॉलो करती है। दूसरी तिमाही में कैस्ट्रॉल इंडिया की कुल कमाई 1,497 करोड़ रही, जो पिछले साल इसी तिमाही की 1,398 करोड़ की तुलना में 7 फीसदी ज्यादा है। मुनाफा 5.1 फीसदी बढ़कर 244 करोड़ हो गया, जो पिछले साल 232.2 करोड़ था। वहीं एबी टिडा(कमाई से पहले का मुनाफा) 8.1 फीसदी बढ़कर 349.2 करोड़ पहुंच गया, जबकि पिछली बार यह 322.7 करोड़ था। ऐ बि टिडा मार्जिन भी थोड़ा सुधरकर 23.1 फीसदी से बढ़कर 23.3 फीसदी हो गया। कैस्ट्रॉल इंडिया ने साल 2025 के लिए 3.50 प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। यह डिविडेंड उन शेयरधारकों को मिलेगा जिनका नाम रिकॉर्ड डेट 11 अगस्त 2025 को रजिस्टर में दर्ज होगा। डिविडेंड का भुगतान 3 सितंबर बुधवार से पहले कर दिया जाएगा। कैस्ट्रॉल इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा कि दूसरी तिमाही में हमारा कामकाज ठीक रहा और हमने पहली तिमाही की रफ्तार को बनाए रखा। गांवों में हमारा कारोबार बढ़ रहा है, इंडस्ट्रियल बिजनेस में नए ग्राहक जुड़ रहे हैं और बड़ी गाड़ियों और मशीनों की कंपनियों के साथ हमारा साथ और मजबूत हो रहा है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में नहीं किया कोई बदलाव

- रेपो रेट 5.5 फीसदी पर बरकरार, बेहतर इकॉनॉमिक की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने का फैसला किया। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा बुधवार सुबह मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगस्त बैठक के नतीजों का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि रेपो रेट को 5.5 फीसदी पर बरकरार रखने का फैसला किया गया है। वैश्विक स्तर पर चुनौतियां एवं टैरिफ को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। गवर्नर ने कहा कि फरवरी से अब तक 100 बेसिस प्वाइंट रेट कट हो चुका है। पॉलिसी दरों में कटौती पर ट्रांसमिशन जारी सभी सदस्यों ने न्यूट्रल रुख बरकरार रखा है। अे निश्चितता से दरों में ब्याज दरों में बदलाव नहीं करने का फैसला सरकार को बेहतर इकॉनमी की उम्मीद है। एक सर्वे में 60 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि समिति यथास्थिति बनाए रखेगी। वहीं कम से कम 10 उत्तरदाताओं ने 25 आधार अंकों (बीपी) की ब्याज दर में कटौती का अनुमान जताया था। केंद्रीय बैंक इस साल फरवरी से अब तक रेपो दर में एक प्रतिशत की कटौती कर चुका है। इस साल जून की मौद्रिक नीति की बैठक में रेपो दर में 0.5 प्रतिशत की कटौती की गयी थी। वहीं फरवरी और अप्रैल की मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर में 0.25-0.25 प्रतिशत की कमी की गयी थी। बता दें कि यह वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी द्विमासिक मॉनेटरी पॉलिसी है। इसके साथ ही तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक समाप्त हो गई। यह सोमवार, 4 अगस्त से शुरू हुई थी। ज्यादातर विशेषज्ञों ने उम्मीद जताई है कि आधार अंकों की कटौती के बाद रेपो दर को अपरिवर्तित रख सकती है। इस साल फरवरी और जून के बीच कुल 100 आधार अंकों की कटौती के साथ रेपो दर वर्तमान में 5.5 प्रतिशत है। रेपो रेट वह ब्याज दर होती है जिस पर भारतीय रिज़र्व बैंक कमर्शियल बैंकों को कर्ज देता है। यह दर सीधे ग्राहकों के कंज्यूमर को प्रभावित करती है।

ऐसा इसलिए क्योंकि जब रेपो रेट बढ़ता है, तो बैंक भी आमतौर पर अपने ऋणों की ब्याज दरें बढ़ा देते हैं। इससे होम लोन, कार लोन या पर्सनल लोन की ईएमआई महंगी हो जाती है। वहीं, यदि रेपो रेट घटती है, तो लोन सस्ते हो सकते हैं, लेकिन इससे सेविंग्स अकाउंट और फिक्स्ड डिपॉजिटपर मिलने वाला ब्याज भी कम हो सकता है।

टेस्ला ने गुरुग्राम में खोला पहला इंटीग्रेटेड सर्विस सेंटर और रिटेल स्टोर

नई दिल्ली ।

ग्लोबल इलेक्ट्रिक व्हीकल निर्माता टेस्ला ने भारत में अपने विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए गुरुग्राम के सोहना रोड स्थित ऑर्किड बिज़नेस पार्क में 33,475 स्क्वायर फीट का कमर्शियल स्पेस लीज पर लिया है। यह स्थान कंपनी के दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के पहले इंटीग्रेटेड सर्विस सेंटर, डिलीवरी हब और कस्टमर रिटेल स्टोर के रूप में काम करेगा। टेस्ला ने यह लीज ग्रेवाल प्रापर्टीज, ओ र्किड इंफ्रास्टक्चर डेवलपर और सने सिटी रीयल स्टेट के साथ मिलकर साइन की है। लीज समझौता 28 जुलाई को रजिस्टर हुआ और 15 जुलाई 2025 से प्रभावी हो गया। कंपनी ने इस स्पेस के लिए 2.41 करोड़ का सिक्योरिटी डिपॉजिट और 40.17 लाख मासिक किराया तय किया है। यह लीज शुरुआती तीन वर्षों तक नॉन-टर्मिनेबल रहेगी और हर साल किराये में 4.75 फीसदी की वृद्धि होगी। टेस्ला को यह स्पेस 'बेर शेल' कंडीशन में मिला है, जिससे वह अपने अनुसार इंटीरियर डिजाइन और सेटअप कर सकेगी।

भारत को टैरिफ की धमकी दे रहे डोनाल्ड....द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन कर रहा देश में बंपर कमाई

मुंबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके परिवार का भारत से गहरा कारोबारी रिश्ता है। हाल ही में आई रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप परिवार का संगठन, द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन, भारत को अमेरिका के बाहर अपने सबसे बड़े बाज़ार के रूप में देखता है। द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन ने बीते 10 सालों में भारत में कई बड़े रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स शुरू किए हैं, जिसमें गुरुग्राम, पुणे, मुंबई और कोलकाता जैसे शहर शामिल हैं। इन प्रोजेक्ट्स से संगठन ने 175 मिलियन (1450 करोड़ से ज़्यादा) से ज़्यादा की कमाई की है।

2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप की जीत के बाद, उनके संगठन ने भारत में अपने कारोबार को और भी तेज़ी से बढ़ाया है। उन्होंने भारतीय पार्टनर ट्रिबेका डेवलपर्स के साथ मिलकर छह नए प्रोजेक्ट्स का ऐलान किया है, जिनकी कुल बिक्री 1.8 बिलियन डॉलर (15,000 करोड़) से ज़्यादा होने की उम्मीद है। ये प्रोजेक्ट्स पुणे, गुरुग्राम, हैदराबाद, मुंबई, नोएडा और बेंगलुरु जैसे शहरों में बनाए जा रहे हैं।

बात दें कि द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन सीधे तौर पर निर्माण में पैसे नहीं लगाता। इसके बजाय, वह अपने ब्रांड का इस्तेमाल करने की अनुमति देता है, जिसके बदले में द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन को प्रोजेक्ट की बिक्री से 3 से 5 प्रतिशत तक का हिस्सा मिलता है। इस मॉडल के चलते, ट्रंप ब्रांड के लग्ज़री फ्लैट्स की कीमतें ज़्यादा होती हैं, जिससे संगठन को बड़ा मुनाफ़ा होता है।

एक ओर जहां राष्ट्रपति ट्रंप अपनी राजनीतिक रैलियों में भारत को डेड इकोनॉमी बताते हैं और टैरिफ लगाने की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर उनके परिवार का भारत के साथ व्यापारिक संबंध लगातार मजबूत हो रहा है। यह दिखाता है कि उनकी राजनीतिक बयानबाजी और उनके कारोबारी हित दोनों अलग-अलग हैं। इतना ही नहीं ट्रंप के बेटे एरिक और डोनाल्ड ट्रंप जूनियर भी इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि भारत उनके संगठन के लिए सबसे बड़ा विस्तार वाला बाज़ार है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया एक पैसे की बढ़त के साथ ही 87.77 पर बंद हुआ। वहीं रुपया मंगलवार को 87.78 पर बंद हुआ था। शुरुआती कारोबार में रुपया 15 पैसे की बढ़त के साथ ही 87.73 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.72 पर खुला। फिर थोड़ी गिरावट के साथ 87.73 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 15 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया मंगलवार को अपने सर्वकालिक निम्न स्तर पर पहुंच गया और 22 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.88 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी की गिरावट के साथ 98.71 पर आ गया।

भारत में डीमैट खातों की संख्या 20 करोड़ के पार

नई दिल्ली । भारत में शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड जैसे निवेश माध्यमों की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। इसी वजह से देश में डीमैट खातों की संख्या पहली बार 20 करोड़ के पार पहुंच गई है। सीडीएसएल और एनएसडीएल के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 31 जुलाई 2025 तक सीडीएसएल के पास 16.1 करोड़ डीमैट खाते थे, जबकि एनएसडीएल के पास 30 जून 2025 तक 4.05 करोड़ खाते दर्ज थे। इन आंकड़ों को मिलाकर कुल डीमैट खातों की संख्या 20.16 करोड़ तक पहुंच गई है, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के एक प्रमुख अे धिकारी ने बताया कि इस वृद्धि के पीछे मुख्य रूप से 30 वर्ष से कम उम्र के युवा निवेशकों की भागीदारी है। उनके अनुसार, उनके प्लेटफॉर्म पर लगभग 75 फीसदी नए खाते युवा निवेशकों द्वारा खोले गए हैं। यह दर्शाता है कि युवा वर्ग अब निवेश के प्रति ज्यादा जागरूक और सक्रिय हो रहा है। हालांकि, नए डीमैट खाते खुलने की गति 2025 में कुछ धीमी हुई है। जहां 2024 में प्रति माह औसतन 30 से 46 लाख नए खाते खुलते थे, वहीं इस वर्ष यह संख्या घटकर 20 से 28 लाख प्रति माह रह गई है।

श्री लोटस डेवलपर्स का शेयर 19 प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी श्री लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी लिमिटेड का शेयर बुधवार को अपने आईपीओ निर्गम मूल्य 150 रुपये से 19 फीसदी से अधिक बढ़त के साथ बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 179.10 रुपये पर खुला और बाद में 183.40 रुपये तक पहुंच गया, जो 22.27 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। एनएसई पर भी शेयर 178 रुपये पर खुला और 183.70 रुपये पर कारोबार करने लगा। कंपनी का एनएसई पर बाजार मूल्यांकन 8,971 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने 792 करोड़ रुपये के आईपीओ में पूरी तरह नए शेयर जारी किए, जिसमें कोई ऑफर फॉर सेल नहीं था। आईपीओ को 69.14 गुना अभिदान मिला था। इस सफलता से कंपनी के भविष्य और निवेशकों के भरोसे को मजबूती मिली है।

एमएंडबी इंजीनियरिंग का शेयर बाजार में आठ प्रतिशत चढ़ा

- लिस्टिंग के कुछ ही समय बाद शेयर में तेजी देखी गई

नई दिल्ली । देश की प्रमुख इंजीनियरिंग कंपनियों में से एक एमएंडबी इंजीनियरिंग लिमिटेड ने बुधवार को शेयर बाजार में मजबूत शुरुआत की। कंपनी का शेयर एनएसई पर अपने निर्गम मूल्य 385 पर सूचीबद्ध हुआ, जबकि बीएसई पर यह मामूली बढ़त के साथ 386 पर खुला। लिस्टिंग के कुछ ही समय बाद शेयर में तेजी देखी गई और यह एनएसई पर 415.60 तथा बीएसई पर 413.70 तक पहुंच गया, जो क्रमशः 7.74 फीसदी और 7.45 फीसदी की बढ़त को दर्शाता है। कंपनी का कुल बाजार पूंजीकरण बीएसई पर 2,379.94 करोड़ रहा। एमएंडबी इंजीनियरिंग के 650 करोड़ के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी और इसे अंतिम दिन तक 36.2 गुना अधिक अभिदान प्राप्त हुआ। यह आईपीओ 275 करोड़ के नए शेयर और 375 करोड़ की ओएफएस (ऑफर फॉर सेल) का संयोजन था। शेयर का मूल्य दायरा 366 से 385 प्रति शेयर तय किया गया था। कंपनी ने अपने आईपीओ से पहले एंकर निवेशकों से लगभग 292 करोड़ जुटाए थे। जुटाई गई राशि का उपयोग कंपनी द्वारा उपकरण व मशीनरी की खरीद, ऋण भुगतान, कार्यशील पूंजी और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। तेजी से लिस्टिंग और भारी अभिदान से स्पष्ट है कि निवेशकों को कंपनी के भविष्य की वृद्धि क्षमता और इंजीनियरिंग सेक्टर में उसकी भूमिका पर पूरा भरोसा है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई । आज कारोबार के दौरान आईटी और फार्मा शेयरों में हुई भारी गिरावट से भी बाजार पर दबाव आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 166.26 अंक नीचे आकर 80,543.99 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 73.35 अंक फिसलकर 24,574.20 अंक पर आ गया। आज रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने रेपो रेट को 5.5 फीसदी पर बनाये रखा जिससे भी कई क्षेत्रो में गिरावट दर्ज की गयी और बाजार लाल निशान पर बंद हुए।

आज के बाजार में सेंसेक्स कंपनियों में से इन्फोसिस, सन फार्मास्युटिकल्स, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर गिरे जबकि अदाणी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, ट्रेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, बीईएल और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर उछले।

इससे पहले आज सुबह आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति एमपीसी ने रेपो रेट को 5.5 प्रतिशत पर स्थिर बनाए रखने का ऐलान किया। इस घोषणा के बाद सेंसेक्स लगभग 116 अंक गिरकर 80,600 के स्तर पर पहुंच गया। जबकि एनएसई निफ्टी50 इंडेक्स 50 अंक की गिरावट के साथ 24,600 के स्तर पर आ गया। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि कोर महंगाई दर 4 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि सामान्य से बेहतर दक्षिण-पश्चिम मानसून और अन्य अनुकूल परिस्थितियां देश की आर्थिक वृद्धि को समर्थन देना जारी रखे हुए हैं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक नई चेतावनी जारी करते हुए कहा कि वह अगले 24 घंटों में टैरिफ में 'काफी भारी' बढ़ोतरी करेंगे क्योंकि भारत रूसी तेल खरीद रहा है। ट्रंप ने आगे कहा कि भारत ÷एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं है। वहीं वॉल स्ट्रीट के साथ एशियाई शेयर बाजार में भी बुधवार को गिरावट दर्ज की गई। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.61 फीसदी बढ़कर 8,824 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया।

इस बीच, जापान का निक्केई 225 0.12 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.64 फीसदीनीचे रहा। अमेरिका में मंगलवार को वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए।

भारत में पेरासिटामोल पर प्रतिबंध नहींः अनुप्रिया पटेल

- पेरासिटामोल के कुछ फिक्स्ड डोज़ पर प्रतिबंध लगाया गया है

नई दिल्ली ।

केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने संसद के मानसून सत्र के दौरान पेरासिटामोल दवा पर प्रतिबंध को लेकर उठे सवालों का जवाब दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने भारत में आमतौर पर उपयोग की जाने वाली पेरासिटामोल दवा पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है। हालांकि, पेरासिटामोल के कुछ फिक्स्ड डोज़, जो अन्य दवाओं के साथ संयोजन में आते हैं, उन पर प्रतिबंध लगाया गया है। अनुप्रिया पटेल ने बताया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने इस संबंध में अफवाहों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि देश में पेरासिटामोल प्रतिबंधित नहीं है और यह दवा सामान्य रूप से उपलब्ध है। इसके साथ ही, राज्य मंत्री ने सरकार की राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत शुरू की गई मुफ्त दवा सेवा पहल की जानकारी दी। इस पहल का उद्देश्य सरकारी अस्पतालों, ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों समेत सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना और मरीजों के जेब खर्च को कम करना है। इस योजना के तहत राज्यों को निःशुल्क दवाओं के प्रावधान के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की जा रही है। सरकार दवाओं की खरीद, गुणवत्ता आश्वासन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, ऑडिटिंग और शिकायत निवारण जैसी प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने के लिए कड़ी व्यवस्था कर रही है। साथ ही औषधि एवं टीका वितरण प्रबंधन प्रणाली नामक सूचना प्रौद्योगिकी प्लेटफ़ॉर्म की मदद से आवश्यक दवाओं की खरीद और उपलब्धता की निगरानी की जा रही है। सरकारी अस्पतालों और ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में दवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 697 दवा फॉर्मूलेशन के लिए सक्रिय दर अनुबंध भी बनाए गए हैं। इससे देशभर में आवश्यक दवाओं की गुणवत्तापूर्ण और समय पर उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

ऑल टाइम प्लास्टिक्स लिमिटेड ला रही है आईपीओ

- 7-11 अगस्त तक पैसा लगाने का मौका

मुंबई । प्लास्टिक के घरेलू और किचन सामान बनाने वाली जानी-मानी कंपनी ऑल टाइम प्लास्टिक्स लिमिटेड अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) ला रही है। कंपनी ने आईपीओ के लिए 260 से 275 प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। यह आईपीओ 7 अगस्त से 11 अगस्त तक खुला रहेगा, जबकि एंकर निवेशकों के लिए यह 6 अगस्त को ही खुल जाएगा। कंपनी इस इश्यू के ज़रिए बाजार से 400.60 करोड़ तक की राशि जुटाने की योजना बना रही है। इस रकम का उपयोग कंपनी विस्तार, ऋण चुकाने और सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों के लिए करेगी।

देश के नागरिकों का हित और कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकताः संजय मल्होत्रा

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा के दौरान कहा कि देश के नागरिकों का हित और कल्याण आरबीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से समाज के निचले तबके के लोगों को ध्यान में रखते हुए कई योजनाएं लागू की जा रही हैं। मल्होत्रा ने बताया कि वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 1 जुलाई से 30 सितंबर तक देशभर के पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में लोगों को नए बैंक खाते खोलने, केवाईसी दोबारा कराने और बीमा व पेंशन योजनाओं से जोड़ने का अवसर मिलेगा। साथ ही, ग्राहक शिकायतों का समाधान भी मौके पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जन-धन योजना के 10 वर्ष पूरे होने के बाद बड़ी संख्या में खातों की केवाईसी प्रक्रिया दोबारा की जा रही है, जिससे कुछ खाते बंद हुए हैं। इसलिए, आम जनता की सुविधा के लिए स्थानीय स्तर पर बैंकिंग सेवाएं मुहैया कराई जा रही हैं।

सरला एविएशन ने राजीव बंसल को सलाहकार नियुक्त किया

मुंबई । बेंगलुरु स्थित एयर टैक्सी स्टार्टअप सरला एविएशन ने बुधवार को पूर्व नागर विमानन सचिव राजीव बंसल को अपना सलाहकार नियुक्त करने की घोषणा की है। कंपनी की ओर से जारी बयान में बताया गया कि बंसल अब नियामकीय सेवाओं और प्रमाणन से जुड़ी रणनीति के विकास में कंपनी का मार्गदर्शन करेंगे। राजीव बंसल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के तहत लगभग 35 वर्षों तक विभिन्न पदों पर कार्य किया है। वे अगस्त 2023 में सेवा से सेवानिवृत्त हुए और अपने कार्यकाल के दौरान एयर इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी रहे हैं। उनके पास विमानन क्षेत्र का गहरा अनुभव और नीतिगत समझ है, जो अब सरला एविएशन के काम आएगी।

संजू सैमसन छोड़ेंगे राजस्थान रॉयल्स का साथ? केकेआर/सीएसके में शामिल होने की सच्चाई आई सामने

मुम्बई (एजेंसी)। हाल ही में संजू सैमसन को लेकर कहा जा रहा था कि, वह अगले आईपीएल 2026 सीजन के लिए चेन्नई सुपर किंग्स का थामन थाम सकते हैं। हालांकि, अब कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, संजू इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन में अपनी फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स का साथ नहीं छोड़ेंगे।

दरअसल, कहा जा रहा था कि, संजू सैमसन आईपीएल के नए सीजन के लिए सीएसके या केकेआर के साथ जा सकते हैं। लेकिन अब टाइम्स ऑफ इंडिया ने एक सूत्र के हवाले से कहा है कि, राजस्थान रॉयल्स ने फिलहाल सैमसन या अपने किसी भी अन्य खिलाड़ी को ट्रेड नहीं करने का फैसला किया है। सैमसन रॉयल्स टीम का अभिन्न अंग हैं और टीम के निर्विवाद कप्तान भी हैं।

30 वर्षीय संजू सैमसन का आरआर के साथ एक दशक से भी पुराना रिश्ता है। इस खिलाड़ी ने 2013 में पहली बार राजस्थान का हाथ थामा था और 2016 और 2017 सीजन को छोड़कर तब से वह आरआर के साथ हैं।

वहीं आईपीएल 2025 में सैमसन ने 9 पारियों में 35.62 की औसत और 140.39 की स्ट्राइक रेट से 285 रन बनाए। इस बीच उनके बल्ले से 1 अर्धशतक भी निकला था। आईपीएल 2024 में उन्होंने 16 मैच में 531 रन बनाए थे।

शुभमन सहित तीन खिलाड़ी आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार की दौड़ में शामिल

दुबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान शुभमन गिल को बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के वियान मुल्डर और इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) के जुलाई महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामित किया गया। गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल में समाप्त हुई पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में आगे बढ़कर नेतृत्व किया और बल्लेबाजी में कई रिकॉर्ड अपने नाम लिखे। भारत की युवा टीम ने यह श्रृंखला 2-2 से ड्रॉ की।

गिल ने श्रृंखला में 75.40 की औसत और चार शतकों की मदद से 754 रन बनाए। उन्होंने एक दोहरा शतक भी लगाया। इस 25 वर्षीय बल्लेबाज ने श्रृंखला में किसी भारतीय कप्तान द्वारा सर्वाधिक रन बनाने का सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड (732) तोड़ा। गिल का प्रदर्शन अब सर्वकालिक कप्तानों की सूची में सर डोनाल्ड ब्रैडमैन (810 रन) के बाद दूसरे स्थान पर है। आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, 'शुभमन गिल के लिए यह महीना शानदार रहा। उन्होंने इस रोमांचक श्रृंखला के दौरान इस महीने में तीन टेस्ट मैचों में 94.50 की औसत से 567 रन बनाए।'

आईसीसी ने कहा, 'उन्होंने एजबेस्टन में भारत की रिकॉर्ड जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने इस मैच की पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाए। इस तरह से उन्होंने मैच में कुल 430 रन बनाए जो किसी एक टेस्ट में ग्राहम गूच के 456 रन के बाद दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है।' आईसीसी ने कहा कि गिल ने नंबर चार पर 'सर्वकालिक महान' विराट कोहली की विरासत को आगे बढ़ाया।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान के रूप में अपने पहले मैच में मुल्डर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद 367 रन की विशाल पारी खेली। उन्होंने अपनी टीम की पारी उस समय घोषित कर दी, जब वह महान ब्रायन लारा के 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाए गए सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर नाबाद 400 के रिकॉर्ड को तोड़ सकते थे। उन्होंने दो मैचों में 265.50 की औसत से 531 रन बनाए।

आईसीसी ने कहा, 'मुल्डर ने गेंदबाजी में भी योगदान दिया तथा 15.28 की औसत से सात विकेट लिए, जिसमें पहले टेस्ट में लिए गए चार विकेट भी शामिल हैं।' आईसीसी ने भारत के खिलाफ स्टोक्स के हरफनमौला प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, 'उन्होंने 50.20 की औसत से 251 रन बनाए और 26.33 की औसत से 12 विकेट लिए। उन्होंने दबाव की परिस्थितियों में बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया।'

हैरी ब्रूक ने प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने जाने पर असहमति जताई, यह सम्मान इस खिलाड़ी को मिलना चाहिए था

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने भारतीय कोच गौतम गंभीर द्वारा उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने जाने के फैसले पर असहमति जताते हुए कहा कि यह सम्मान 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए जो रूट को मिलना चाहिए था। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज सीरीज 2-2 से बराबरी पर समाप्त होने के बाद प्रत्येक टीम के कोच ने विरोधी टीम से प्लेयर ऑफ द सीरीज पुरस्कार के लिए एक खिलाड़ी चुना। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने जहां भारतीय कप्तान शुभमन गिल को चुना, वहीं गंभीर ने ब्रूक को इंग्लैंड का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी चुना। ब्रूक ने अंतिम टेस्ट के चौथे दिन 98 गेंदों पर 111 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिससे इंग्लैंड रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करने की कगार पर पहुंच गया, लेकिन मेहमान टीम 66 रन पर सात विकेट गंवाकर 6 रन से मैच हार गई। ब्रूक ने कहा, 'मैंने रूटी (जो रूट) जितने रन नहीं बनाए, इसलिए मुझे लगता है कि उन्हें मैन ऑफ द सीरीज और फिर से मैन ऑफ द समर चुना जाना चाहिए, जैसा कि वे कई सालों से करते आ रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हम एक बेहतरीन स्थिति में हैं। जाहिर है, यह एक शानदार सीरीज रही है। 2-2, सच कहूं तो मैंने नहीं सोचा था कि यह इस तरह होगी।' ब्रूक ने पांच मैचों की सीरीज में 53.44 की औसत से 481 रन बनाए। वहीं रूट ने 67.12 की औसत से 537 रन बनाए हैं।

एशिया कप 2025 से पहले जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की होगी 'अग्नि' परिक्षा

मुम्बई (एजेंसी)। हाल ही में संपन्न एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भारतीय टीम की सफलता के बाद जहां मेहमान टीम ने श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली थी, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) अब अपने प्रमुख खिलाड़ियों का ध्यान रखना चाहता है। खास बात यह है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह का एशिया कप से पहले परीक्षण किया जा सकता है।

हाल के दिनों में भारत के लिए सबसे खास श्रृंखलाओं में से एक में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन किया। बुमराह 5 में से केवल तीन मैचों में ही खेले, लेकिन सिराज ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और पांचों टेस्ट में हिस्सा लेते हुए 185 से ज़्यादा ओवर फेंके और 23 विकेट लिए। पिछले दो महीनों में इतने ज्यादा कार्यभार को देखते हुए BCCI अब 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप से पहले इन दोनों खिलाड़ियों पर ध्यान दे रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार BCCI अब यह सुनिश्चित करना चाहता है कि दोनों तेज गेंदबाज एक महीने के ब्रेक के दौरान पूरी तरह फिट रहें। उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए चयन बैठक से पहले उनकी फिटनेस का आकलन किया जाएगा, जो अगस्त के अंत में होनी है। गौरतलब है कि एशिया कप 9 सितंबर से शुरू होगा जबकि भारत अपना पहला मैच 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के खिलाफ खेलेगा, जबकि फाइनल 28 सितंबर को होना है।

केवल 6 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच होने हैं, लेकिन इसके बावजूद BCCI कोई जोखिम नहीं लेना चाहता, क्योंकि एशिया कप के तुरंत बाद भारतीय टीम 2 अक्टूबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलेगी।

'हम जानते हैं कि हमारी टीम में सुधार की गुंजाइश है' : ब्रेंडन मैकुलम

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम का कहना है कि उन्होंने उन क्षेत्रों की पहचान कर ली है जहां इंग्लैंड को एशेज से पहले सुधार करना होगा, जब भारत के खिलाफ एक रोमांचक सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुई और मुख्य कोच का मानना है कि पांचवें टेस्ट में भारतीय टीम जीत की हकदार थी।

भारत ने इस एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज के 25वें और आखिरी दिन 56 मिनट के शानदार खेल में 2-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 6 रन की जीत हासिल की, जो रनों के लिहाज से उनकी सबसे कम अंतर की जीत थी। इसका मतलब यह था कि इंग्लैंड 2018 के बाद से भारत के खिलाफ पहली सीरीज जीत से चूक गया। मैकुलम और बेन स्टोक्स के नेतृत्व में उन्होंने अभी तक भारत या ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोई सीरीज जीत दर्ज नहीं की है। चूंकि इंग्लैंड अब सितंबर में दक्षिण अफ्रीका और आयरलैंड के खिलाफ सफ़ेद गेंद की सीरीज में उतरेगा, इसलिए खिलाड़ियों के पास आराम करने का समय है।

साल की शुरुआत से ही कोच के रूप में मैकुलम दोनों चुनौतियों में शामिल रहेंगे। लेकिन उनका तात्कालिक ध्यान, एक बार सब कुछ शांत हो जाने के बाद, पिछले सात हफ्तों पर रहेगा कि क्या काम आया और क्या नहीं। नवंबर में पर्थ में पहले एशेज टेस्ट से पहले तैयारी करना उनका प्राथमिक लक्ष्य होगा। मैकुलम ने कहा, 'हम पहले सब कुछ शांत होने देंगे और हम यह पता लगाएंगे कि क्या अच्छा रहा है और फिर यह तय करना शुरू करेंगे कि हम कैसे सुधार कर सकते हैं, ताकि जब हम ऑस्ट्रेलिया पहुंचें, तो हमारे पास एक बड़ा मौक़ा हो। हम जानते हैं कि हमारे पास सुधार की कुछ गुंजाइश है।'

उन्होंने कहा, 'जब आप खिलाड़ियों को दबाव में अपनी सीमाओं से परे जाकर प्रदर्शन करते हुए देखते हैं, तो आप हमेशा कुछ न कुछ सीखते हैं। बहुत सी चीजें हैं जिन पर हमें ध्यान देना है क्योंकि हम इसे समझने और उन क्षेत्रों का पता लगाने के लिए समय देंगे जिनमें हम अपनी अगली चुनौती के लिए सुधार कर सकते हैं। कुल मिलाकर, मुझे लड़कों और उनके प्रयासों पर बहुत गर्व है। यह एक प्रतिस्पर्धी सीरीज रही है, जिसमें, कुछ खिलाड़ी चोटिल भी हुए। यह सीरीज़ ड्रॉ हो चुकी है। आप निराश हैं लेकिन आपको उनके प्रयासों पर गर्व है।' स्कोरलाइन 2023 के घरेलू एशेज की तरह है, और हालांकि इंग्लैंड ने दो साल पहले ड्रॉ हासिल करने के लिए वापसी की थी, लेकिन इस गर्मी में भारत के खिलाफ कुछ समानताएं थीं, जिनमें से कुछ ऐसे पल थे जिन्हें मेजबान टीम ने जाने दिया। एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट में, जो ड्रॉ पर समाप्त हुआ, और द ओवल में भी, छूटे हुए कैचों की कीमत उन्हें चुकानी पड़ी। लेकिन शायद सबसे दर्दनाक तब था जब 374 रनों का पीछा करते हुए जो रूट और हैरी ब्रूक ने इंग्लैंड को 301 पर 3 तक पहुंचा दिया था, जिसके बाद 66 रनों के भीतर सात विकेट गिर गए।

मैकुलम छूटे हुए मौकों पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहते थे, जिसे वह एक उच्च-स्तर की टीम के खिलाफ खेलने की कीमत मानते हैं। इंग्लैंड ने भारत की दूसरी पारी के 396 रनों में छह कैच छोड़े, जिसकी कीमत उन्हें 152 रन पड़ी। उन्होंने कहा, 'हमने इस मैच में बहुत अच्छी कैचिंग नहीं की लेकिन पिछले कुछ सालों में हमने बहुत अच्छी कैचिंग की है। कभी-कभी एक कैच छूटने के बाद और ज्यादा कैच छूटते चले जाते हैं। अगर हमने अपने कैच पकड़े होते तो शायद हम नतीजे के दूसरी तरफ खड़े होते। यही जिंदगी है, खेल में बहुत सी छोटी-छोटी चीजें हैं जिन्हें हम चुन सकते हैं और जिनका बहुत बड़ा प्रभाव होता है। हम एक अच्छी फील्डिंग यूनिट हैं और इस टेस्ट में हमारा प्रदर्शन थोड़ा औसत था।'

उन्होंने कहा, 'हमने उन पर सब कुछ झोंक दिया। यह इस बात का प्रमाण था कि वे एक टीम के रूप में कितने मजबूत हैं। हम जानते थे कि जब वे इंग्लैंड में आएंगे तो यह एक बहुत ही कठिन चुनौती होगी और हमें वह नतीजा पाने के लिए शानदार क्रिकेट खेलना होगा जो हम चाहते थे। कुल मिलाकर मुझे लगा कि यह हिस्सा बनने के लिए एक पूरी तरह से अविश्वसनीय सीरीज थी। इसमें टकराव था, इसमें ठहराव था, इसमें जुनून था और दबाव में कुछ औसत से कम प्रदर्शन भी थे।' मैकुलम ने कहा, 'इस टेस्ट में भारत जिस तरह से अंत तक खेला, मोहम्मद सिराज में अपने 30वें ओवर में 90 मील प्रति घंटे की रफ़्तार से गेंदबाजी करने के लिए एक शेर का दिल दिखाया, जो उनके पांचवें टेस्ट मैच में एक अविश्वसनीय प्रयास था।''

पूर्व क्रिकेट कोच यौन दुराचार के आरोप में निलंबित, महिलाओं को भेजता था गलत तस्वीरें

लंदन। एक अज्ञात पूर्व काउंटी क्रिकेट कोच को यौन दुराचार के आरोप स्वीकार करने के बाद 9 महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है। स्वतंत्र क्रिकेट अनुशासन पैनल ने पाया कि उस व्यक्ति ने 2023 और 2024 की गर्मियों में स्टाफ की दो महिला जूनियर सदस्यों को यौन रूप से स्पष्ट तस्वीरें भेजी थीं। उसने पेशेवर आचरण नियमों के पांच उल्लंघनों को स्वीकार किया, जिसमें दो सहकर्मियों को अनचाही यौन तस्वीरें भेजना भी शामिल है। पैनल ने 'असाधारण' स्वास्थ्य संबंधी परिस्थितियों और नाम सार्वजनिक करने पर 'गंभीर नुकसान' के खतरे के कारण व्यक्ति की पहचान बताने से इनकार कर दिया। पैनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि दूसरी महिला 'प्रतिवादी से बहुत छोटी थी और वह क्रिकेट क्लब में उससे कहीं अधिक वरिष्ठ पद पर था।' उसके व्यवहार के कारण उसे बर्खास्त कर दिया गया और तब से वह खेल में कार्यरत नहीं है। पैनल को दिए गए आवेदनों में यह उल्लेख किया गया कि कोच ने 'अपने दुर्व्यवहार के लिए माफी मांगी है और पश्चाताप व्यक्त किया है।' रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने स्वेच्छा से एक शिक्षा पाठ्यक्रम लिया था और 'अवांछित स्पष्ट संदेशों के प्रभाव को समझने के लिए एक पूर्व पेशेवर खिलाड़ी के साथ काम किया था।' रिपोर्ट में कहा गया है, 'उन्हें उम्मीद थी कि अब वह एक बेहतर इंसान बन रहे हैं। उन्हें कार्यस्थल की सीमाओं, सोशल मीडिया के दुरुपयोग और यौन उत्पीड़न के बारे में बेहतर समझ थी।' यह प्रतिबंध आरोपों के दर्ज होने से छह महीने पहले लगाया गया है, साथ ही तीन महीने का निलंबन और एक अनिवार्य शिक्षा पाठ्यक्रम पूरा करना होगा। क्रिकेट नियामक के प्रबंध निदेशक क्रिस हावर्ड ने कहा, 'इस तरह का आचरण अस्वीकार्य है। जहां ऐसे मामले सामने आते हैं, उनकी जांच की जाएगी और जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। खेल से यौन दुर्व्यवहार को हटाना क्रिकेट नियामक की प्राथमिकता है। हम मानते हैं कि प्रभावित लोगों को आगे आने के लिए बहुत साहस की आवश्यकता होती है। हम प्रतिबद्ध हैं कि जब भी हमारे पास कोई आरोप लगाया जाता है, चाहे वह वर्तमान में हो या अतीत में, उसकी गहन और शीघ्रता से जांच की जाए।'

नाओमी ओसाका का बेहतरीन प्रदर्शन, स्वितोलिना को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

टोरंटो। दुनिया की पूर्व नंबर-1 खिलाड़ी नाओमी ओसाका पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 एलीना स्वितोलिना को हराकर कनाडियन ओपन के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। ओसाका ने इस दौरान स्वितोलिना को 6-2. 6-2 से हराकर WTA 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। इस जीत के साथ ही उनकी रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। अब वह WTA रैंकिंग में 51 से ठीक 29वें स्थान पर आ गई हैं, और टाइटल जीतने पर नंबर 21 तक जा सकती है। बता दें कि, आखिरी बार 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में डब्ल्यूटीए टूर का खिताब जीतने वाली ओसाका ने 10वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के खिलाफ पांच में से चार ब्रेक प्वाइंट बचाए और क्वार्टरफाइनल मुकाबला सिर्फ एक घंटे आठ मिनट में जीत लिया। वहीं यह ओसाका की स्वितोलिना के खिलाफ आठ मुकाबलों में पांचवीं जीत थी और इस जीत के साथ 27 वर्षीय खिलाड़ी अपने करियर में पहली बार कैनेडियन ओपन के सेमीफाइनल में भी पहुंची है। वहीं अब ओसाका का सामना 16वीं वरीयता प्राप्त क्लारा टॉसन से होगा। टॉसन ने क्वार्टर फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज को 6-1, 6-4 से हराया। इस तरह से ओसाका ने 2022 में मियामी में फाइनल में पहुंचने के बाद से किसी डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखा। जापान की मूल निवासी ये खिलाड़ी अपने करियर का आठवां और 2021 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के बाद पहला खिलाब जीतने की कोशिश में हैं। कनाडा की किशोरी विक्टोरिया मबोको दूसरे सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की नौवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से भिडेंगी।

शुभमन, सिराज सहित पूरी टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया : गंभीर

नई दिल्ली। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे में शानदार प्रदर्शन के बाद स्वदेश लौट आई है। दिल्ली पहुंचने पर टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कप्तान शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा की। इसके अलावा उन्होंने का कि इस दौरे में सभी ने अच्छा खेला इसलिए ये कहना संभव नहीं है कि किस खिलाड़ी ने सबसे अच्छा खेला। इस दौरे में शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने अंतिम टेस्ट जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर कराई। शुभमन ने इस दौरे में 700 से अधिक रन बनाये। गंभीर ने कहा, मुझे लगता है कि शुभमन ने शानदार काम किया है, मैं यही कह सकता हूं और वह भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा प्रदर्शन करते रहेंगे। उन्होंने साथ ही कहा, हम वाकई बहुत खुश हैं। मुझे लगता है कि हमारे खिलाड़ियों ने पिछले दो महीनों से पांचों टेस्ट मैचों में शानदार प्रदर्शन किया है। वे हर तरह की तारीफ के अधिककारी हैं। गंभीर ने साथ ही कहा कि किसी एक खिलाड़ी का नाम लेना मुश्किल है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मोहम्मद सिराज का प्रदर्शन शानदार रहा है पर केवल उन्होंने और शुभमन ने ही नहीं, बल्कि पूरी टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है। मुझे लगता है कि पिछले दो महीनों में सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। सिराज ने इस दौरे पर कुल 23 विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह ने तीन मैचों में ही 14 विकेट ले लिए। इसके अलावा केएल राहुल और रविंद्र जडेजा ने भी काफी अच्छी बल्लेबाजी की।

मोहम्मद सिराज हैदराबाद पहुंचे, इंग्लैंड सीरीज के हीरो का स्वागत करने उमड़े प्रशंसक

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज इंग्लैंड के खिलाफ ड्रॉ हुई कड़ी टक्कर वाली टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद बुधवार को अपने गृहनगर हैदराबाद पहुंचे। हैदराबाद पहुंचने पर प्रशंसकों ने सिराज का जोरदार स्वागत किया। सिराज पांच मैचों की सीरीज में जसप्रीत बुमराह के साथ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा 23 विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने सभी पांच मैच खेले और 185.3 ओवर फेंके।

सिराज टीम के फील्डिंग कोच टी दिलीप के साथ लंदन से मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे और फिर अपने गृहनगर रवाना हो गए। उन्होंने काले रंग के कैजुअल कपड़े पहने हुए थे और प्रशंसकों के एक समूह ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। सेल्फी और ऑटोग्राफ के लिए अनुरोध किए गए, लेकिन सिराज जल्दी से एक कार में सवार होकर हैदराबाद के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट पकड़ने के लिए घरेलू टर्मिनल के लिए रवाना हो गए, जहां एक बार फिर प्रशंसकों के एक समूह ने उनका स्वागत किया।

हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के एक अधिकारी ने बताया, 'हमने अभी तक उनसे बात नहीं की है। लेकिन हम निश्चित रूप से उनके लिए कुछ (सम्मान) योजना बनाएंगे, क्योंकि वह कुछ समय के लिए शहर में रह सकते हैं। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में देश के लिए इतना अच्छा प्रदर्शन किया।'

सिराज का सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन ओवल में अंतिम टेस्ट के 5वें दिन देखने को मिला, जब उनके साहस की बदौलत 374 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड को 367 रनों पर समेट दिया। सिराज ने पारी में 5 विकेट लेकर मैच में कुल 9 विकेट पूरे किए। भारत के टेस्ट इतिहास की सबसे कम रन से जीत (छह रन) के बाद मेहमान टीम ने श्रृंखला में 2-2 से बेहद सराहनीय ड्रॉ हासिल किया।

भारत के कप्तान शुभमन गिल, बुमराह की अनुपस्थिति में सिराज के योगदान से खुश थे, जिन्हें पूर्व-निर्धारित कार्यभार प्रबंधन योजना के अनुसार ओवल टेस्ट से आराम दिया गया था। गिल ने पांचवें टेस्ट के बाद कहा, 'वह (सिराज) एक कप्तान का सपना हैं, हर गेंद, हर स्पैल में उन्होंने पूरी ताकत झोंकी और टीम के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया।'

सिराज ने कहा कि उन्हें हमेशा ओवल में आखिरी दिन अपनी टीम को जीत दिलाने का भरोसा था। मेहमान टीम को महज 35 रनों का बचाव करते हुए चार विकेट लेने थे। उन्होंने कहा, 'मुझे हमेशा से लगता है कि मैं किसी भी मोड़ पर मैच जीत सकता हूं, और आज सुबह भी कुछ अलग नहीं था।'

आने वाले समय में बुमराह को एक ही प्रारुप में उतार सकता है बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आने वाले समय में केवल सीमित ओवरों में ही खेलते दिख सकते हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुमराह को फिट बनाये रखने के लिए ही उन्हें इंग्लैंड दौर में तीन टेस्ट मैचों में ही उतारा था। वहीं कई दिग्गजों का मानना है कि बुमराह के महत्व हो देखते हुए प्रबंधन और बोर्ड को तय करना होगा कि उनका बेहतर उपयोग किया प्रकार किया जाये। जिस प्रकार से इंग्लैंड दौरे में मोहम्मद सिराज, आकाशदीप और प्रसिद्ध कृष्णा ने अच्छा प्रदर्शन किया उससे तय है कि अब ये बुमराह के बिना भी भारतीय टीम को जीत दिला सकते हैं, ऐसे में अब एशिया कप, टी-20 और एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए बुमराह को तैयार रखने की जरुरत है। आने वाले समय में भारतीय टीम को वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज खेलनी है पर इसमें बुमराह की अधिक जरुरत नहीं है। ऐसे में उन्हें बड़े मुकाबलों के लिए बचाकर रखा जाएगा।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'ऐसे में ये संभव है कि बुमराह को अब आने वाले समय में सफेद गेंद प्रारुप ही ही अधिक ध्यान देने कहा जाये। अगले दो साल में उनके खेलने के लिए पर्याप्त टी-20 और एकदिवसीय मैचों के साथ ही आईपीएल भी है। ऐसे में सभी प्रारूपों में कुछ मैच खेलने की जगह उन्हें एक ही प्रारूप में सभी मैच खेलने देना चाहिये जिससे वह तरोताजा बने रहेंगे जिसका लाभ टीम को मिलेगा।'

'सिराज को वह श्रेय नहीं मिलता जिसके वह हकदार हैं', सचिन तेंदुलकर ने तेज गेंदबाज की तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने कहा कि उन्हें मोहम्मद सिराज का रवैया बहुत पसंद है, और साथ ही कहा कि इस तेज गेंदबाज़ को वह श्रेय नहीं मिलता जिसका वह हकदार है। ओवल के पांचवें दिन सिराज ने 104 रन देकर 5 विकेट चटकाए और भारत ने इंग्लैंड को 6 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर कर ली।

इंग्लैंड के पास सिराज की सटीकता का कोई जवाब नहीं था क्योंकि उन्होंने पांचवें दिन 25 गेंदों में केवल 9 रन देकर तीन विकेट चटकाकर निचले क्रम को तहस-नहस कर दिया। सिराज ने गस एटकिंसन का ऑफ स्टंप उखाड़कर भारत की जीत पक्की कर दी और भारतीय क्रिकेट की समृद्ध परंपरा में शामिल हो गए।

तेंदुलकर ना कहा, 'अविश्वसनीय। शानदार दृष्टिकोण। मुझे उनका रवैया बहुत पसंद है। मुझे उनके पैरों में स्प्रिंग बहुत पसंद है। एक तेज गेंदबाज का इस तरह लगातार आपके सामने रहना, किसी भी बल्लेबाज को पसंद नहीं आएगा। और आखिरी दिन अंत तक उन्होंने जो दृष्टिकोण बनाए रखा; मैं कमेंटेटरों को यह कहते हुए भी सुन सकता था कि उन्होंने सीरीज में 1,000 से ज़्यादा गेंदें फेंकने के बाद आखिरी दिन लगभग 90 मील प्रति घंटे (145 किमी प्रति घंटे) की रफ्तार से गेंदबाजी की। यह उनके साहस और बड़े दिल को दर्शाता है।'

सिराज 32.43 की औसत से 23 विकेट लेकर सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी रहे, उन्होंने 1113 गेंदें फेंकी। तेंदुलकर ने आगे कहा, 'आखिरी दिन उन्होंने जिस तरह से शुरुआत की, वह काबिले तारीफ थी और उन्होंने हमेशा अहम भूमिका निभाई है। जब भी हमें उनकी जरूरत पड़ी, जब भी हम चाहते थे कि वे धमाकेदार प्रदर्शन करें, उन्होंने अहम भूमिका निभाई है। वह पहले भी लगातार ऐसा कर पाए हैं, और इस सीरीज में भी यही हुआ। जिस तरह से उन्होंने इतने विकेट लिए और अच्छा प्रदर्शन किया, उससे उन्हें वह श्रेय नहीं मिला जिसके वे हकदार हैं।'

सिराज उस सीरीज में सबसे बेहतरीन गेंदबाज बने, जिसमें जसप्रीत बुमराह कार्यभार प्रबंधन के कारण केवल तीन मैच ही खेल पाए थे, खासकर इस साल जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में पीठ में चोट लगने के बाद। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों में बुमराह ने 14 विकेट लिए, जिनमें दो बार पारी में 5 विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है।

दुनिया के इन जादुई झरनों को देखकर बन जाएगा आपका दिन, छूमंतर होगा सारा स्ट्रेस

दुनिया भर में प्राकृतिक सुंदरता का एक अनोखा अनुभव झरनों में देखने को मिलता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा काफी मनमोहक होता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा देखना लोगों के मन को सुकून पहुंचाने के साथ रोमांच का अनुभव कराता है। बता दें कि दुनिया में कई ऐसे झरने हैं, जिनकी ऊंचाई और सुंदरता उनको खास बनाती है। इन झरनों की ऊंचाई सुनकर कोई भी चौंक जाएगा, वहीं इनकी सुंदरता भी उतनी ही सुकूनदायक है।

पहाड़ों, गहरी घाटियों और हरियाली बीच बहते हुए यह झरने प्राकृतिक कला का अनूठा और अद्वितीय उदाहरण है। अगर आप भी प्रकृति प्रेमी है और घूमने के भी शौकीन हैं, तो आपको दुनिया के सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों का दीदार करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दुनिया के कुछ सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों के बारे में बताने जा रहे हैं।

एंजेल फॉल्स , वेनेजुएला

वेनेजुएला दक्षिणी अमेरिकी महाद्वीप पर एक देश है। जहां पर एंजेल फॉल्स बहता है। वेनेजुएला का यह एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है। जोकि वेनेजुएला के केनैमा नेशनल पार्क में स्थित है। इस झरने की धारा इतनी ऊंचाई से गिरती है कि पानी नीचे तक पहुंचते-पहुंचते बारीक-बारीक बूंदों में बदल जाता है।

टुगेला फॉल्स, दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका में मौजूद टुगेला फॉल्स की ऊंचाई 3,110 फीट है। बारिश के मौसम में यहां का नजारा देखने लायक है। यह रॉयल नेटल नेशनल पार्क के ड्रेकेन्सबर्ग माउंटेन्स पर स्थित है।

थ्री सिस्टर्स फॉल्स, पेरू

पेरू एक बेहद खूबसूरत जगह है, जहां पर आपको थ्री सिस्टर्स फॉल्स नाम का शानदार जलप्रपात देखने को मिलेगा। यह अमेजन जंगल के बीच स्थित है और तीन स्तरों में बहता है। इसी वजह से इसका नाम %थ्री सिस्टर्स% पड़ा। ट्रैकिंग और रोमांच पसंद करने वालों के लिए यह जगह जन्नत से कम नहीं है।

ओलूपेना फॉल्स, हवाई

संयुक्त राज्य अमेरिका के हवाई में करीब 900 मीटर की ऊंचाई पर ओलूपेना फॉल्स है। ओलूपेना फॉल्स सीधे समंदर से लगती चट्टानों से गिरता है और सिर्फ बोट या हेलिकॉप्टर से ही देखा जा सकता है।

युंबिला फॉल्स, पेरू

बता दें कि युबिला फॉल्स सबसे ऊंचे झरनों में शामिल है, यह पेरू में है। हाल ही में खोज में यह झरना पाया गया है। जोकि पेरू के घने जंगलों में छिपा है और अब धीरे-धीरे फेमस हो रहा है। यहां पर आपको चारों ओर मनमोहक नजारा देखने को मिलेगा।

श्रीनगर सिर्फ एक शहर नहीं, एक ऐसा अनुभव जो आपकी रूह को छू जाए!

भारत के जम्मू और कश्मीर राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर को धरती का स्वर्ग यूं ही नहीं कहा जाता। हरे-भरे बाग़, बर्फ से ढकी पहाड़ियाँ, शांत झीलें और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत श्रीनगर को न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में एक अनूठा पर्यटन स्थल बनाते हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य और झीलों का शहर

श्रीनगर की सबसे प्रसिद्ध पहचान डल झील है। इसमें हाउसबोट पर रहने का अनुभव जीवन भर याद रहता है। शिकारा की सवारी करते हुए झील के शांत पानी पर तैरते बाजार, कमल के फूल और आसपास के हिमालयी नज़ारे किसी स्वप्न से कम नहीं लगते। नगीन झील भी पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो शांति और एकांत की तलाश में होते हैं।

बाग-बग़ीचों की सौगात

मुग़ल बादशाहों ने श्रीनगर में कई खूबसूरत बाग़ बनवाए, जिनमें प्रमुख हैं :

शालीमार बाग़

निशात बाग़

चश्म-ए-शाही

ये बाग़ झेलम नदी के किनारे स्थित हैं और यहाँ से झील व पर्वतों का दृश्य अत्यंत मनोरम दिखाई देता है।

धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल

श्रीनगर में कई ऐतिहासिक मस्जिदें और मंदिर हैं। इनमें प्रमुख हैं :

हजरतबल दरगाह- जहाँ पैगंबर मोहम्मद का एक पवित्र अवशेष रखा गया है।

शंकराचार्य मंदिर- जो एक पहाड़ी पर स्थित है और वहाँ से श्रीनगर का विहंगम दृश्य दिखाई देता है।

जामा मस्जिद- पुरानी कश्मीर वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण।

स्थानीय बाजार और हस्तशिल्प

श्रीनगर के बाज़ारों में कश्मीरी कालीन, पश्मीना शॉल, लकड़ी की नक़्क़ाशी और कागज़ी माछे की कला खरीदने लायक होती है। लाल चौक, बादशाह चौक और रेजिडेंसी रोड मुख्य शॉपिंग स्थान हैं।

खानपान की विशेषता – कश्मीरी व्यंजन विश्वविख्यात हैं। रोगनजोश, यखनी, दुम आलू, और गुस्ताबा जैसे व्यंजन स्वादिष्ट और मसालेदार होते हैं। चाय प्रेमियों को कहवा ज़रूर आज़माना चाहिए – यह केसर और सूखे मेवों से बना एक पारंपरिक पेय है।

पर्यटन के लिए उपयुक्त समय

श्रीनगर जाने का सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर के बीच होता है, जब मौसम सुहावना रहता है। बर्फबारी का आनंद लेना हो तो दिसंबर से फरवरी का समय उपयुक्त है।

श्रीनगर केवल एक शहर नहीं, बल्कि एक अनुभव है- जहाँ हर मोड़ पर प्रकृति, संस्कृति और शांति एक साथ मिलती हैं। यदि आप प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक विरासत और मेहमाननवाज़ी का मिश्रण चाहते हैं, तो श्रीनगर आपकी अगली यात्रा सूची में अवश्य होना चाहिए।

मांडू पर्यटनः प्रेम, वास्तुकला और इतिहास की अद्भुत नगरी

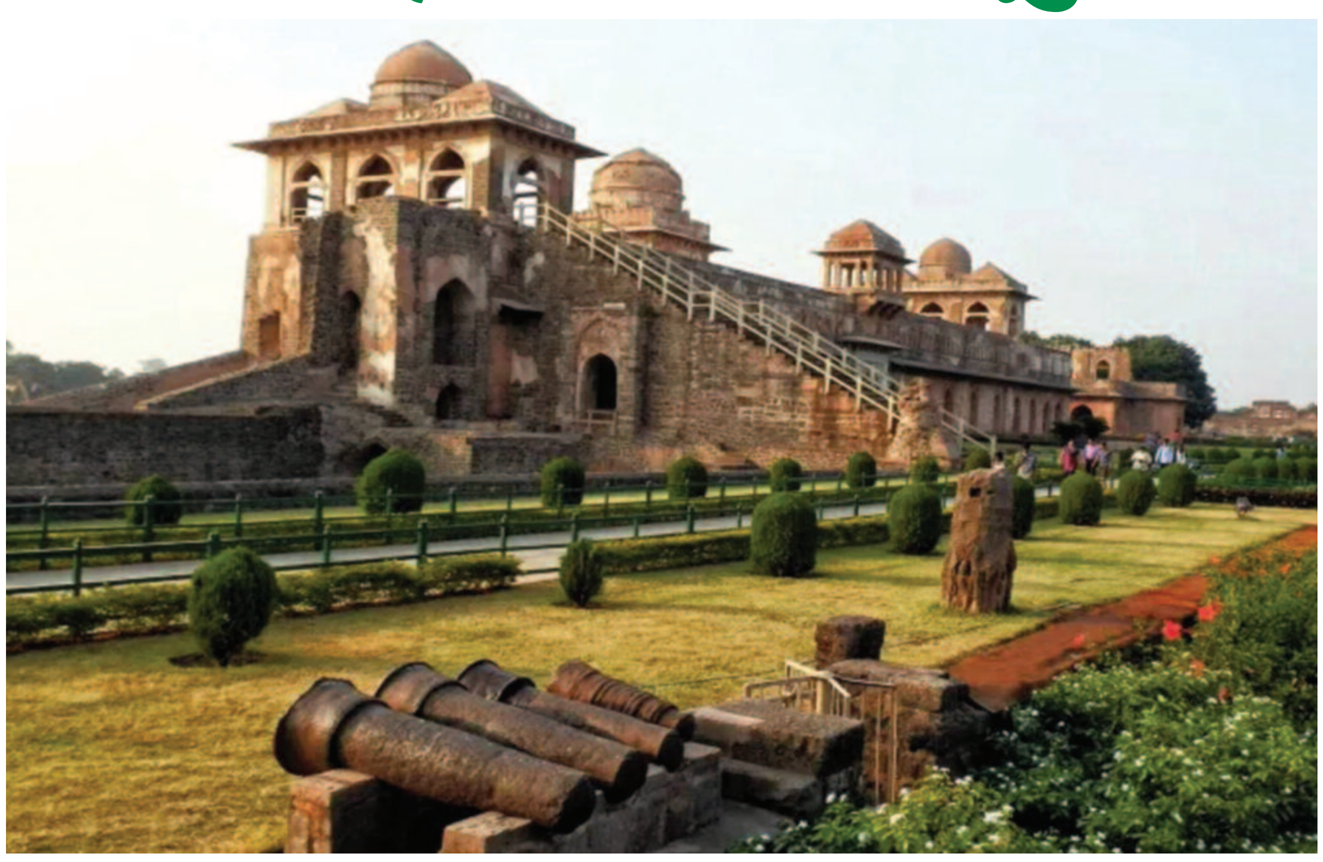

मध्य प्रदेश के धार ज़िले में स्थित मांडू जिसे मांडवगढ़ या शादीशुदा पत्थरों का शहर भी कहा जाता है, भारतीय पर्यटन मानचित्र पर एक अनूठा और ऐतिहासिक स्थल है। पहाड़ियों पर बसा यह नगर न केवल स्थापत्य कला और प्राचीन स्मारकों के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि रानी रूपमती और बाज बहादुर की अमर प्रेम कहानी के लिए भी मशहूर है। मांडू की हवाओं में इतिहास की गूंज, प्रेम की सरगम और स्थापत्य का सौंदर्य साथ-साथ बहता है।

मांडू का ऐतिहासिक परिचय

मांडू का इतिहास लगभग 6वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है, लेकिन इसका स्वर्ण युग मालवा सल्तनत (15वीं सदी) के दौरान आया। इस दौरान यहाँ कई भव्य महलों, मस्जिदों, बावड़ियों और दरवाजों का निर्माण हुआ। मांडू की भौगोलिक स्थिति— विंध्याचल की पहाड़ियों पर और नर्मदा घाटी के किनारे— इसे एक स्वाभाविक किला बनाती है।

मांडू के प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. जहाज़ महल

यह महल दो झीलों— कपूर तालाब और मुंज तालाब— के बीच स्थित है, जिससे यह एक जहाज़ की तरह प्रतीत होता है। इसका निर्माण 15वीं सदी में सुल्तान ग़ियासुद्दीन खिलजी ने अपनी 15,000 रानियों के लिए करवाया था। रात्रि में इसका प्रतिबिंब जल में झलकता है, जो एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है।

2. हिंदोला महल

हिंदोला (झूला) महल अपनी झुकी हुई दीवारों के कारण प्रसिद्ध है। इसका उपयोग दरबारी सभाओं के लिए किया जाता था। इसकी स्थापत्य शैली वास्तुकला के चमत्कारों में गिनी जाती है।

3. रूपमती महल

यह वह स्थान है जहाँ से रानी रूपमती नर्मदा नदी को निहारती थीं। यह प्रेम कहानी का सबसे भावनात्मक स्थल है, जहाँ से मांडू की घाटी और नर्मदा के दर्शन होते हैं।

4. बाज बहादुर महल

यह महल मांडू के अंतिम स्वतंत्र शासक बाज बहादुर का निवास था। इसकी वास्तुकला में राजपूत और मुस्लिम शैलियों का संगम देखने को मिलता है।

5. जामा मस्जिद

यह मस्जिद दिल्ली की जामा मस्जिद से प्रेरित है और मांडू के स्थापत्य वैभव को दर्शाती है। इसके विशाल प्रांगण और सुंदर मेहराबें इसकी विशेषता हैं।

6. रेवा कुंड

यह पवित्र कुंड नर्मदा नदी को समर्पित है और माना जाता है कि रूपमती इसी से जल ग्रहण करती थीं।

मांडू उत्सव

प्रत्येक वर्ष दिसंबर-जनवरी के महीने में मांडू उत्सव का आयोजन होता है, जिसमें स्थानीय लोक-संगीत, नृत्य, कला प्रदर्शन, साइकिल टूर और हॉट एयर बलून जैसी गतिविधियाँ होती हैं। यह उत्सव मांडू को जीवंत रूप देता है।

कैसे पहुँचे?

निकटतम हवाई अड्डा : इंदौर (लगभग 100 किमी)

रेलवे स्टेशन : इंदौर और रतलाम दोनों से सड़क मार्ग उपलब्ध

सड़क मार्ग: इंदौर, धार और महेश्वर से मांडू के लिए बसें और टैक्सियाँ आसानी से मिलती हैं

ठहरने की व्यवस्था

मांडू में मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित होटल और कुछ निजी रिसॉर्ट्स उपलब्ध हैं। प्राकृतिक सुंदरता के बीच रुकना अपने आप में एक अद्वितीय अनुभव होता है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

अक्टूबर से मार्च के बीच मांडू घूमने के लिए सबसे उपयुक्त समय होता है। खासकर मानसून के बाद (जुलाई-सितंबर) मांडू की हरियाली और झीलें इसे और भी सुंदर बना देती हैं।

मांडू केवल एक ऐतिहासिक नगर नहीं, बल्कि एक जीवित कथा है— प्रेम, कला और संस्कृति की। यहाँ की हवाएं रूपमती के सुरों को, दीवारें बाज बहादुर के प्रेम को और झीलें बीते समय की परछाइयों को संजोए हुए हैं। यदि आप एक शांत, सुंदर और ऐतिहासिक स्थल की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो मांडू अवश्य आपकी सूची में होना चाहिए।

मानसून में इन जगहों पर पास से महसूस कर पाएंगे प्रकृति की खूबसूरती

मानसून का मौसम आते ही बारिश की बूंदे पर धरती पर पड़ती हैं, तो प्रकृति अपनी खूबसूरती के चरम पर पहुंच जाती है। बारिश के मौसम में भारत के कुछ स्थलों पर अद्भुत नजारे देखने को मिलते हैं। हरे-भरे जंगल, पहाड़ों से गिरते झरने, घनघोर बादलों से ढकी घाटियां और ठंडी हवाएं मन को सुकून देने का काम करती हैं। बारिश आपको प्रकृति से जुड़ने का मौका देती है। इस मौसम में घूमना और प्रकृति की खूबसूरती को महसूस करना आपको एक अलग एक्सपीरियंस दे सकता है।

इस मानसून में आप एक छोटा सा ब्रेक लेकर भीगती वादियों की सैर पर निकल जाएं। फिर चाहे वह फैमिली आउटिंग, सोलो एडवेंचर या रोमांटिक ट्रिप हो। भारत की कुछ जगहें मानसून में आपके अनुभव को यागदार बना देंगी। ऐसे में अगर आप भी बारिश में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो भारत की इन जगहों को आपकी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल करें।

महाबलेश्वर, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के महाबलेश्वर हिल स्टेशन की खूबसूरती मानसून में देखने लायक होती है। यहां के हरे-भरे पहाड़, शानदार घाटियां और स्ट्रॉबेरी फार्म काफी लोकप्रिय हैं। मानसून में बादलों से ढके रास्ते और बहते हुए झरने इस जगह की सुंदरता को बढ़ा देते हैं। आप यहां पर वेन्ना लेक, आर्थर सीट और प्रतापगढ़ किला घूम सकते हैं।

लोनावला-खंडाला, महाराष्ट्र

मुंबई और पुणे के पास स्थिति लोनावला और खंडाला हिल स्टेशन बेहद खूबसूरत नजर आता है। यह जगह मानसून में हरियाली से ढक जाता है। झरने, ट्रेकिंग और खूबसूरत घाटियों के लिए यह मौसम बेस्ट है। अगर आप खंडाला और लोनावला घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो कुछ जगहें आकर्षण का केंद्र रहती हैं। आप यहां पर टाइगर पॉइंट, भुशी डैम और राजमाची किले को एक्सप्लोर करें।

अलेप्पी, केरल

अगर आप भी मानसून में बैकवॉटर का अनुभव और हाउसबोट की अनोखी सैर करना चाहते हैं, तो आपको केरल के अलेप्पी की ट्रिप प्लान कर सकते हैं। बारिश की फुहारों के साथ शांत जल में हाउस बोट पर तैरते रहना आपको एक अलौकिक अनुभव देगा।

मुन्नार, केरल

केरल का मुन्नार चाय के बागानों के लिए काफी ज्यादा फेमस है। बारिश में इन्हीं चाय के बागानों की हरियाली दोगुनी हो जाती है और यह काफी खूबसूरत नजर आती है। यहां पर बादलों से घिरे पहाड़ और शांत झीलें मनमोहक अनुभव कराती हैं। मानसून में मुन्नार एक फोटो परफेक्ट हिल स्टेशन बन जाता है। यहां पर आप एराविकुलम नेशनल पार्क और मट्टुपेट्टी डैम आदि को एक्सप्लोर कर सकती हैं।

चेरापूंजी, मेघालय

दुनिया में सबसे अधिक बारिश वाले स्थानों में से एक मेघालय का चेरापूंजी है। यहां पर मानसून में सबसे ज्यादा बारिश होती है। लेकिन मानसून में चेरापूंजी का आकर्षण कई गुना बढ़ जाता है। यहां पर झरने, बारिश और लिविंग रूटब्रिज इस जगह को खास बनाती हैं। अगर आप मानसून में चेरापूंजी की यात्रा करने का प्लान कर रहे हैं, तो आपको सेवन सिस्टर्स फॉल्स और नोक्रेक बायोस्फीयर रिजर्व जरूरे एक्सप्लोर करना चाहिए।

आतंकवादियों से लोहा लेते दिखे जॉन अब्राहम, तेहरान का ट्रेलर रिलीज

अगस्त के महीने में कई दिलचस्प फिल्में थिएटर्स में रिलीज होने जा रही हैं। वहीं, ओटीटी पर भी बहार रहेगी। इस महीने ओटीटी पर रिलीज होने वाली फिल्मों में जॉन अब्राहम की तेहरान का नाम भी शामिल है। इसी फिल्म का 01 अगस्त को ट्रेलर रिलीज किया गया है, जो सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर है। फिल्म तेहरान 14 अगस्त को ओटीटी पर रिलीज होगी। इसे जी5 पर देखा जा सकेगा। जी स्टूडियोज के यूट्यूब चैनल पर फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। जॉन अब्राहम आतंकवादियों के मंसूबों को नाकाम करते दिख रहे हैं। वे पुलिस ऑफिसर की भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेता एक्शन अवतार में दिख रहे हैं।

फिल्म तेहरान को सच्ची घटना पर आधारित बताया जा रहा है। ट्रेलर की शुरुआत में आवाज आती है, ये इंटरनेशनल मैटर है, तीन देशों में ब्लास्ट हुआ है। ये आतंकवादियों का काम है और हमें इन्हें बेनकाब करना होगा। कहां है राजीव कुमार? इसके बाद जॉन अब्राहम की झलक दिखाई देती है। पुलिस ऑफिसर वाले तेवर के साथ वे एक्शन अवतार में नजर आए हैं।

ट्रेलर में जॉन के कई दमदार डायलॉग ट्रेलर में सुनाई देते हैं। एक जगह जॉन कहते हैं, जब एक सोल्जर दूसरे सोल्जर को मारता है तो बात देश को होती है, लेकिन जब एक आतंकवादी किसी मासूम की जान लेता है तो बात बहुत पर्सनल हो जाती है। एक अन्य डायलॉग है, जब तक बम लगाने वाले हाथ काट नहीं दिए जाते, तब तक इंडिया को कोई सीरियसली नहीं लेगा। फिल्म का निर्देशन अरुण गोपालन ने किया है। इसे दिनेश विजन ने प्रोड्यूसर किया है। ट्रेलर को दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। वहीं कुछ दर्शक लिख रहे हैं, यह फिल्म थिएटर्स में रिलीज होनी चाहिए थी।

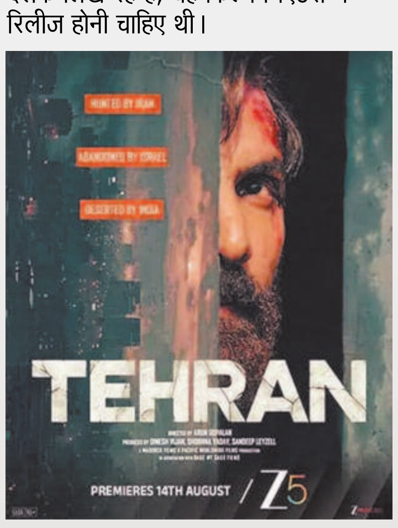

नेशनल अवार्ड मिलने पर बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूँ

प्रतिभाशाली अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने अपनी प्रशंसित फिल्म कटहल- अ जैकफ्रूट मिस्ट्री को इस साल के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का खिताब दिलाकर अपने नाम एक और उपलब्धि दर्ज कर लिया है। अपने बहुमुखी अभिनय और अनोखी पटकथाओं को चुनने की कला के लिए जानी जाने वाली सान्या एक बार फिर ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनी हैं जो अपनी विषयवस्तु और कलात्मक प्रस्तुति के लिए सराही गई हैं। सान्या मल्होत्रा की व्यंग्यात्मक कॉमेडी फिल्म कटहल- अ जैकफ्रूट मिस्ट्री, जिसे इसकी ताजगी भरी कहानी, सामाजिक प्रासंगिकता और अनोखे हास्य के लिए प्रशंसित है, फिल्म में उन्होंने एक जुझारू पुलिस अफसर की भूमिका निभाई, जो दो कीमती कटहलों की चोरी की जांच करती है। इस बड़ी जीत के बाद सान्या ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा- मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूँ कि कटहल को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। यह कहानी मेरे लिए बेहद खास रही है, और मैं गुनीत मोंगा, अचिन जैन और पूरी टीम की आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे इतना अनोखा किरदार दिया। यह फिल्म व्यंग्य और संवेदनशीलता के माध्यम से समाज की महत्वपूर्ण सच्चाइयों को दर्शाती है, और मुझे खुशी है कि यह दर्शकों के साथ जुड़ पाई। इस सम्मान से मुझे और भी अधिक सार्थक सिनेमा चुनने की प्रेरणा मिलती है। जूरी और कटहल को समर्थन देने वाले सभी लोगों को दिल से धन्यवाद।

इस खुशी में और इज़ाफ़ा करते हुए, विक्की कौशल के साथ सान्या मल्होत्रा की मुख्य भूमिका वाली फिल्म सैम बहादुर को कई पुरस्कारों से नवाज़ा गया, जिनमें सर्वश्रेष्ठ मेकअप, सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिज़ाइन और राष्ट्रीय, सामाजिक एवं पर्यावरणीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म शामिल हैं। भारत के महान फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ पर आधारित इस बायोपिक को उसकी प्रामाणिकता और देशभक्ति व नेतृत्व की प्रेरणादायक कहानी के लिए खूब सराहा गया। सान्या की सफलता यहीं नहीं रुकी — शाहरुख़ ख़ान अभिनीत फिल्म जवान, जिसमें सान्या एक अहम भूमिका में थीं, ने भी शीर्ष सम्मान अर्जित किया, जो उनकी उस सिनेमा से जुड़ाव को दर्शाता है जो न केवल प्रभावशाली बल्कि व्यावसायिक रूप से भी सफल हैं। सान्या मल्होत्रा के लिए ऐसे आलोचनात्मक और व्यावसायिक रूप से सफल प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना यह साबित करता है कि वे एक ऐसी अभिनेत्री हैं जो हर किरदार में गहराई और विश्वसनीयता लाती हैं। कटहल ने उनके हास्य अभिनय और पात्र-प्रधान भूमिकाओं की प्रतिभा को उजागर किया है, वहीं सैम बहादुर और जवान जैसी फिल्मों ने उन्हें समुच्चय आधारित कहानियों में अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाने का मौका दिया है। सान्या अब बॉलीवुड की उन चुनिंदा और भरोसेमंद कलाकारों में शुमार हो चुकी हैं, जो दर्शकों और समीक्षकों दोनों का दिल जीतती हैं।

सैम बहादुर को तीन सम्मान मिलने पर फातिमा सना शेख गदगद

अभिनेत्री फातिमा सना शेख, जो अपनी दमदार भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं, 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में अपनी फिल्म सैम बहादुर को मिली सफलता से बेहद उत्साहित हैं। इस फिल्म ने तीन प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते हैं – राष्ट्रीय, सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों पर आधारित सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, सर्वश्रेष्ठ मेकअप और सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिज़ाइन। इस बड़ी उपलब्धि पर फातिमा ने पूरी टीम को बधाई दी और इस यादगार सफर का हिस्सा बनने पर खुशी जाहिर की। फातिमा ने एक भावुक बयान में कहा, सैम बहादुर की टीम को तीन शानदार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने पर ढेरों बधाई!! यह वास्तव में मेरे लिए एक गर्व का क्षण है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर और श्रीमती इंदिरा गांधी का किरदार निभाकर मैं बेहद खुश हूं। उन्होंने फिल्म की निर्देशक मेघना गुलज़ार की भी सराहना करते हुए कहा, मेघना गुलज़ार के साथ काम करना एक सपना सच होने जैसा था, और यह मेरे लिए एक बेहद खास अनुभव रहा। मेघना गुलज़ार द्वारा निर्देशित सैम बहादुर भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के जीवन पर आधारित है। फातिमा ने इस फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई थी। उनके सशक्त और विश्वसनीय अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों दोनों से खूब सराहना मिली थी, जिसने एक बार फिर उनकी अभिनय क्षमता और बहुमुखी प्रतिभा को साबित किया।

पाकिस्तान से जुड़े इवेंट में शामिल होंगे कार्तिक आर्यन? टीम ने दी सफाई

हाल ही में फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने कार्तिक आर्यन को एक ऑफिशियल लेटर लिखा, जिसमें बताया कि वह ह्यूस्टन में होने वाले एक इवेंट में भाग ले रहे हैं, जिसको करवाने वाला शख्स एक पाकिस्तानी है। इस बात का पता चलने पर कार्तिक आर्यन की टीम ने अब सफाई दी है।

कार्तिक आर्यन की टीम ने सफाई देते हुए जवाब दिया है, 'कार्तिक आर्यन किसी भी तरह से उस इवेंट से जुड़े नहीं हैं। उन्होंने इवेंट में भाग लेने की कभी कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है। हमने इवेंट कराने वाले लोगों से कॉन्टैक्ट किया है और कार्तिक का नाम, तस्वीरें प्रमोशन मटीरियल से हटाने का अनुरोध किया है।'

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने एक लेटर कार्तिक आर्यन को लिखा। इसमें बताया गया कि कार्तिक आर्यन 15 अगस्त 2025 को ह्यूस्टन, अमेरिका में आयोजित होने वाले आजादी के एक उत्सव भाग ले रहे हैं। कार्तिक आर्यन इस इवेंट में चीफ गेस्ट हैं। लेकिन यह इवेंट एक पाकिस्तानी रेस्तरां मालिक ने आयोजित किया है। फेडरेशन का यह भी मानना है कि इवेंट कराने वाले लोगों को लेकर कार्तिक आर्यन को जानकारी नहीं रही होगी। ऐसे में कार्तिक आर्यन से रिक्वेस्ट की गई कि वह इस इवेंट में शामिल ना हों।

इन दिनों कार्तिक आर्यन एक फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' की शूटिंग कर रहे हैं, इसे करण जौहर प्रोड्यूस कर रहे हैं। कार्तिक, करण जौहर के प्रोडक्शन की एक और फिल्म कर रहे हैं, जिसमें वह इच्छाधारी नाग बनेंगे। इस फिल्म का नाम 'नागजिला' होगा।

एल्विश यादव के हाथ लगा एक और रियलिटी शो

इस वक्त एल्विश यादव के करियर के सितारे बुलंदियों पर हैं। वह जिस भी चीज में हाथ डाल रहे हैं, वहां से विनर बनकर निकल रहे हैं। बिग बॉस ओटीटी 2 और रोडीज के बाद एल्विश यादव ने लाफ्टर शेफ्स 2 जीता, और अब वह एक्टिंग डेब्यू करने जा रहे हैं। एल्विश यादव जल्द ही एक वेब सीरीज में नजर आएंगे, जिसकी शूटिंग भोपाल में चल रही है। एल्विश ने शूटिंग भी शुरू कर दी है। एक सोर्स ने बताया कि एल्विश यादव काफी समय से एक्टिंग की दुनिया में उतरने का मन बना रहे थे, और यह प्रोजेक्ट उनके विजन के हिसाब से एकदम परफेक्ट है। एल्विश अभी भोपाल में शूटिंग कर रहे हैं, और बेहद एक्साइटेड हैं।

एल्विश यादव ने लगातार जीते ये रियलिटी शोज, बढ़ती गई पॉपुलैरिटी

एल्विश यादव एक पॉपुलर यूट्यूबर रहे हैं, और वहीं से उन्हें बिग बॉस ओटीटी में जाने का मौका मिला था। उन्होंने बतौर वाइल्ड कार्ड शो में एंट्री की थी, और विनर बनकर इतिहास रच दिया था। इसके बाद एल्विश यादव की पॉपुलैरिटी और बढ़ गई। उन्होंने कई म्यूजिक वीडियोज किए और MTV Roadies XX में नजर आए। वह इस शो के भी विनर बने, और हाल ही करण कुंद्रा के साथ लाफ्टर शेफ्स- एंटरटेनमेंट अनलिमिटेड जीता।

एल्विश यादव की कमाई और नेट वर्थ, लाफ्टर शेफ्स 2 से इनकम

एल्विश यादव की कमाई और नेट वर्थ की बात करें, तो वह यूट्यूब के अलावा म्यूजिक वीडियोज और रियलिटी शोज जीतकर मोटी कमाई कर रहे हैं। लाफ्टर शेफ्स 2 में एल्विश को हर एपिसोड के लिए 2 लाख रुपये मिले। वह पूरे 44 एपिसोड्स में नजर आए। इस हिसाब से देखें तो एल्विश ने इस शो से 88 लाख रुपये कमाए। इसके अलावा उन्होंने और करण कुंद्रा ने प्राइज मनी भी जीती, जिसका खुलासा नहीं हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एल्विश यादव की नेट वर्थ 50 करोड़ रुपये के आसपास बताई जाती है।

एल्विश यादव को मिला एक और शो, जियो हॉटस्टार पर शुरू

एल्विश यादव का करियर एकदम चरम पर है। उनके हाथ एक और नया रियलिटी शो लगा है, जिसे ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया जा रहा है। इसका नाम है अड्डा एक्स्ट्रीम बैटल। वह इसे होस्ट कर रहे हैं और हाल ही इसका प्रोमो भी रिलीज किया गया, जिसे एल्विश यादव ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया था।

छोरियां चली गांव के जरिए आज की पीढ़ी को दिखाना चाहता हूं देश की खूबसूरती

अभिनेता और होस्ट रणविजय सिंह अपकमिंग रियलिटी शो छोरियां चली गांव में नजर आएंगे। उन्होंने बताया कि इस शो के जरिए वह वर्तमान पीढ़ी, खासकर अपने बच्चों को भारत के सादे जीवन और गांवों की खूबसूरती से रूबरू कराना चाहते हैं। रणविजय के लिए यह शो बेहद खास है, क्योंकि उनकी बचपन की यादें पंजाब के गांव से जुड़ी हैं।

रणविजय ने बताया, बचपन में मैं हर गर्मी की छुट्टियों में अपने दादा-दादी के पास गांव जाता था। मुर्गे की आवाज के साथ सुबह उठना, खेतों में नंगे पांव दौड़ना, हैंडपंप से पानी निकालना, गाय के तबेले से दूध लाना और खेतों में मदद करना ये सब मेरी दिनचर्या का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि इन छोटी-छोटी चीजों को परिवार के सामने गर्व से दिखाना उन्हें अच्छा लगता था। उन्होंने आगे कहा, आज की पीढ़ी को ऐसी जिंदगी का अनुभव नहीं मिलता। मैं चाहता हूं कि छोरियां चली गांव के जरिए मेरे बच्चे और युवा पीढ़ी असली भारत को देखें, जहां लोग सादगी से, लेकिन शांति से जीते हैं। रणविजय का मानना है कि यह शो न केवल मनोरंजन करेगा, बल्कि दर्शकों को गांव की सादगी और मूल्यों से जोड़ेगा। वह यह भी चाहते हैं कि उनके बच्चे पानी और भोजन की कीमत समझें और अपने हाथों से काम करने की खुशी को जानें।

छोरियां चली गांव एक अनोखा नॉन-फिक्शन शो है। इस शो में 11 आत्मनिर्भर लड़कियों को 60 दिनों के लिए एक गांव में भेजा जाएगा। वहां वे गांव के रहन-सहन, तौर-तरीकों और परंपराओं के बीच रहेंगी। ये लड़कियां गांव के माहौल में खुद को ढालने की कोशिश करेंगी। उन्हें खाना बनाना, पशुओं की देखभाल करना, खेत में काम करना आदि गांव में होने वाले सभी काम करने होंगे। इस सफर में उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, जिससे उनकी असली ताकत और जज्बा सामने आएगा। इस शो का मकसद शहर की लड़कियों की ताकत, जज्बा और माहौल के हिसाब से खुद को ढालने की क्षमता को दिखाना है। छोरियां चली गांव जल्द ही जीटीवी पर प्रसारित होगा।

12वीं फेल के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड जीतने पर बोले विक्रांत

फिल्म '12वीं फेल' की कहानी हाशिए पर खड़े उन लोगों की थी, जो मेहनत के दम पर, पढ़-लिखकर यूपीएससी जैसा एग्जाम पास करते हैं। इस संघर्ष को फिल्म में विक्रांत मैसी ने जीवंत कर दिया था। कई बच्चों को इस फिल्म ने मोटिवेट भी किया। अब इसी फिल्म के लिए विक्रांत मैसी को बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला है। इस अवॉर्ड को पाकर विक्रांत कैसा महसूस कर रहे हैं? जानिए।

20 साल पुराना सपना सच हो गया

बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड जीतने पर विक्रांत मैसी कहते हैं, 'मैं सूचना और प्रसारण मंत्रालय और 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की ज्यूरी का शुक्रिया अदा करता हूं। उन्होंने मेरे काम को इस सम्मान के लायक समझा। मैं विधु विनोद चोपड़ा जी का भी शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने मुझे फिल्म में अभिनय करने का मौका दिया। आज मेरा 20 साल पुराना सपना सच हो गया है।' विक्रांत मैसी आगे कहते हैं, 'मैं दर्शकों का दिल से शुक्रिया करता हूं, जिन्होंने मेरी एक्टिंग को पसंद किया, फिल्म '12वीं फेल' को इतने प्यार से आगे बढ़ाया। मेरे लिए खुशी की बात है कि मैं अपना पहला नेशनल अवॉर्ड शाहरुख खान जैसे बड़े कलाकार के साथ शेयर कर रहा हूं।'

देश में एक समान कानून ही सच्ची एकता : अजित पवार

- सरकार की प्राथमिकता महाराष्ट्र का विकास है

मुंबई (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के छह साल पूरे होने पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने इसे देश की एकता के लिए जरूरी कदम बताया। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि जब हम एक ही देश में रहते हैं, तो जम्मू-कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक सभी के लिए एक समान कानून होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले अलग-अलग राज्यों के लिए अलग कानून होना कई लोगों को स्वीकार नहीं था। अब समय आ गया है कि पूरे देश में एक समान कानून लागू हो, यही सच्चे अर्थों में राष्ट्रीय एकता है। महायुति सरकार के प्रदर्शन को लेकर पूछे गए सवाल पर पवार ने कहा कि राज्य की मौजूदा सरकार को जनादेश मिला है और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में राज्य में विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि हालिया कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए गए हैं और सरकार की प्राथमिकता महाराष्ट्र का विकास है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार केंद्र से अधिकतम सहयोग पाने की दिशा में लगातार प्रयासरत है। राहुल गांधी पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए अजित पवार ने कहा कि किसी पर आरोप लगाने से पहले सबूत होना चाहिए। कोर्ट का निर्णय अंतिम होता है और बिना प्रमाण के आरोप लगाना ठीक नहीं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के कुछ नेता बेबुनियाद आरोप लगाते हैं, जो लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी से भारत की जमीन चीन के कब्जे में संबंधी टिप्पणी को लेकर सवाल किया था।

ग्लोबल साइबर फ्रॉड मामले में ईडी का बड़ा एक्शन, कर दी ताबड़तोड़ छापेमारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बढ़ते साइबर फ्रॉड के मामलों को लेकर ईडी ने बड़ा एक्शन लिया है। दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और देहरादून में 11 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू की। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत सीबीआई और दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू हुई है। ईडी की जांच में पता चला कि आरोपियों ने 260 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि बिटकॉइन के रूप में कई क्रिप्टो-वॉलेट्स में जमा की। इस राशि को बाद में यूएई में कई हवाला ऑपरेटरों और व्यक्तियों के जरिए यूएसडीटी में बदलकर नकदी में परिवर्तित किया गया। यह खुलासा साइबर अपराध के इस अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की गहरी जड़ों को दर्शाता है। दिल्ली-एनसीआर से लेकर देहरादून तक, ईडी की टीमें पूरी तत्परता के साथ संदिग्ध ठिकानों की तलाशी ले रही हैं। इस ऑपरेशन का मकसद न केवल सबूत जुटाना है, बल्कि इस साइबर ठगी के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करना भी है। जांच में खुलासा हुआ है कि ठगों ने विदेशी और भारतीय नागरिकों को निशाना बनाया। ये धोखेबाज खुद को पुलिस या जांच अधिकारी बताकर लोगों को गिरफ्तारी की धमकी देकर उनकी संपत्ति हड़प लेते थे। इतना ही नहीं, कुछ ठगों ने माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन जैसी कंपनियों के टेक सपोर्ट एजेंट बनकर भी लोगों को ठगा। पीड़ितों से लूटी गई रकम को क्रिप्टोकरेंसी में बदला गया और फिर उसे आरोपी व्यक्तियों तक पहुंचाया गया।

स्वामी प्रसाद मौर्य पर हमला, माला पहनाने के बहाने थप्पड़ जड़ा

रायबरेली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी (आरएसएसपी) अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य पर हमला हुआ है। बुधवार को जब वे रायबरेली के गोल चौराहे पर समर्थकों से मिल रहे थे, तभी एक युवक ने माला पहनाने के बहाने पीछे से उन्हें थप्पड़ जड़ दिया। इस बीच भीड़ ने आरोपी युवकों को दबोचकर उनकी पिटाई कर दी। मौके पर मौजूद पुलिस ने किसी तरह आरोपियों को भीड़ के चंगुल से छुड़ाया। फिलहाल, इस घटना से इलाके का माहौल गरमा गया है। मारपीट में हमलावर युवकों को गंभीर चोटें आई हैं। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, स्वामी प्रसाद मौर्य बुधवार को रायबरेली के गोल चौराहे पर पहुंचे थे! यहां समर्थक फूल-माला पहनाकर उनका स्वागत कर रहे थे। तभी एक युवक ने माला पहनाने के दौरान मौर्य को थप्पड़ मार दिया। बताया जा रहा है कि हमलावर युवक करणी सेना से जुड़े हो सकते हैं, हालांकि संगठन की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने हमले के लिए योगी सरकार पर आरोप लगाते हुए इस सरकारी गुंडों का काम बताया है। उन्होंने कहा कि यह घटना लखनऊ से फतेहपुर जाते समय मिलएरिया थाना क्षेत्र के सारस चौराहे पर हुई। पूर्व सपा नेता मौर्य अपने विवादित बयानों के कारण अक्सर सुर्खियों में रहते हैं और उन पर पहले भी इस तरह के हमले हो चुके हैं।

जमुई में एक दुर्लभ प्रजाति का ब्राउन उल्लू मिला, कीमत लाखों में

जमुई (एजेंसी)। जमुई में एक दुर्लभ प्रजाति का ब्राउन उल्लू मिला है, जिसकी कीमत लाखों में आंकी गई है। यह घटना लक्ष्मीपुर प्रखंड के सोनदीपी गांव में हुई, जहाँ एक परिवार को रात में अपने घर में यह उल्लू मिला। करीब दो बजे विकास कुमार यादव अपने घर के बरामदे में सो रहे थे, जब उन्हें खाट के नीचे से डरावनी आवाज और फड़फड़ाहट सुनाई दी। उन्होंने परिवार के सदस्यों को जगाकर रोशनी करके देखा, खाट के नीचे एक ब्राउन रंग का उल्लू मिला। परिवार ने सावधानीपूर्वक उल्लू को पकड़ा और एक कमरे में बंद कर दिया ताकि वह सुरक्षित रहे। पूरी रात परिवार के लोग जागकर उसकी निगरानी करते रहे। सुबह यह खबर पूरे गांव में फैल गई और लोग उल्लू को देखने के लिए इकट्ठा हो गए। विकास ने उल्लू को सुरक्षित रखने के लिए उसके एक पैर में रस्सी बांधी और वन विभाग को सूचना दी। मंगलवार दोपहर को वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर उल्लू को अपने कब्जे में लिया। वन आरक्षी नीलू पासवान ने बताया कि यह उल्लू दुर्लभ प्रजाति का ब्राउन आउल है, जो भारत में कम ही पाया जाता है।

ब्रह्मोस, एस-400 से लेकर बराक-1 तक, भारत की वॉर शील्ड बनेगी और भी मजबूत

67,000 करोड़ रुपये के नए रक्षा प्रोजेक्ट्स को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद अब मोदी सरकार रक्षा क्षे में तेजी से काम कर रही है। क्योंकि भारत का पड़ोसी चीन रक्षा मामले में लगातार ताकतवार होता जा रहा है। चीन का ताकतवार होना भारत के लिए चिंता का विषय है। इसी चिंता को देखते हुए भारत सरकार ने देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए 67,000 करोड़ रुपये के नए रक्षा प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। यह फैसला केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में लिया गया। इन प्रोजेक्ट्स का मुख्य उद्देश्य पाकिस्तान और चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना की ताकत को बढ़ाना है। भारत अब किसी भी हाल में रक्षा क्षेत्र में दूसरे देशों से कमजोर नहीं रहना चाहता है। इन प्रोजेक्ट्स के तहत, भारतीय सेनाओं के लिए कई महत्वपूर्ण सैन्य हार्डवेयर खरीदे जाएंगे।

भारतीय वायुसेना के लिए- पहाड़ी क्षेत्रों में हवाई निगरानी क्षमता बढ़ाने के लिए माउंटेन रडार खरीदे जाएंगे। इसके साथ ही, लंबे समय तक उड़ान भरने वाले मीडियम एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस (मेल) रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट (आरपीए) की खरीद को भी मंजूरी मिली है। जो कि ऑपरेशन सिंदूर में अहम किरदार निभाने वाली वायुसेना को और ताकत मिलेगी। इसके अलावा भारतीय नौसेना के लिए पनडुब्बी रोधी अभियानों के लिए कॉम्पैक्ट ऑटोनॉमस सरफेस क्राफ्ट, ब्रह्मोस फायर कंट्रोल सिस्टम और बराक-1 मिसाइल सिस्टम के अपग्रेड को मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही नौसेना के लिए कॉम्पैक्ट ऑटोनॉमस सरफेस क्राफ्ट (सीएएससी) की भी खरीद होगी। ये रोबोटिक नौकाएं पनडुब्बी रोधी युद्धों में दुश्मन की गतिविधियों को ट्रैक और न्यूट्रलाइज़ करने में मदद करेंगी।

भारतीय थल सेना के लिए- टैंकों में इस्तेमाल होने वाली थर्मल-इमेजर-आधारित ड्राइवर नाइट-साइट की खरीद की जाएगी, जिससे रात में युद्ध संचालन की क्षमता में सुधार होगा। तीनों सेनाओं के लिए: तीनों सेनाओं के लिए मीडियम एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस की खरीद के साथ-साथ, रूस निर्मित एस-400 मिसाइल सिस्टम के वार्षिक रखरखाव के कॉन्ट्रैक्ट को भी मंजूरी दी गई है। एस-400 मिसाइल सिस्टम ने हाल ही में पाकिस्तान के साथ हुए संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। डीएसी ने इसकी अहमियत को देखते हुए मिसाइल सिस्टम के व्यापक सालाना मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट को भी मंजूरी दी है। आर्मी के लिए थर्मल-इमेजर-आधारित ड्राइवर नाइट-साइट की खरीद के लिए शुरुआती मंजूरी दी गई है जो टैंकों में काम करेगी। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इससे बीएमपी यानी की रात में संचालन की क्षमता बढ़ेगी।

सुप्रीम कोर्ट की राहुल गांधी को फटकार, ओपी राजभर ने किया समर्थन

- सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी उचित है और विपक्ष को अपनी भूमिका समझनी चाहिए

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के प्रमुख ओपी राजभर ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा राहुल गांधी को दी गई फटकार का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पूरी तरह उचित है और विपक्ष को अपनी भूमिका समझनी चाहिए। मंत्री राजभर ने कहा कि विपक्ष ने यह मानसिकता बना ली है कि सरकार के हर काम का केवल विरोध करना है, जबकि उनका असली कर्तव्य है कि सरकार को सही दिशा दिखाएं। उन्होंने सुझाव दिया कि विपक्ष संसद में मुद्दों पर चर्चा कर सकता है और प्रधानमंत्री, गृहमंत्री या रक्षामंत्री से वार्ता कर सकता है। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जब भी राहुल विदेश जाते हैं, तो भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले बयान देते हैं। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदार विपक्ष की पहचान नहीं हो सकती। वहीं अखिलेश यादव और राहुल गांधी द्वारा भगवान राम पर दिए गए बयानों को लेकर कहा कि अगर वे राम को नहीं मानते तो जबरदस्ती नहीं की जा सकती, लेकिन चुनाव आते ही ये नेता मंदिरों में अलग-अलग वेशभूषा में दिखाई देते हैं। कांग्रेस पर हमला करते हुए राजभर ने कहा कि जब चुनाव हारते हैं तो चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हैं, लेकिन जीतने पर वही आयोग अच्छा लगने लगता है। बिहार में एसआईआर को लेकर उठे सवालों पर उन्होंने कहा कि आयोग ने सभी को आपत्ति दर्ज कराने के लिए पर्याप्त समय दिया है और उचित समाधान भी करेगा। राज्यपाल सत्यपाल मलिक के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि देश ने एक निर्भीक और कुशल नेता को खो दिया है।

7 साल पहले शाह पर की गई टिप्पणी के मामले में राहुल गांधी को मिली जमानत

रांची (एजेंसी)। चाईबासा निवासी प्रताप कटियार नामक शख्स ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ 9 जुलाई, 2018 को दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया था कि उन्होंने वर्ष 2018 में कांग्रेस के अधिवेशन में भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। अब इस मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को झारखंड के चाईबासा कोर्ट में चल रहे एक मानहानि मुकदमे में जमानत मिल गई है।

शिकायत के अनुसार, राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस में कोई हत्यारा राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बन सकता है। कांग्रेसजन किसी हत्यारे को राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वीकार नहीं कर सकते हैं, यह भाजपा में ही संभव है। इस शिकायत वाद पर चाईबासा कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ अप्रैल 2022 में जमानती वारंट जारी किया था। इस पर राहुल गांधी की ओर से कोई संज्ञान नहीं लिया गया। इसके बाद कोर्ट ने फरवरी 2024 में उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। यह मामला वर्ष 2018 में भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से जुड़ा है। इस केस में झारखंड के चाईबासा के एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने उनके खिलाफ वारंट जारी करते हुए व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित होने का निर्देश दिया था।

राहुल गांधी के अधिवक्ता ने इस पर कोर्ट में आवेदन देकर सशरीर उपस्थित होने की छूट मांगी थी, लेकिन उनका आवेदन खारिज कर दिया गया था। इसके खिलाफ राहुल गांधी झारखंड हाईकोर्ट पहुंचे थे, जहां उन्हें कई महीनों तक राहत मिली थी। मार्च, 2024 में झारखंड हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की याचिका निष्पादित कर दी। इसके बाद चाईबासा कोर्ट में फिर से सुनवाई हुई। राहुल गांधी के अधिवक्ता ने इस मामले में कोर्ट में आवेदन दाखिल कर व्यक्तिगत तौर पर उपस्थिति से छूट की मांग की थी, लेकिन इसे कोर्ट ने अस्वीकार कर दिया था।

निशिकांत दुबे के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर, मनसे ने दी सबक सिखाने की चेतावनी

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र की जनता से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे माफ़ी मांगे ऐसी मांग महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने की थी। हालाँकि, जब सांसद दुबे ने माफ़ी नहीं माँगी, तो नासिक मनसे शहर अध्यक्ष सुदाम कोंबडे ने नासिक ज़िला न्यायालय में दुबे के ख़िलाफ़ याचिका दायर की। साथ ही सांसद दुबे को मनसे शैली में सबक सिखाने की चेतावनी दी गई है। आपको बता दें कि सांसद दुबे ने मराठी समुदाय के ख़िलाफ़ विवादास्पद बयान देने के लिए मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे और शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे की कड़ी आलोचना की थी। सांसद निशिकांत दुबे द्वारा मराठी लोग किसकी रोटी खाते हैं? तुम मराठी लोग हमारे पैसों पर पलते हो वाला विवादास्पद बयान देने के बाद, महाराष्ट्र में उनके ख़िलाफ़ गुस्से की लहर दौड़ गई थी।

उधर मुंबई से सटे मीरा-भायंदर में एक प्रवासी दुकानदार के मराठी न बोलने की बात कहने पर मनसे कार्यकर्ताओं ने उस पर हाथ उठा दिया था। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने ठाकरे बंधुओं पर तब हमला बोला था। निशिकांत दुबे ने मराठी लोगों पर तंज कसते हुए कहा था, बताओ मराठी लोग कितना टैक्स देते हैं। इस पर मनसे के नासिक शहर अध्यक्ष सुदाम कोंबडे ने चेतावनी दी थी कि दुबे महाराष्ट्र की जनता से माफ़ी मांगें, अन्यथा अवमानना की कार्रवाई का सामना करें। लेकिन इसके बाद भी सांसद दुबे ने इस मामले में माफ़ी नहीं मांगी। इसलिए सुदाम कोंबडे ने उनके खिलाफ नासिक जिला सत्र न्यायालय में भारतीय दंड संहिता की धारा 352, 356 के तहत अवमानना याचिका दायर की है। मनसे शहर अध्यक्ष सुदाम कोंबडे ने यह भी चेतावनी दी है कि दुबे जब नासिक आएंगे तो उन्हें सबक सिखाएंगे।

*** दुबे कोई बयान न दें**

मराठी मुद्दे पर दिए गए उनके विवादित बयान के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को शांत रहने की सलाह दी है। देवेंद्र फडणवीस ने 4 अगस्त को मीडिया से बात करते हुए कहा, हम महाराष्ट्र में स्थिति को संभालने में सक्षम हैं। मराठी लोग और यहाँ के अमराठी भी सुरक्षित हैं। महाराष्ट्र में मराठी और गैर-मराठी के बीच कोई विवाद नहीं है, फिर भी कुछ लोग जानबूझकर विवाद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। मेरी सलाह है कि सांसद दुबे को इस मुद्दे पर कोई बयान नहीं देना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर एल्विश के खिलाफ ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर लगाई रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एल्विश यादव को सांप के जहर से जुड़े मामले में चल रही ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने आरोप-पत्र और आपराधिक कार्यवाही को चुनौती देने वाली एल्विश की याचिका पर यूपी सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस भी जारी किया है। बता दें इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूट्यूबर एल्विश यादव की याचिका को खारिज कर दिया था। इसमें उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर में दायर आरोप-पत्र के खिलाफ आरोप लगाया गया था कि उन्होंने यूट्यूब वीडियो बनाने के लिए सांपों और सांप के जहर का दुरुपयोग किया था। उनके खिलाफ रेव पार्टियों का आयोजन और विदेशियों को आमंत्रित करने के आरोप भी शामिल हैं जो लोगों को सांप के जहर और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन कराते हैं। जस्टिस सौरभ श्रीवास्तव की पीठ ने मई में उनकी याचिका खारिज करते हुए मौखिक टिप्पणी की थी कि एल्विश के खिलाफ आरोप-पत्र और एफआईआर में बयान दर्ज हैं और मुकदमे के दौरान ऐसे आरोपों की सत्यता की जांच की जाएगी। पीठ ने यह भी कहा कि एल्विश ने याचिका में एफआईआर को चुनौती नहीं दी है। इसके बाद अब यूट्यूबर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एल्विश को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस भी जारी किया है। एल्विश ने रेव पार्टी में सांपों का प्रदर्शन करने के मामले में गाजियाबाद कोर्ट में दायर चार्जशीट को चुनौती दी है।

सितंबर-अक्टूबर के बीच देश के एयरपोर्ट पर हो सकता है आतंकी हमला

खुफिया एजेंसियों ने बीसीएएस और सीआईएसएफ को किया अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान फिर कुछ बड़ा करने की फिराक में है। इस बार पाकिस्तान के निशाने पर देश के एयरपोर्ट हैं। बीते दिनों खुफिया एजेंसियों ने बीसीएएस के साथ सीआईएसएफ को अलर्ट किया है। खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर देश के सभी एयरपोर्ट की सुरक्षा को चाकचौबंद करने की कवायद शुरू हो गई है। मीडिया रिपोर्ट में एयरपोर्ट सुरक्षा से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि खुफिया एजेंसियों ने पाकिस्तानी आतंकी समूह के खतरनाक मंसूबों के बारे में एयरपोर्ट सुरक्षा से जुड़ी सभी एजेंसियों को आगाह किया है। खुफिया एजेंसियों ने 22 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 के बीच एयरपोर्ट पर आतंकी हमले की आशंका जताई है। जिसके बाद 4 अगस्त को बीसीएएस ने आदेश जारी कर सभी एयरपोर्ट, हेलीपैड, हवाई पट्टियों, फ्लाइंग स्कूलों और ट्रेनिंग इंस्टीट्यूशन्स की सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

खुफिया एजेंसियों ने संकेत दिए हैं कि 22 सितंबर से 2 अक्टूबर के दौरान आतंकी संगठन या असामाजिक तत्व कोई बड़ी साजिश रच सकते हैं। बीसीएएस ने सभी एयरपोर्ट को पुलिस, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) समेत सभी संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर काम करने को कहा है। अगर कोई नई जानकारी या अलर्ट मिलता है, तो उसे तुरंत सभी संबंधित पक्षों के साथ साझा करने के निर्देश दिए गए हैं। सुरक्षा को और पुख्ता करने के लिए बीसीएएस ने कई सख्त कदम उठाने के लिए भी कहा है।

बीसीएएस ने एयरपोर्ट पर काम करने वाले सभी स्टाफ, कांट्रेक्टर और आगंतुकों की पहचान करने को कहा है। इसके अलावा सभी सीसीटीवी कैमरों को लगातार चालू रखने और उनकी निगरानी करने के आदेश दिए हैं। ग्रे एरिया की पहचान कर खराब कैमरों को सही करने के निर्देश भी दिए हैं। बीएसएएस का यह आदेश न केवल एयरपोर्ट, बल्कि एयरलाइंस और अन्य विमानन सेवाओं से जुड़े सभी एजेंसियों पर भी लागू होगा। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में सामान और कार्गो की जांच को और सख्त करने के निर्देश दिए हैं।

कबूतरों को दाना खिलाने पर रोक का मामला बना धार्मिक आस्था और जनस्वास्थ्य के बीच टकराव का कारण

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में कबूतरों को दाना खिलाने पर प्रतिबंध, धार्मिक आस्था और जनस्वास्थ्य के बीच एक बड़ा टकराव पैदा कर रहा है। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के बाद, बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने सार्वजनिक स्थानों और कबूतरखानों में दाना डालने पर सख्ती से रोक लगा दी है। कोर्ट का तर्क है कि कबूतरों की बढ़ती आबादी से श्वसन संबंधी बीमारियाँ फैल रही हैं और ऐतिहासिक इमारतों को भी नुकसान हो रहा है।

यह प्रतिबंध विशेष रूप से जैन और गुजराती समुदाय के लिए एक संवेदनशील धार्मिक मुद्दा बन गया है। जैन धर्म में कबूतरों को दाना खिलाना करुणा और अहिंसा का प्रतीक बताया जाता है, जो उनकी सदियों पुरानी परंपरा का हिस्सा है। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ जैन धर्मगुरु नरेशचंद्र जी महाराज ने आमरण अनशन की घोषणा की है, और हजारों लोगों ने कोलाबा से गेटवे ऑफ इंडिया तक विरोध मार्च निकाला है। विवाद ने अब राजनीतिक रंग भी ले लिया है। भाजपा विधायक मंगल प्रभात लोढ़ा ने नगर आयुक्त को पत्र लिखकर प्रतिबंध पर फिर से विचार करने मांग की है। उन्होंने यह सवाल भी उठाया है कि क्या केवल कबूतरों को दाना डालना ही जनस्वास्थ्य संकट का एकमात्र कारण है। इसके बाद अब मुंबई प्रशासन के लिए जनस्वास्थ्य और धार्मिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना एक बड़ी चुनौती बन गया है। जहाँ न्यायालय का निर्णय वैज्ञानिक और स्वच्छता के दृष्टिकोण से सही लगता है, वहीं आदेश को लागू करते समय संवेदनशीलता और संवाद की आवश्यकता है।

तत्काल समाधान के तौर पर, स्थानीय निकायों को नियंत्रित और स्वच्छ कबूतरखानों की योजना बनानी चाहिए। इससे धार्मिक परंपरा भी बनी रहेगी और नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। मुंबई जैसे बहुसांस्कृतिक शहर में, किसी भी निर्णय को लागू करते समय सामाजिक और धार्मिक संवेदनशीलता का ध्यान रखना बेहद ज़रूरी है। यह मामला अब सिर्फ एक आदत नहीं, बल्कि धार्मिक अधिकार, प्रशासनिक आदेश, और सार्वजनिक स्वास्थ्य के बीच की एक जटिल रेखा बन गया है।

अलर्ट: असम, बिहार, उत्तराखंड, और अन्य राज्यों में गंभीर बाढ़ की स्थिति

नई दिल्ली(एजेंसी)। असम के हैलाकांडी जिले में धलेश्वरी नदी(घारमुरा) सुबह 6:00 बजे 29.74 मीटर पर थी, जो खतरे के निशान (28.05 मीटर) से 1.69 मीटर ऊपर है। इसी जिले में कटखल नदी (मतिजुरी) 20.73 मीटर पर बह रही है, जो खतरे के निशान (20.27 मीटर) से 0.46 मीटर ऊपर है। तिनसुकिया जिले में बुरिदेहिंग नदी (मार्गेरिटा) 134.55 मीटर पर है, जो खतरे के निशान (134.42 मीटर) से थोड़ा ऊपर है। इन नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे स्थानीय प्रशासन को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने देश के कई राज्यों में नदियों के जलस्तर में खतरनाक वृद्धि के कारण बुलेटिन किया। 6 अगस्त को सुबह 6:39 बजे जारी बुलेटिन के अनुसार, असम, बिहार, उत्तराखंड, झारखंड, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, और पश्चिम बंगाल में कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिससे बाढ़ का गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

बिहार के कई जिलों में गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। बक्सर में गंगा 60.85 मीटर, पटना के दानापुर में 51.92 मीटर, दीघाघाट में 51.1 मीटर, गांधीघाट में 49.87 मीटर, और हथिदह में 42.74 मीटर पर है, जो सभी खतरे के निशान से ऊपर हैं। भोजपुर, भागलपुर और खगड़िया में भी गंगा का जलस्तर गंभीर स्थिति में है। इसके अलावा, बाया, बूढ़ी गंडक, कोसी, बागमती, पुनपुन, और धरधा जैसी सहायक नदियां भी खतरे के निशान को पार कर चुकी हैं। खगड़िया में कोसी नदी (बलतारा) 34.81 मीटर और कटिहार में 30.73 मीटर पर बह रही है, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में अलकनंदा और मंदाकिनी नदियां गंभीर स्थिति में हैं। अलकनंदा (रुद्रप्रयाग) 627.6 मीटर और मंदाकिनी (गौरीकुंड) 1976.8 मीटर पर है। हरिद्वार में बाणगंगा और टिहरी गढ़वाल में भागीरथी नदी भी खतरे के निशान से ऊपर हैं। झारखंड के साहेबगंज में गंगा 27.74 मीटर पर बह रही है, जो खतरे के निशान से 0.49 मीटर ऊपर है। मध्य प्रदेश के दतिया में सिंध नदी, उत्तर प्रदेश के बदायूं और वाराणसी में गंगा और पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में गंगा (फरक्का) खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। मुर्शिदाबाद में गंगा 23.04 मीटर पर है, जो खतरे के निशान से 0.79 मीटर ऊपर है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)